डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 >अंक : 16-17 >मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 12

साप्ताहिक समाचार | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

जयपुर, शुक्रवार, 21 अक्टूबर 2022

दीपावली विशेषांक

14-21 अक्टूबर सयुक्तांक

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

hillviewsamachar@gmail.com

अंधेर नगरी चौपट राजा

गलता गेट गोवर्धनपुरी के पास कनक बिहारी मंदिर व बनावटी हिंदुत्व का हवाला देकर पुजारी साधु सियाराम दास सरकारी बालिका विद्यालय जेडीए द्वारा आवंटित लगभग 2000 वर्ग ग़ज़ अरबों की ज़मीन पर कर रहा है लगातार अवैध निर्माण

■ शासन-प्रशासन की मिलीभगत और मौन-मूक सहमति से अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास के हो रहे हौसले बुलंद

■ इस अवैध और भव्य लक्जरी कॉम्प्लेक्स का निर्माण हो रहा क्षेत्रीय विधायक रफ़ीक़ ख़ान व प्रभावशाली लोगों के सहयोग से

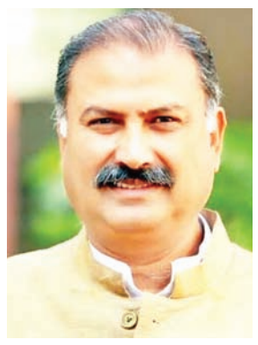

रफ़ीक़ ख़ान, विधायक, आदर्शनगर विधानसभा

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। राजधानी में जैसे अवैध निर्माण की बाढ़ नहीं सुनामी आ गयी है। जेडीए,नगर निगम किसी भी ज़ोन में चले जाइये अवैध निर्माण और अतिक्रमण ज़ोरों पर हैं। सम्बंधित ज़ोन और स्थानीय पार्षद या विधायक की धाक ने सब नियम, क़ानून क़ायदों को ताक़ में रख दिया है। कहीं शासन लिप्त है तो कहीं प्रशासन की मिलीभगत से राज्य की कीमती संपत्तियों और राजस्व को भारी हानि हो रही है। जहाँ एक ओर पिछले कुछ समय पूर्व भरतपुर के सीकरी,ब्रज क्षेत्र में साधु विजयदास ने अवैध खनन को रोकने और उसका विरोध दर्ज करने में आत्मदाह किया और बलिदान हो गए। पहाड़ी क्षेत्र में ब्रज भूमि पर अवैध खनन रोकने के लिए संत समाज 550 दिनों से आंदोलन कर रहा था। राज्य की संपत्ति और सम्पदा,जंगलों, सार्वजनिक सरकारी भूमियों के लिए जहाँ एक ओर संत विजयदास शहीद हो गए वहीं दूसरी ओर कनक बिहारी मंदिर गलता गेट के सियारामदास साधु हैं जो लगभग 80 वर्षीय है और वे मंदिर धर्म की आड़ में जेडीए द्वारा बालिका विद्यालय के लिए आवंटित ज़मीन पर अवैध निर्माण कर रहे हैं जहाँ शिक्षा का भव्य मंदिर बनना था ताकि महिला शक्ति के सुनहरे सपने साकार होते व बालिका विकास की दिशा में सरकार के उद्देश्य पूरे होने की दिशा में कदम बढ़ते!

विधायक रफ़ीक ख़ान व हेरिटेज डिप्टी मेयर सहित 23 लोगों पर षड़यंत्र व मारपीट का मामला दर्ज।

एमएलए रफ़ीक़ ख़ान की मौजूदगी में खुद वार्ड 78 से महिला पार्षद संतोष तंवर ने अपने मिलने जुलने वालों और रिश्तेदारों के साथ मिलकर अवैध निर्माण की छत पर भीड़ इकट्ठी की। राकेश मीणा जो कि बालिका विद्यालय की ज़मीन के इस अवैध निर्माण के विरोध का मुख्य प्रार्थी है उसके परिवार पर इस प्रकार भीड़ इकट्ठी कर दबाव बनाया। पत्थर फैंके गए। मॉब लीचिंग के माध्यम से राकेश मीणा और उसके परिवार को डराने धमकाने की कोशिश की गयी एवं जाति सूचक शब्दों से उसे अपमानित किया। अवैध कब्जे को इस प्रकार शासन-प्रशासन और कुछ प्रभावशाली लोगों के सहयोग से संरक्षण दिया गया।

क्या है गलतागेट गोवर्धनपुरी कनक बिहारी मंदिर की आड़ में साधु सियारामदास द्वारा किया जा रहा अवैध निर्माण का पूरा मामला?

दिनाँक 15 सितम्बर 2022 को साधु सियारामदास द्वारा अवैध निर्माण शुरू किया गया तब से लगातार 'राकेश आमजन 'जो कि एक राजकीय कर्मचारी है उसके साथ आसपास के जागरूक लोगों ने इसका विरोध किया।

इस लगातार बढ़ते अतिक्रमण, अवैध व भव्य कॉम्प्लेक्स नवनिर्माण से लोग परेशान होने लगे क्योंकि उस अवैध निर्माण के इर्द-गिर्द कई मकानों की हवा,पानी, रोशनी बन्द हो गयी व रहवासियों की निजता भंग होने लगी क्योंकि इस अवैध भवन की कई खिड़कियाँ व झरोखे दूसरे के मकान की दिशा में बनाये गए हैं।

इस प्रकार इसकी शिकायत 29 सितम्बर 2022 को सीईओ हेरिटेज निगम आईएएस आयुक्त विश्राम मीणा को मय साक्ष्य शिकायती पत्र द्वारा दर्ज कराई गई।

जिस पर आयुक्त महोदय द्वारा तत्काल एक्शन लिया गया और उपायुक्त विजलेंस हेरिटेज निगम को अवैध निर्माण के सीजर करने हेतु टिप्पणी अंकित करते हुए अनुशंषा की व मौखिक रूप से टेलीफोन द्वारा तात्कालिक उपायुक्त मेघराज मीणा आदर्श नगर को फटकार लगाई और आयुक्त ने शिक़ायत पत्र पर सीजर टिप्पणी करते तुरंत सीजर आदेश पर उपायुक्त आदर्शनगर हेरिटेज को कार्यवाही करने को कहा। लेकिन फिर भी कोई कार्यवाही नहीं हुई।

इस प्रकार आमजन द्वारा विरोध धीरे-धीरे बढ़ता गया।नगर निगम उपायुक्त विश्राम मीणा को दिनाँक 29.सितम्बर 22 को पत्र से पुनः सूचना करने और अवैध निर्माण सबंधित सभी दस्तावेज़ मय प्रमाण प्रस्तुत करने पर आयुक्त ने स्वयं द्वारा ही सीजर के आदेश दिनाँक 29 सितम्बर 2022 को शिकायत पत्र पर ही सीजर आदेश दे दिए गए।

गलता गेट स्थानीय लोगों ने विधायक रफ़ीक़ ख़ान का पुतला भी जलाया

गलता गेट गोवर्धनपुरी में आखिर क्यूं होता रहा अवैध निर्माण?

यह प्रश्न गहलोत सरकार से

- आख़िर सरकारी संपत्ति को बचाने के लिए आम नागरिक राकेश मीणा व स्थानीय निवासियों को इतनी मशक़्क़त क्यों करनी पड़ी?
- क्या इस गलता गेट के गोवर्धनपुरी में कोई भी सरकारी प्रतिनिधि ज़िम्मेदार या ईमानदार नहीं है?
- क्या प्रशासन इतना पंगु हो जाता है कि शासन के भ्रष्ट और स्वार्थी नेताओं और प्रतिनिधियों, पार्षदों के आगे उसे सच दिखाई देना बंद हो जाता है?

इन सबकी आपसी मिलीभगत के गाल पर जनता व राकेश मीणा द्वारा FIR झन्नाटेदार तमाचा है। गहलोत सरकार का भविष्य यूँ हाशिये पर तो है ही लेकिन उसके नेताओं के ऐसे भ्रष्टाचार उसकी सरकार को ले डूबने की तैयारी में हैं।

पुजारी सियारामदास ने स्थानीय विधायक रफ़ीक़ ख़ान व अन्य पार्षदों व प्रभावशाली लोगों के बल पर अफ़वाह फैलाई की नगर निगम हेरिटेज कनकबिहारी मंदिर को सीज करने आ रहे हैं। भीड़ के साथ विधायक रफ़ीक़ ख़ान, डिप्टी महापौर असलम फ़ारुखी हेरिटेज नगर निगम, कई पार्षद गण जिनमें पारस जैन, शोहेल मंसूरी, शफ़ीक़ कुरैशी, संतोष तंवर स्वयं और पति भंवर सिंह जयपुर सर्किट हाउसकर्मी,बेटा गजेन्द्र सिंह, देवर मुकेश सिंह, भतीजा नरेंद्र सिंह,पार्षदनरेश नागर, सावित्री, पार्षद प्रत्यशी बना सिंह सांवरिया, चंद्रप्रकाश अग्रवाल उर्फ चंदू उर्फ लोहेवाला उर्फ भाड़े वाले,राममनोहर अग्रवाल पूर्व पार्षद पति,गलता थाने के सामने,विधायक क़रीबी मुकेश भटिया राजस्थान व्यापार मंडल बोर्ड सदस्य,राजकुमार चतुर्वेदी राजस्थान देवस्थान बोर्ड सदस्य,गायत्री मंदिर गलता दरवाज़ा धाक जमाकर मंदिर में जमघट लगाकर अवैध निर्माण की रक्षा के लिए बैठ गए। हिंदुत्व की आस्था का मामला बनाकर यह भीड़ इकट्ठी की गई। वस्तु स्थिति देखकर हेरिटेज निगम विजलेंस वापस चली गयी।

इसके पश्चात पीड़ितों द्वारा कोर्ट से गुहार लगाई गई कोर्ट एमएम वन महानगर द्वितीय मजिस्ट्रेट सुमन गिठाला द्वारा दिनाँक 01 अक्टूबर 22 को स्टे ऑर्डर क्रमांक 954/22 जारी किया गया किंतु अवैध निर्माणकर्ता सियारामदास ने कोर्ट को अपने एफिडेविट हलफनामा द्वारा गुमराह किया कि केवल रंग-रोगन का काम हो रहा है कहीं कोईनव निर्माण या अवैध कब्जा नहीं किया जा रहा।

इसके पश्चात भी शासन और प्रशासन के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से अविधिवत नवनिर्माण कार्य चालू रहा। जबकि पीड़ित शिक़ायतकर्ता राकेश द्वारा लगातार अवैध निर्माण की शिकायत मय वीडियो फोटो साक्ष्य के पुलिस नियंत्रण कक्ष,स्थानीय गलता थाना एसएचओ, व आदर्श नगर जोन उपायुक्त व डीसीपी नार्थ व उनके कार्यालयों, कार्मिकों को लिखित व मौखिक मय साक्ष्य सहित दी गई लगातार। पीड़ितों ने कोर्ट से स्टे ले लिया लेकिन कोर्ट के आदेशों की अवमानना लगातार होती रही।

राकेश आमजन सहित जागरूक नागरिक कोर्ट की अवमानना के ख़िलाफ़ (कंटेम्पट) अपील लेकर दिनाँक 14अक्टूबर 22 को पेश हुए और इसके बाद बहस में सियाराम दास को हाज़िर होने के आदेश हुए किंतु इस दौरान सियारामदास के वक़ील ने किसी क़रीबी की अस्वस्थता का बहाना बनाकर तारीख़ बढाने की अपील की। गत सोमवार 17 अक्टूबर की तारीख़ कोर्ट द्वारा दी गयी। 17 को भी सियारामदास के वकील ने उस अस्वस्थ व्यक्ति के मौत के समाचार देकर तारीख बढ़वा ली। कोर्ट ने अनुपस्थिति पर 500/- रुपये जुर्माना लगा दिया। आख़िर गत बुधवार 19 अक्टूबर22 को सियारामदास का वकील पेश हुआ और उसने अपनी बात यथा स्थिति रखी कि कोई निर्माण नहीं हो रहा जबकि अवैध निर्माण दिन-दूनी,रात-चौगुनी गति से बढ़ रहा था।

आख़िर एडीजे एसटीएससी कोर्ट में राकेश ने 18 अक्टूबर को पुनः गुहार लगाई कि हमारे परिवाद पर अभी तक किसी भी प्रकार की थाना या उच्च स्तर पर कार्यवाही नहीं हुई है और जाति सूचक शब्दों के साथ हमें बार बार अपमानित किया जा रहा है। एडीजे कोर्ट ने तुरंत आदेश दिए कि FIR दर्ज की जाए । इस प्रकार FIR न. 0383/2022-PS गलता गेट 19अक्टूबर 22 को भारी जद्दोजहद और मशक़्क़त के बाद FIR दर्ज हुई। राकेश मीणा व आम नागरिकों की जागरूकता की यह पही जीत हुई और अंत में अतिक्रमणकारियों के खिलाफ एफआईआर दज हो गई।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की 23वीं बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बोले...

आपदा से प्रभावित प्रत्येक के साथ खड़ी है सरकार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार आपदा से प्रभावित प्रत्येक नागरिक के साथ खड़ी है तथा मानवीय दृष्टिकोण के साथ राहत उपलब्ध करवाने का कार्य कर रही है। सरकार किसी भी प्रकार की आपदा में न्यूनतम जनहानि तथा अधिकतम राहत सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार किसी भी प्रकार की आपदा की स्थिति में प्रदेशवासियों की पूरी संवेदनशीलता के साथ सहयोग करने का कार्य कर रही है। कोविड-19 में प्राण गंवाने वाले मृतकों के आश्रितों को आर्थिक सहायता देने के लिए 116 करोड़ का वित्तीय प्रावधान किया गया है। सरकार ने 6 लाख पशुपालकों को बीमा कवर देने के लिए बजट घोषणा की है जो नवंबर के अंत तक शुरू हो जाएगी। सरकार ने 150 करोड़का प्रावधान किया है। राज्य में बिजली गिरने से होने वाली जनहानि को रोकने के लिए लाइटनिंग अरेस्टर की खरीद की जाएगी तथा इन्हें चुनिंदा स्थानों पर लगाया जाएगा।

सरसों की बुवाई के लिए मिनीकिट्स वितरण के निर्देश

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की 23वीं बैठक में सीएम कहा कि राज्य में अतिवृष्टि से कई जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी, परंतु उचित प्रबंधन से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। बैठक में बताया कि अतिवृष्टि के कारण हुए फसल खराबे से प्रभावित किसानों की उचित गिरदावरी करवाकर मुआवजा दिलाने का कार्य किया जा रहा है, जिन किसानों द्वारा हाल ही सरसों की बुवाई की गई थी, वर्षा से फसल खराब हो गई। उनको 1.17 लाख सरसों के बीज मिनीकिट्स का निशुल्क वितरण किया जाएगा। सीएम ने फसलों की बुवाई के लिए ज्यादा से ज्यादा मिनिकिट वितरित करने के निर्देश दिए।

ग्रामीण ओलम्पिक की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएँ शुरू

सीएम बने रेफरी तो खेल मंत्री और उप मुख्य सचेतक उतरे मैदान में

■ राजीव गांधी शहरी ओलम्पिक खेल होंगे 26 जनवरी से

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ रविवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सवाई मानसिंह स्टेडिम में किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में 33 जिलों से 33 टीमों में साढ़े तीन हजार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान खेल मंत्री अशोक चांदना, कृषि मंत्री लालचंद कटारिया, मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, मंत्री गोविंद राम मेघवाल, खेल परिषद अध्यक्ष कृष्णा पूनिया, उपाध्यक्ष सतवीर चौधरी, महेंद्र चौधरी, मुख्य सचिव उषा शर्मा, आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत सहित प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कबड्डी के खिलाड़ियों से मुलाकात कर रेफरी की भूमिका निभाते हुए एक मैच कराया। मैच में खेल मंत्री अशोक चांदना ने मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी को साथ लेकर कबड्डी खेली। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी गई। ओलंपिक और पैरालम्पिक में मेडल जितने वाले खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि सरकार राज्य में खेलों का स्ट्रक्चर मजबूत करने का काम शुरू कर चुकी है। इस वर्ष बजट में कई घोषणाएं युवाओं और खेल के लिए की जाएंगी। खेल परिषद अध्यक्ष कृष्णा पूनिया ने 500 कोच की भर्ती करने की मांग की। चांदना ने खेल परिषद को विभाग में बदलने की मांग की। गहलोत के निर्देश पर खेल मंत्री ने 26 जनवरी से प्रदेश में राजीव गांधी शहरी ओलंपिक की शुरुआत की घोषणा।

प्रत्येक जिले से 10-10 टीमें : प्रतियोगिता में 330 टीमें खेलेंगी, जिसमें 3 हजार 696 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। सभी 33 जिलों से 10-10 विजेता टीमें भाग लेंगी, जिसमें कबड्डी, वॉलीबाल, हॉकी और टेनिस बॉल क्रिकेट की महिला व पुरुष की एक-एक और शूटिंग वॉलीबाल की पुरुष और खो-खो की महिला टीम शामिल हैं। समापन 19 अक्टूबर को होगा। विजेता खिलाड़ियों और टीमों को पुरस्कार दिए जाएंगे।

खेलों के लिए 40 लाख रुपए तक खर्च नहीं हुए: चांदना

राज्य स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों के शुभारंभ पर खेल मंत्री अशोक चांदना ने कहा कि आज का दिन एक सपने के पूरा होने जैसा है। ये सपना 2 साल पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट में पेश किया। आज तक प्रदेश में किसी भी खेलों के लिए 40 लाख रुपए तक खर्च नहीं हुए। लेकिन राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक साथ 40 करोड़ रुपए स्वीकृत किए। पिछले 4 साल में राजस्थान में खेलों को लेकर जो का हुए, वो पूरे देश में नहीं हुआ।

अर्जुन के लिए द्रोणाचार्य की जरूरत: कृष्णा पूनिया

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की अध्यक्ष कृष्णा पूनिया ने कहा कि राजस्थान में खिलाड़ियों को जो मिल रहा है, वो देश के अन्य किसी राज्य में नहीं मिल रहा है। राजस्थान में आउट ऑफ टर्न नौकरियां दी जा रही हैं। राजस्थान में मिलने वाली अवार्ड राशि को राजस्थान सरकार ने बढ़ाया है। राजीव गांधी के नाम से खेल रत्न पुरस्कार भी शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से आग्रह करते हुए कृष्णा पूनिया ने कहा कि द्रोणाचार्य के बिना अर्जुन आगे नहीं जा सकता था। राजस्थान के खिलाड़ियों को भी द्रोणाचार्य की जरूरत है, इसलिए प्रदेश में 500 कोच की भर्ती की जाए।

कहाँ छिप गए भारत के नारीवादी

सम्पादकीय

ईरान की महिलाओं के पक्ष में किसी का नहीं बोलना शर्म की बात

कर्नाटक के स्कूलों में कक्षाओं के भीतर हिजाब पहनने पर प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने ही वाला है। पता नहीं कि वह कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले के साथ जाएगा या फिर उससे अलग नतीजे पर पहुंचेगा, लेकिन यह फैसला एक ऐसे समय आने जा रहा है, जब ईरान में हिजाब के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे हैं। इन प्रदर्शनों में अब तक डेढ़ सौ से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें कई युवतियां भी हैं। ये वे युवतियां हैं, जो सरकार के उस नियम का विरोध कर रही थीं, जिसके तहत सार्वजनिक स्थलों पर हिजाब पहनना अनिवार्य है।

ईरान की अधिसंख्य महिलाएं हिजाब नहीं पहनना चाहतीं, लेकिन सरकार है कि उन पर जबरन हिजाब थोपना चाहती है। ईरान में महिलाओं के दमन के पर्याय हिजाब के खिलाफ कोई पहली बार आंदोलन नहीं हो रहा है, लेकिन इस बार का कहीं अधिक व्यापक है। यह आंदोलन स्वतःस्फूर्त है। इसके मूल में कुर्दिश मूल की युवती महसा अमीनी की हत्या बनी, जिसे सही तरीके से हिजाब न पहनने के कारण बुरी तरह पीटा गया। जब वह मरणासन्न हालत में पहुंच गई तो यह कहकर अस्पताल में भर्ती करा दिया गया कि वह बीमार हो गई थी। बाद में वहां उसकी मौत हो गई।

ईरान के लोग यह मानने को तैयार नहीं कि महसा अमीनी पुलिस उत्पीड़न का शिकार नहीं हुई। इसका एक कारण तो नैतिक व्यवहार थोपने वाली ईरानी पुलिस का दमनकारी रवैया है और दूसरे, दुनिया इससे परिचित है कि यहां हिजाब न पहनने वाली महिलाओं से कैसे बुरा बर्ताव किया जाता है।

एक समय ईरान में जो महिलाएं सही तरह से हिजाब न पहने दिख जाती थीं, पुलिस उनके हाथ एक ऐसे घड़े में डाल देती थी, जिसमें लाल चींटियां होती थीं। पुलिस इन महिलाओं के हाथ तब तक घड़े में रखती, जब तक वे सूज नहीं जाते। ईरान में महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ दुनिया भर में तीखी प्रतिक्रिया हो रही है, लेकिन भारत में रहस्यमय तरीके से सन्नाटा छाया है। उनका मौन रहना तो समझ आता है, जो कर्नाटक की स्कूली छात्राओं को हिजाब पहनाने पर आमादा थे और इसके लिए तरह-तरह के कुतर्क दे रहे थे, लेकिन आखिर कथित सेक्युलर-लिबरल तत्व क्यों मौन हैं? इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि कथित प्रगतिशील नारीवादी और मानवाधिकारवादी कहां हैं? क्या ऐसे लोग भारत में नहीं हैं? हैं तो बड़ी संख्या में। उनकी सक्रियता कई अवसरों पर देखी जा चुकी है, जैसे कठुआ, हाथरस कांड और मी-टू अभियान के समय या फिर सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश का मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पहुंचने के समय।

ईरान में जो कुछ हो रहा है, उस पर हमारे किसी राजनीतिक दल ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस पर आश्चर्य नहीं, लेकिन स्वयं को उदारपंथी कहलाने और साथ में महिला अधिकारों के प्रति सदैव सजग-सक्रिय रहने वालों की चुप्पी हैरान भी करती है और परेशान भी। नारीवादियों का मौन भी समझ से परे है। आखिर कहां गए ये सब लोग? ईरान के घटनाक्रम को लेकर विश्व के अनेक देशों और विशेष रूप से पश्चिमी देशों में हर स्तर पर प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ ने ईरान की स्थिति को अस्वीकार्य बताया है। इसके अलावा कई देशों के नेता, मानवाधिकार कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी, नारीवादी और अन्य जानी-मानी हस्तियां ईरान के दमनकारी रवैये पर अपना विरोध दर्ज करा रही हैं। कुछ तो ईरानी महिलाओं के समर्थन में सार्वजनिक रूप से अपने बाल काट रही हैं। आम लोग सड़कों पर भी उतर रहे हैं। अपने यहां ऐसा कुछ नहीं हो रहा है।

भारत में अब तक केवल दो महिलाओं के ऐसा करने की खबर है। एक, नोएडा की महिला ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर खुद के बाल काटते हुए फोटो पोस्ट की और दूसरे एक टीवी एंकर ने स्क्रीन पर दर्शकों के सामने अपने बाल काटे। इसके अलावा किसी ने कोई वक्तव्य देना तो दूर रहा, ट्वीट और फेसबुक पोस्ट तक नहीं की। बालीवुड से हालीवुड गईं प्रियंका चोपड़ा संभवतः एकमात्र भारतीय हस्ती हैं, जिन्होंने ईरान की महिलाओं के समर्थन में कुछ कहा। उनके अतिरिक्त ईरानी मूल की अभिनेत्री मंदना करीमी ने मुंबई में ईरानी महिलाओं के समर्थन में एक तख्ती लेकर प्रदर्शन किया। उनका साथ देने कोई नायिका आगे नहीं आई। उन्होंने इसके लिए जब कुछ से बात की थी तो किसी ने कहा कि उन्हें अपनी पीआर टीम से बात करनी होगी तो कोई बोला, आखिर हम दो लोग क्या कर लेंगे?

प्रियंका चोपड़ा से भी बालीवुड की कोई नायिका प्रेरित नहीं हुई। उलटे कुछ मीडिया संस्थानों ने ऐसी खबर छापने में दिलचस्पी अवश्य दिखाई, जिसमें लिखा गया कि प्रियंका चोपड़ा की ओर से ईरानी महिलाओं के समर्थन में बोलने से खफा लोगों ने उन्हें खरी-खरी सुनाई। कौन थे ये खफा लोग? कुछ वामपंथी रुझान वाले, कुछ जिहादी किस्म के तत्व और कुछ ऐसे लोग, जो भारत को बदनाम करने का कोई अवसर न छोड़ने के लिए जाने जाते हैं।

वास्तव में यह हैरानी नहीं, बल्कि शर्म का विषय है कि भारत में ईरान की महिलाओं के पक्ष में कोई भी बोलने को तैयार नहीं है। इस मौन से ईरान की महिलाएं कुछ खोने वाली नहीं हैं। खोएगी तो मौन धारण किए हुए लोगों की विश्वनीयता, क्योंकि दिनकर यह बिल्कुल सही कह गए हैं कि 'जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनके भी अपराध।' वास्तव में इनका अपराध तो दर्ज होता साफ दिख भी रहा है, क्योंकि ढोंग कभी छिपता नहीं।

प्रकाश पर्व दीपावली से सिर्फ धार्मिक-सांस्कृतिक कारक ही नहीं जुड़े हैं, सामाजिक सरोकार भी जुड़े हैं, जो हमारे जीवन में खुशियों का उजियारा फैलाते हैं। यह पर्व हमें सीख देता है कि संकट का अंधेरा चाहे कितना गहरा हो, अपनों के संबल से एक न एक दिन छंटता ही है। कोरोना संकट काल पर भी यही बात लागू होती है। आइए, इस दीपोत्सव हम अपने भीतर के प्रकाश को आलोकित करें, सकारात्मक हों और एक-दूसरे का संबल बन कोरोना संकट का मुकाबला करें।

दीपोत्सव
फैले खुशियों का उजियारा

उद्देश्य
डॉ. मोनिका शर्मा

दीपावली का पर्व रोशनी के साथ जीवन में खुशहाली की सौगात लेकर आता है। यह पर्व एक परंपरा है, सबके साथ खुशियां साझा करने की। झिलमिल दीपों से सजे चौखट-चौबारे देखकर हमारे मन में सकारात्मक ऊर्जा के भाव स्वतः जागते हैं। इस तरह दीपोत्सव हमारे जीवन को ही नहीं, हमारे अंतस के हर कोने को प्रकाश से जगमगा देता है। आज जब हमारा देश कोरोना की विपदा घिरा है, तो दीपोत्सव का महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है, क्योंकि ये हमें सकारात्मक रहने का संदेश देता है। हमें इस संदेश को अपने जीवन में गहरे से आत्मसात करना चाहिए। सिर्फ अपनी ही नहीं, दूसरे के भीतर भी बैठे दुख-निराशा को दूर करना चाहिए।

सबका मन-जीवन हो रोशन

कोरोना संकट ने हमें जीवन की अनिश्चितता और उलझनों से रूबरू करवाया है। कई लोग निराशा के अंधकार से घिर उठे हैं, लेकिन नकारात्मक सोच रखने से हमारा ही अहित होगा। ऐसे प्रतिकूल समय में हमें सहजता पूर्वक खुद को अपने परिवेश से जोड़ना चाहिए, तभी हमारी सोच में सकारात्मकता आएगी। दीपावली का त्योहार भी यही समझाता है कि अंधकार में प्रकाश छुपा है, बस जरूरत है एक प्रयास की, जो उस प्रकाश को अंतस से बाहर लाए। इस पर्व में सबकी सुख-समृद्धि और खुशियों की कामना की जाती है। हर घर-आंगन के लिए ऐसे खुशनुमा माहौल की चाह रखी जाती है, जिसमें दरिद्रता, दुख और अंधकार नहीं, सुख-समृद्धि का प्रकाश हो। किसी भी आंगन में अंधियारा ना रहे। साथ ही सकारात्मक सोच और व्यवहार हमारे जीवन का हिस्सा बन जाए, मन को नकारात्मक भावों से मुक्ति मिले। वाकई दीपावली के पर्व की सार्थकता यही है कि सबका जीवन खुशियों से रोशन हो।

आलोकित हों मानवीय भाव

दीप पर्व पर रात्रि के समय चारों तरफ फैला प्रकाश यही संदेश देता है कि हम संकटकाल में भी रोशनी की रिवायत को आगे ले जाएं, इसे विस्तार दें। वैश्विक महामारी कोरोना से जूझने के इस दौर में ऐसी इंसानी समझ बहुत जरूरी है। इससे ही विपदा के समय परिवार और समाज आपस में जुड़ा रह सकता है। दीपावली के जरिए घर-परिवार और समाज के लोगों को हर्षोल्लास के साथ सामाजिक सरोकारों और जिम्मेदारी निभाने की भी सीख मिलती है। इस पर्व से जुड़ी कितनी ही परंपराएं हैं, जो हमारे अपने ही नहीं, दूसरों के जीवन में भी रोशनी भरने की सीख देती है। साथ ही जगमग करते दीपों के साथ हमारी मानवीय सोच भी उजास पाती है। ऐसी ही उजास भरी संवेदनाओं की दरकार कोरोना संकट का सामना करने के लिए जरूरी है।

संकट में साथ और संबल की सोच

दीपावली पर घर के आंगन और मुंडेर पर जैसे दीपों की पंक्तियां मिलकर अंधेरे का अंत करती हैं, वैसे ही एकजुट होकर किसी भी समस्या का सामना हम मिलकर कर सकते हैं। इसी तरह हम सब कोरोना के संकट का भी मुकाबला कर सकते हैं। इस संकट के समय जागरूक रहकर अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। हर नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी है। हमें दीपावली के प्रज्वलित दीए के समान ही समाज, परिवार और अपने देश के लिए ज्योतिपुंज बनना है। स्वयं को प्रकाशमय और चेतना संपन्न बनाना है। साथ ही अपनों को भी उजास की सकारात्मकता से जोड़े रखने का प्रयास करना है। उनका संबल बनना है। इस तरह की सोच और विचार के साथ ही हम कोरोना संकट काल में खुशियों भरी दीपावली मना सकते हैं।

कविता
अलका 'सोनी'

एक दीया जलाना जरूरी है

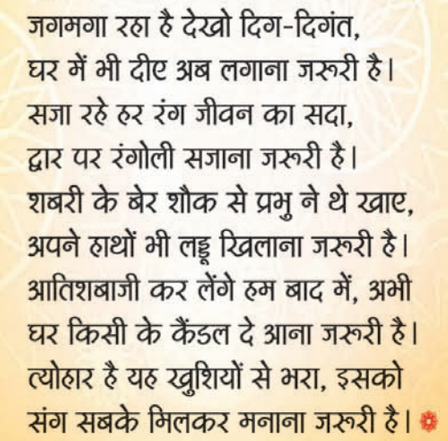

रात के अंधेरे को अब मिटाना जरूरी है,
इसलिए एक दीया जलाना जरूरी है।
चले आ रहे हैं पथिक कई इस ओर,
राह उनको दिखाना भी जरूरी है।
जगमगा रहा है देखो दिग-दिगंत,
घर में भी दीए अब लगाना जरूरी है।
सजा रहे हर रंग जीवन का सदा,
द्वार पर रंगोली सजाना जरूरी है।
शबरी के बेर शौक से प्रभु ने थे खाए,
अपने हाथों भी लड्डू खिलाना जरूरी है।
आतिशबाजी कर लेंगे हम बाद में, अभी
घर किसी के कैंडल दे आना जरूरी है।
त्योहार है यह खुशियों से भरा, इसको
संग सबके मिलकर मनाना जरूरी है।

विचार
प्रस्तुति : पूनम बर्त्वाल

जलाएं आशा के दीपक

कोरोना संकट के बाद भी हम दीपों के पर्व दीपावली को उत्साह से मनाना चाह रहे हैं। मनाए भी क्यों ना, इस पर्व की उमंग हमारे जीवन को सकारात्मक बनाती है। यह प्रकाश पर्व हमें संकट से जूझने की शक्ति भी देता है। कोरोना काल में इस पर्व का महत्व हमारे लिए और ज्यादा हो गया है। दीपोत्सव का क्या है संदेश, बता रही हैं दो जानी-मानी हस्तियां।

संकट की घड़ी में आशा का दीपक जलाए रखें

हिमानी शिवपुरी, टीवी एक्ट्रेस

दीपावली का पर्व बहुत ही सकारात्मकता से भरा हुआ है। यह पर्व हमें बताता है कि कोई भी दुख, समस्या ज्यादा समय तक जीवन में नहीं रहती है। यह बात हम एक नन्हे दीपक से प्रतीक रूप में समझ सकते हैं। एक दीपक जब जलता है तो अपने आस-पास के अंधकार को मिटा देता है। संकट की घड़ी में हमें अपने भीतर आशा का दीपक जलाए रखना चाहिए। कोरोना संकटकाल में भी इस बात को अमल में लाने की जरूरत है। अगर मैं अपनी बात करूं तो मैंने अपने जीवन में आई निराशा के अंधकार को खुद के आत्मबल से दूर किया। जब मेरे पति का देहांत हुआ था तो मेरा बेटा बहुत छोटा था। तब मैं बहुत निराश थी, लेकिन मैंने अपने अंदर हौसले का दीपक जलाया, अपने बेटे की परवरिश और अपने काम पर ध्यान दिया। देखिए, आज भी मैं एक्टिंग कर रही हूं। इन दिनों एंडटीवी के सीरियल 'हप्पू की उलटन-पलटन' में कटोरी अम्मा का किरदार निभा रही हूं। आखिर में मैं सभी से कहना चाहूंगी कि कोरोना संक्रमण के बचाव को ध्यान में रखते हुए, दिवाली की खुशियां जरूर मनाएं। मैं भी बिना पटाखे वाली दिवाली मनाऊंगी। मां लक्ष्मी और गणेश जी से सबके मंगल की कामना करूंगी।

अपने भीतर के उजास को हमेशा बनाए रखें

मालती जोशी, लेखिका

दीपावली का पर्व हमें बहुत गहरा संदेश देता है। इस दिन जब असंख्य दीप जलते हैं, तो चारों तरफ का अंधकार दूर हो जाता है। इसी तरह हम भी अपने मन के प्रकाश यानी सकारात्मकता से, अपने भीतर की निराशा को दूर कर सकते हैं। कोरोना संकट काल में तो हमें अपने भीतर की सकारात्मकता को हर हाल में बनाए रखना है। तभी हम इस मुश्किल समय का सामना कर पाएंगे। सिर्फ कोरोना काल में ही नहीं, हमें हर समय और स्थिति में खुद को सकारात्मक बनाए रखना चाहिए। इसके लिए हम अच्छे विचार मन में लाएं, अच्छी किताबें पढ़ें। खुद को खुश रखें और दूसरों को भी खुश करने का प्रयास करें। मैं अपनी कहानियों के जरिए भी प्रेम और मानवीय संबंधों और सकारात्मक भावों की बात करती हूं। दीपावली के अवसर पर मैं सभी से यही कहना चाहूंगी कि अपने भीतर के उजास को यानी सकारात्मकता को हमेशा बनाए रखें। सहेली की पाठिकाओं को दीपावली की ढेर सारी शुभकामनाएं।

हिलव्यू समाचार

जयपुर, शुक्रवार, 21 अक्टूबर 2022

दीपावली विशेषांक
संयुक्तांक

आस्था के पर्याय और आत्मविश्वास की प्रतिमूर्ति हैं
आचार्य रविन्द्र अतंराष्ट्रीय भविष्यवक्ता

सद्कर्म ही सच्ची भक्ति है: आचार्य रविन्द्र अतंराष्ट्रीय भविष्यवक्ता

दिवाली पर तिल्ली के तेल में मौली की बाती से जलाएँ दीया, लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

हिलव्यू समाचार

जयपुर। ईश्वर में आस्था और प्रतिमा में प्राण-प्रतिष्ठा ईश्वर के समीप होने का आभास देती है। ईश्वर ने संसार बहुत विस्तृत बनाया है और इसके कुशल संचालन के लिए और प्राणियों के बीच अपनी उपस्थिति बनाये रखने के लिए पृथ्वी पर ऐसी आत्माओं को अवतरित किया है जो संसार को सही दिशा व दशा प्रदान करने का सशक्त माध्यम हैं।

साधु,संत,महात्मा,आचार्य,गुरु ,गुणीजन यह सभी इन आत्माओं का सांसारिक प्रतिरूप हैं।

सदकर्म को जीवन का आधार और अच्छे कर्मों को ईश्वर की सच्ची आराधना का प्रतिरूप मानने वाले अतंराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भविष्यवक्ता आचार्य रविन्द्र ने 13 गोल्ड मेडल जीते हैं और राजनेताओं की सटीक भविष्यवाणी कर संसद में 03 बार सम्मानित हो चुके हैं। स्टार रिकॉर्ड बुक ऑफ इंटरनेशनल में अपना नाम दर्ज करवाने वाले,वाकपटु और स्पष्टवक्ता होने के साथ-साथ मानव जीवन को भटकने से बचाने वाले प्रकांड पंडित रविन्द्र आचार्य से **हिलव्यू समाचार संपादक शालिनी श्रीवास्तव** की सीधी वार्ता...

Q. अतंराष्ट्रीय ख्याती प्राप्त आचार्य रविन्द्र अपने पारिवारिक जीवन के बारे में बताएँ?

मैं उस परिवार में जन्मा हूँ जहाँ ज्योतिष विद्या का वास शुरू से रहा। मेरे दादा गायत्री उपासक होने के साथ-साथ प्रसिद्ध ज्योतिष रहे हैं। पिताजी श्री जगदीश प्रसाद शर्मा प्रधानाध्यापक रहे किंतु धर्म के प्रति उनकी भी रुचि रही। माता श्रीमती तारा शर्मा भी गायत्री परिवार से हैं और श्रीराम शर्मा आचार्य की अनन्य भक्त हैं। मेरा छोटा भाई पंडित योगेश शर्मा ज्योतिष ही है। तारा ज्योतिष साधना केंद्र माँ के नाम से ही शुरू किया है क्योंकि सबसे बड़ी माँ होती है फिर गुरु उसके बाद ईश्वर। दो बहनें हैं। कुल मिलाकर पारिवारिक माहौल बहुत धार्मिक और सेवा वाला रहा है, बस वही स्वभाव और प्रभाव मैं ख़ुद में पाता हूँ।

Q. दीपावली के लिए विशेष बातें जो ध्यान रखने योग्य हैं?

हाँ ! बिल्कुल, दिवाली पर माँ लक्ष्मी के समक्ष तिल्ली के तेल में मौली की बाती से दीया जलाएँ। लक्ष्मी प्रसन्न होंगी। लाभ मिलेगा। इस बार 24 की दिवाली के बाद 25 को सूर्य ग्रहण लगेगा अतः गौवर्धन पूजा इस दिन न होकर 26 को भैयादूज के साथ ही होगी। 25 को अपने आराध्य के मंत्रों का जाप करें।

Q. गुरु जी कालसर्प योग,शनि की साढ़ेसाती या शनि की ढैय्या यह सब क्या हैं इनका मानव जीवन से क्या सम्बन्ध है?

अगर मैं कहूँ कि यह सब भय पैदा करने वाले भ्रम हैं तो अतिशयोक्ति नहीं होगी क्योंकि कालसर्प योग नहीं होता बल्कि पितृ दोष होता है जो गीता के ग्यारहवें अध्याय को निरन्तर पढ़ने से कम हो जाता है। जल दान करें। अच्छे कर्म करें। सब ठीक होता है। शनि महाराज हनुमान चालीसा से प्रसन्न हो जाते हैं। आप हनुमान चालीसा पढ़ें कोई शनि प्रकोप नहीं होगा। पाखंडी पंडितों से बचें और ईश्वर की सच्ची आराधना करें। यही निवारण है बाक़ी सब लूटने के उपाय हैं उनसे दूर रहें।

Q. राष्ट्रीय-अतंराष्ट्रीय स्तर पर आपको कई अवॉर्ड मिलें हैं उनके बारे में बताएँ?

जय श्री राधे,बाबा खाटू श्याम की कृपा है सब ! परिवार से जो मिला उसे विस्तृत किया। जो शब्द मुख से निकले वह सत्य हुए और किसी भी तरह का पाखंड या दिखावा मैंने अपने जीवन में नहीं आने दिया। बस ज्योतिष की शिक्षा व ज्ञान को बढ़ाता गया और श्याम बाबा की कृपा से भीतर की शक्ति बढ़ती गयी।

- 3 बार संसद भवन से सम्मानित।
- 13 बार गोल्ड मेडल से सम्मानित।
- कलकत्ता में डॉक्टरेट मानद उपाधि।
- यूरोप के इंस्टीट्यूट ऑफ द यूरोपियन रोमा स्टडीज़ एंड रिसर्च यूरोप द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि।
- मुंबई में छत्रपति शिवाजी अवॉर्ड।
- राष्ट्र व्यापी संगठन विप्र सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील तिवाड़ी से विप्र गौरव सम्मान।
- विश्व शांति दूत ग्लोबल अवॉर्ड दिल्ली।
- स्टार रिकॉर्ड बुक ऑफ इंटरनेशनल में यूनिक अवॉर्ड।
- मुंबई में लीजेंट दादा साहब फाल्के आइकॉन अवॉर्ड।
- इंटरनेशनल विक्ट्री अवॉर्ड।
- द बार एसोसिएशन चौमू द्वारा सम्मानित।
- माँ शारदे अवॉर्ड इंदौर।

फेस रीडिंग, ज्योतिष, हस्तरेखा, वास्तु, जन्मपत्री व सटीक भविष्यवाणियों के सिद्ध होने के बाद मुझे ये पुरस्कार मिले हैं।

सभी देशवासियों को दीपोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
आचार्य रविन्द्र

GO Organic
for healthier tomorrow . . .

समस्त देशवासियों को
दीपावली एवं नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

Organic SUNRISE Natural

देशी नीम, देशी गौमाता के गोबर के जीवाणुओं युक्त जैविक खाद अपनाएं

सनराईज के जैविक कृषि क्रान्ति अभियान से जुड़ें

जागरुक किसान भाईयों की नं.1 पसंद

भारतीय देशी नीम

देशी नस्ल के केंचुए

देशी गौमाता का गोबर

सनराईज जैविक खाद

उत्तम खाद - कम दाम

हर जिला / तहसील स्तर पर डिलरशिप हेतु इच्छुक व्यक्ति आमंत्रित हैं

व्यापारिक पूछताछ के लिए सम्पर्क करें

Sunrise Agriland Development & Research Pvt. Ltd.

J-890, Phase-III, Tonk Road, Sitapura Industrial Area, Jaipur, Rajasthan- 302022

E-mail : • atul.hcms@gmail.com www.sunriseagriland.com • www.organicfoodproducts.co.in

+91 98875 55005
+91 97850 15005

मुख्यमंत्री देंगे जयपुरवासियों को सौगात

राजस्थान आवासन मंडल द्वारा विकसित सिटी पार्क का लोकार्पण आज

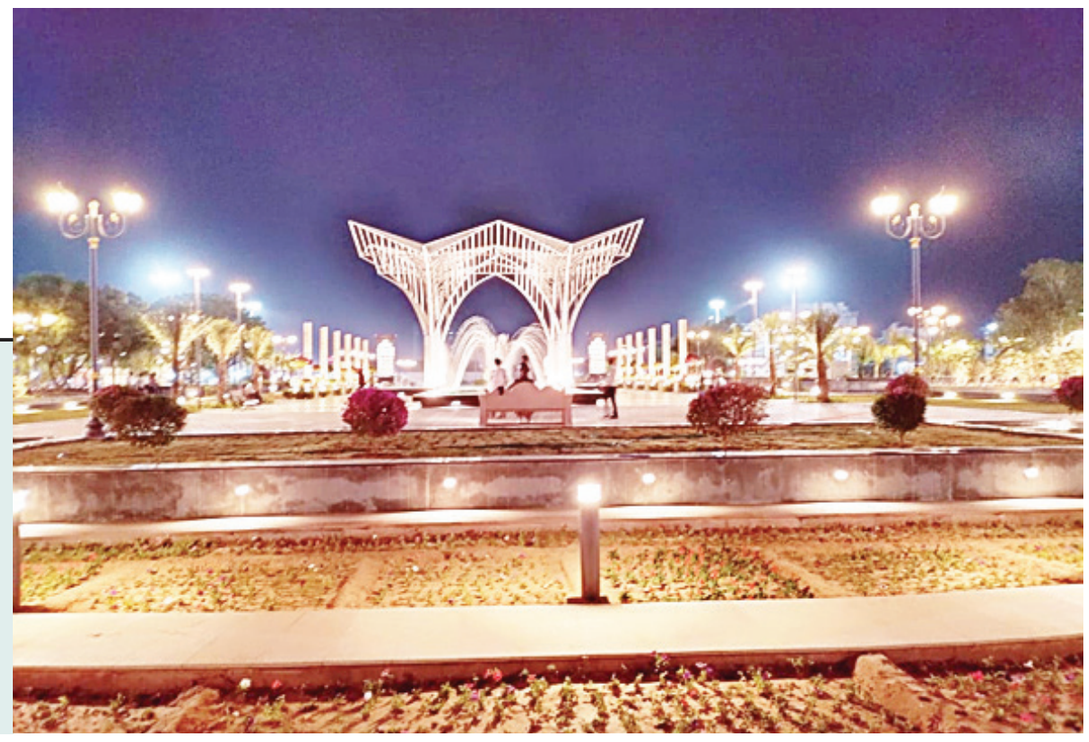

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जयपुरवासियों को सिटी पार्क के रूप में एक नई सौगात जल्द ही मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत राजस्थान आवासन मंडल द्वारा जयपुर के मानसरोवर में विकसित सिटी पार्क का शुक्रवार 21 अक्टूबर को लोकार्पण करेंगे।

आवासन मंडल आयुक्त श्री पवन अरोड़ा ने बताया कि लोकार्पण समारोह शाम 5 बजे मध्यम मार्ग स्थित पार्क के एंट्रेस प्लाजा पर आयोजित किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता स्वायत्तशासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री श्री शान्ति कुमार धारीवाल करेंगे। सांगानेर विधायक श्री अशोक लाहोटी कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि होंगे। मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा, पुलिस महानिदेशक श्री एमएल लाठर, नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री कुंजीलाल मीणा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।

राजस्थान का सबसे ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज और मध्यम मार्ग एंट्री प्लाजा का भव्य स्टील स्ट्रक्चर प्रमुख आकर्षण

आवासन आयुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथि लोकार्पण से पूर्व गोल्फ कार्ट के जरिए पार्क का अवलोकन करेंगे। उन्होंने बताया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के प्रथम चरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। प्रथम चरण में मध्यम मार्ग पर निर्मित भव्य एंट्री प्लाजा का गुम्बदनुमा स्टील स्ट्रक्चर, आकर्षक फाउंटेन तथा राजस्थान का सबसे ऊंचा (213 फीट) राष्ट्रीय ध्वज एवं इसके निकट करीब 2 हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में मनोरम लोअर लेक इस पार्क की प्रमुख विशेषता है। पार्क में 20 फीट चौडा एवं 3.5 कि.मी. लम्बा जॉगिंग ट्रेक बनाया गया है। जिस पर भ्रमण करते हुए लोग आकर्षक लाइटिंग एवं म्यूजिक का आनंद ले सकेंगे।

पार्क में है विशिष्ट कलाकृतियों का अनूठा संसारः अरोड़ा ने बताया कि प्रथम चरण में ही पत्थर एवं मेटल से बनी 17 विशिष्ट कलाकृतियां (स्कल्पचर्स), टॉयलेट ब्लॉक, 2 पार्किंग एरिया, ऑक्सी हब, रॉक फाउंटेन, बैठने के लिये आकर्षक बैंचें एवं आर.ओ. वाटर पेयजल स्टेशन के काम किये गये हैं। प्रथम चरण के कार्यों के लिये 61.31 करोड के कुल 34 कार्यादेश जारी किये गये जिनके विरूद्ध 54.99 करोड की राशि से इन सभी कार्यों को पूरा कर लिया गया है।

आवासन आयुक्त ने बताया कि दूसरे चरण में फाउंटेन स्क्वायर, वी.टी. रोड, अरावली मार्ग एवं न्यू सांगानेर रोड पर एंट्री प्लाजा, बॉटेनिकल गार्डन, एक्सपोजिशन ग्राउंड, जयपुर चौपाटी की तर्ज पर फूड कोर्ट का निर्माण तथा 2500 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में अपर लेक के कार्य निर्माणाधीन हैं। जिनकी पूर्णता पर 58.54 करोड की राशि व्यय होना सम्भावित है।

मिलेगी स्वच्छ आबोहवाः अरोड़ा ने बताया कि करीब 52 एकड भूमि पर विकसित इस पार्क के बनने से मानसरोवर एवं इसके आस-पास की कॉलोनियों में बसे लाखों लोगों को स्वच्छ आबोहवा मिलेगी।

आवासन आयुक्त ने बताया कि यहां 32 विभिन्न प्रजातियों के 25 हजार फूलदार एवं फलदार पौधे तथा लगभग 40 हजार फुलवारी (Shrubs) लगाए गए हैं। जापानी मियावाकी पद्धति से पौधारोपण किया गया है।

15 आवासीय योजनाओं में निर्मित 2967 आवासों का भी होगा लोकार्पणः आवासन आयुक्त ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री राज्य के 11 विभिन्न शहरों की 15 आवासीय योजनाओं में निर्मित 2967 आवासों का लोकार्पण करेंगे। मंडल द्वारा आवंटियों को इन आवासों का कब्जापत्र दिया जाएगा। बजट घोषणा 2021-22 के क्रम में इन आवासों का निर्माण समय से पूर्ण किया गया है। ये आवास वाटिका एवं महला आवासीय योजना (जयपुर) तथा महात्मा गांधी सम्बल आवासीय योजना फेज प्रथम एवं द्वितीय बड़ली (जोधपुर) के साथ ही नसीराबाद, किषनगढ़, निवाई, आबू रोड, उदयपुर, भीलवाड़ा, षाहपुरा, भिंडर तथा बांसवाड़ा जैसे छोटे शहरों की योजनाओं में बनाए गए हैं। इनमें ज्यादातर मकान ईडब्ल्यूएस एवं एलआईजी श्रेणी के हैं। इससे जरूरतमंद वर्ग के लोगों के घर का सपना साकार हो सकेगा।

शहरी योजनाओं की समीक्षा बैठक में बोले सीएम

अब धार्मिक स्थलों पर भी इंदिरा रसोई के संचालन की तैयारी

■ महंगाई व बेरोजगारी पर एक साथ प्रहार ■ अन्य योजनाओं को लेकर भी दिए निर्देश

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना शहरी बेरोजगारों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से शहरों में रह रहे बेरोजगारों के लिए आजीविका के साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही इंदिरा रसोई योजना के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को मात्र 8 रुपए में पौष्टिक भोजन सम्मान के साथ परोसा जा रहा है। इस तरह की योजनाओं से प्रदेश में बेरोजगारी एवं महंगाई पर एक साथ प्रहार किया जा रहा है। गहलोत मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना, इंदिरा रसोई योजना सहित विभिन्न शहरी योजनाओं की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 800 करोड़ के बजट से संचालित इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना में अब तक शहरी क्षेत्र के 3.02 लाख से अधिक परिवारों ने पंजीकरण करवाया है और वर्तमान पखवाड़े में लगभग 66 हजार लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

6905 स्वीकृत कार्यों में से 2175 कार्य प्रगतिरत

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में स्वच्छता संबंधी कार्यों को प्राथमिकता देने के साथ ही पर्यावरण व जल संरक्षण कार्य, ठोस कचरा प्रबंधन कार्य, अतिक्रमण एवं अवैध बोर्ड व होर्डिंग्स हटाने का कार्य, हैरिटेज संरक्षण कार्य किए जा रहे हैं। योजना में लाभार्थी परिवार को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाया जा रहा है।

भोजन गुणवत्ता की हो नियमित मॉनिटरिंग

गहलोत ने इंदिरा रसोई योजना में परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता एवं योजना में पारदर्शिता की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को भी प्रतिमाह रसोइयों में जाकर भोजन करना चाहिए ताकि गुणवत्ता की सुनिश्चितता हो सके। उन्होंने कहा कि यह योजना आज महंगाई के दौर में बाहर से आने वाले विद्यार्थियों एवं कार्मिकों के लिए एक वरदान साबित हो रही है।

प्रतिवर्ष 13.81 करोड़ भोजन थाली का लक्ष्य

इंदिरा रसोई योजना में अब तक 7.42 करोड़ लोगों को भोजन की थालियां परोसी जा चुकी हैं। प्रदेश में कुल 870 रसोइयां संचालित हैं, जिनकी संख्या 1 हजार तक किए जाने का लक्ष्य है। इसके पश्चात 13.81 करोड़ भोजन थाली प्रतिवर्ष वितरण की जा सकेंगी। गहलोत ने कहा कि यह सुखद बात है कि प्रदेश में 500 से अधिक स्थानीय सेवाभावी संस्थाओं के द्वारा रसोइयों का संचालन किया जा रहा है। इंदिरा रसोई में भामाशाहों द्वारा भी भोजन प्रायोजित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अधिकारी प्रमुख धार्मिक स्थलों पर इंदिरा रसोइयों के संचालन की संभावनाएं भी तलाशें।

एक नज़र

पटाखा दुकानों के लिए आए 700 आवेदन, लाइसेंस देने की प्रकिया शुरू

अबकी बार दिवाली पर ग्रीन पटाखे बेचने वालों को ही मिलेगा लाइसेंस

हिलव्यू समाचार

जयपुर।दीपावली नजदीक होने पर अब शहर में पटाखों की दुकानें सजने लगी है। पटाखा दुकानों के लिए अस्थाई अनुज्ञापत्रों के आवेदन के बाद अब लाइसेंस देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जयपुर कमिश्नरेट क्षेत्र में 450 के करीब और ग्रामीण क्षेत्रों में 250 के करीब आवेदन आए है। जिन्हे जांचने के बाद लाइसेंस देना शुरू हुआ है। इस बार ग्रीन पटाखे बेचने वालो को ही लाइसेंस की अनुमति दी जा रही है। दिल्ली में पटाखों की बिक्री की रोक के बाद जयपुर में सामान्य पटाखों की बिक्री को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। पटाखों पर ग्रीन आतिशबाजी का मार्का होना अनिवार्य किया गया है। साथ ही शहर में अगर एयर क्वालिटी इंडेक्स ख़राब होता है तो आतिशबाजी पर तुरंत रोक लगाने का भी प्रावधान किया गया है।

लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया शुरू

करीब एक माह पहले से चल रही आवेदन प्रक्रिया के बाद अब पटाखों की दुकानों के अस्थाई लाइसेंस जारी करने का काम शुरू हो गया है। जयपुर शहर में कमिश्नरेट द्वारा और ग्रामीण में जिला प्रशासन द्वारा जारी किये जा रहे है। जयपुर ग्रामीण में 13 ब्लॉकों में 250 के करीब आवेदन आए है। जिसमे सबसे अधिक शाहपुरा से 34 आवेदन प्राप्त हुए है। जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में उपखण्ड अधिकारी द्वारा लाइसेंस जारी किये जा रहे है। आवेदकों से फायर सिस्टम की जानकारी के बाद ही अस्थाई लाइसेंस दिए जा रहे है। वहीं शहरी क्षेत्रों में नगर निगम ग्रेटर, हेरिटेज और जयपुर सांगानेर और आमेर उपखंड के लाइसेंस कमिश्नरेट द्वारा जारी किये जा रहे है। जयपुर के मुख्य फायर ऑफिसर देवेंद्र मीणा ने बताया कि जो आवेदन आए है उन्हें पहले पूरी तरह जांचा है। इनमें करीब 150 आवेदकों द्वारा मापदंड पूरा नहीं करने पर वापस लौटाया है।

CSIR-नारी का हॉलमार्क होना

गृह विभाग ने ग्रीन पटाखों को लेकर गाइडलाइन जारी करते हुए बिक्री के लिए आने वाले पटाखों पर सीएसआईआर-नारी का हॉलमार्क होना अनिवार्य किया गया है। हॉलमार्क लगे हुए पटाखे ही इस बार बाजार में आ रहे है। पटाखा कारोबारी रविंद्र शर्मा ने बताया कि ग्रीन पटाखे नेशनल एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (नीरी) द्वारा मापदंड तय करने के बाद पटाखा बनाने वाले अधिकाशं ग्रीन पटाखे ही बना रहे है। इससे कारोबार पर भी असर हुआ है।

इंडियन जिम्मेदार पर्यटन राज्य पुरस्कार 2022 राजस्थान

राजस्थान के पर्यटन को आकार देने वाले उद्यमियों को दिया जाएगा 'ऑनर'

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान अपने पर्यटन स्थलों के लिए देश विदेश में अपनी अलग पहचान रखता है, यही कारण है कि यहां हर साल लाखों सैलानी राजस्थान के पर्यटन स्थलों को देखने के लिए आते हैं। राजस्थान के इस पर्यटन को चार चांद लगाने वाले और राजस्थान की परंपरा और सभ्यता को संजोकर रखने वालों को अब पर्यटन विभाग सम्मानित करेगा। राजस्थान में पहली बार सरकार द्वारा यह कदम उठाया गया है। राजस्थान में पर्यटन को और अधिक बढ़ावा देने के लिए आउटलुक ग्रुप के सहयोग से राजस्थान में इंडियन जिम्मेदार पर्यटन राज्य पुरस्कार 2022 राजस्थान का आयोजन किया जाएगा। इसकी औपचारिक घोषणा मंगलवार को पर्यटन विभाग की निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा ने की। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक आनंद कुमार त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक सुमिता सरोच, उपनिदेशक दलीप सिंह राठौड़, उपेन्द्र सिंह शेखावत सहित आउटलुक ग्रुप के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

1000 से अधिक लेंगे हिस्सा

डॉ. शर्मा ने बताया कि वार्षिक आउटलुक इंडियन रिस्पांसिबल टूरिज्म अवाड्र्स भारत का एकमात्र जिम्मेदार पर्यटन पुरस्कार बन गया है। इंडियन रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म स्टेट अवाड्र्स एंड समिटः राजस्थान 2022 कार्यक्रम का आयोजन नवंबर के अंतिम सप्ताह जयपुर में होगा। इसमें राज्य में पर्यटन के सभी क्षेत्रों में 1,000 स्थानीय व्यापार मालिकों की अपेक्षित भागीदारी होगी।

8 श्रेणियों में दिया जाएगा पुरस्कार

इंडियन जिम्मेदार पर्यटन राज्य पुरस्कार 2022 राजस्थान के लिए विभाग द्वारा आवेदन मांगे गए हैं। 8 केटेगरी में यह पुरस्कार दिया जाएगा। इसको लेकर पर्यटन विभाग की निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि ये अवाड्र्स सस्टेनेबल लीडरशिप- होटल्स, सस्टेनेबल लीडरशिप- होमस्टे, सस्टेनेबल लीडरशिप- बीएनबी और गेस्टहाउस, सस्टेनेबल इंटरप्राइजेज इन ईको फ्रैंजाइल लेंडस्कैप, सस्टेनेबिलिटी चैंपियन इन पाथफाइंडर, सस्टेनेबिलिटी चैंपियन इन ग्रासरूट हीरोज, हेरिटेज कंर्जवेशन और वाइल्ड लाईफ कंर्जवेशन की श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अवाड्र्स से सम्बंधित विस्तृत जानकारी पर्यटन विभाग की वेबसाइट और पर्यटन स्वागत केंद्र से प्राप्त की जा सकती है।

रोजगार भी बढ़ेगा

राजस्थान में पर्यटन के साथ पर्यावरण और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने वाले सभी लोग इस पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकते हैं। डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया इसमें पर्यटन क्षेत्र से जुड़े व्यवसायी भाग ले सकेंगे। इसमें होटल, स्थानीय व्यवसाय, हैंडमेड व्यवसाय, लोकल सर्विस प्रोवाइडर भी आवेदन कर सकते हैं।

फ़ोटो ऑफ द वीक

विजय दशमी पर्व पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा पारंपरिक पथ संचलन कोटा का दृश्य। **फोटो**- सुधीन्द्र गौड़

सीआईडी क्राइम ब्रांच की दौसा जिले में बड़ी कार्रवाई

दाऊजी मिल्क फूड प्राइवेट लिमिटेड पर छापा मार 5250 किलोग्राम देशी घी, 43000 किलोग्राम बटर व ड्राई मिल्क पाउडर किया जब्त

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। सीआईडी क्राइम ब्रांच राजस्थान की टीम ने मंगलवार की शाम दौसा जिले में महवा थाना अंतर्गत संचालित दाऊजी मिल्क फूड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में खाद्य विभाग एवं स्थानीय पुलिस के सहयोग से छापा मारकर गुणवत्ता में अनियमितता पाए जाने पर कुल 5250 किलोग्राम देशी घी, 43000 किलो ग्राम बटर व ड्राई मिल्क पाउडर के सैंपल लेकर जप्त किया है। एडीजी क्राइम डॉ रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि दौसा जिले के महवा थाना क्षेत्र में संचालित दाऊजी मिल्क फूड प्राइवेट लिमिटेड में खराब गुणवत्ता के डेयरी उत्पाद बेचे जाने के बारे में मुखबिर से सूचना मिली थी। इस सूचना पर डीआईजी क्राइम ब्रांच राहुल प्रकाश के सुपरविजन एवं डीएसपी पुष्पेंद्र

सिंह राठौड़ के नेतृत्व में इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत, एएसआई दुष्यंत सिंह, हैड कांस्टेबल शाहिद अली व शंकर दयाल एवं कांस्टेबल करणी सिंह, सोहन देव, रविंद्र सिंह, और बंशी लाल को मौके पर भेजा गया।

सीआईडी की टीम ने स्वास्थ्य विभाग से खाद्य सुरक्षा अधिकारी दौसा और स्थानीय महवा थाना पुलिस की टीम को साथ लेकर इस कंपनी में छापा मारा। जहां से गुणवत्ता में अनियमितता पाए जाने पर देशरत्न देशी घी के 15 किलोग्राम के 157 टिन और 1 किलोग्राम के 75 पैकेट, राधा गोविंद देशी घी के 15 किलोग्राम के 188 टिन तथा देशरत्न बटर के 20 किलोग्राम के 2150 कार्टून कुल 5250 किलोग्राम देशी घी व 43000 किलो बटर का सैंपल लिया जाकर जब्त किया गया। अग्रिम कार्यवाही जारी है। इस संपूर्ण कार्यवाही में कॉन्स्टेबल बंशी लाल की अहम भूमिका रही है।

महिलाओं के लिये मिसाल हैं साकार महिला विकास समिति फाउंडर निशा पारीक

हिलव्यू समाचार

जयपुर। ईश्वर द्वारा बनाये हर एक इंसान में हुनर छुपा होता है लेकिन ज़रूरी नहीं कि हर प्राणी अपनी प्रतिभा को पहचान सके। इसी तरह स्त्री की शक्ति छिपी होती है उसके आत्मविश्वास में और यह आत्मविश्वास केवल शिक्षा से नहीं आता बल्कि आत्मबल से आता है। निशा पारीक अध्यक्ष साकार महिला विकास समिति महिलाओं के लिए मिसाल हैं। सुंदर और सौम्य स्वभाव से अपनी अलग पहचान क़ायम करने वाली निशा पारीक एक समाजसेविका होने के साथ-साथ राजनीति में भी अच्छी पकड़ रखती हैं। समाज में कई लोगों को नई दिशा और दशा प्रदान करने में आपके संस्थान का योगदान रहा है। आइये जानते हैं उनकी कहानी उनकी जुबानी-

सभी प्रदेशवासियों को दीपोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

Q. अपने एनजीओ साकार के सफ़र व उसके द्वारा की गई समाजसेवाओं और कार्यों के बारे में विस्तार से बताएँ?

साकार एक विस्तृत परिवार है जहाँ स्त्री पुरुष का भेद नहीं बल्कि हर वो इंसान जुड़ा है जिसमें समाज के लिए कुछ करने का ज़ज़्बा है। साकार महिला विकास समिति का गठन 07 मार्च 2012 को किया गया। पिछले 10 वर्षों से संस्था महिला सशक्तिकरण, स्वावलंबन, शिक्षा इत्यादि पर कार्य कर रही है। रूरल डेवलपमेंट के क्षेत्र में 50 एसएचजी स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को सशक्त करना उन्हें आत्मनिर्भर बनाना तथा समाज में जागरूकता लाने का कार्य कर रही है। इसमें महिलाओं को स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग अपने अच्छे स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी जाती है। इसके अलावा निर्धन बालिकाओं कि शिक्षा के क्षेत्र में निरन्तर कार्यरत हैं। हर वर्ष मैडिकल कैम्प, ब्लड डोनेशन कैंप, आई कैम्प लगवाए जाते हैं जिनके जरिए लोगों की निःशुल्क जांचें तथा दवाइयां वितरित की जाती हैं। अभी तक संस्था द्वारा कई आंखों के निःशुल्क आपरेशन करवाए जा चुके हैं। हजारों बालक, बालिकाओं, महिलाओं को निःशुल्क कम्प्यूटर शिक्षा प्रदान की जा रही है। हजारों बालिकाओं तथा महिलाओं को सिलाई, मेहंदी, ब्यूटीशियन कढ़ाई का प्रशिक्षण दे चुके है जिसके माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बनी हैं। इसके अलावा संस्था के स्थापना दिवस एवं महिला दिवस के उपलक्ष्य में हर वर्ष उन महिलाओं को सम्मानित किया जाता रहा है जिनके प्रयासों से समाज को एक नई दिशा मिली हो या जिन्होंने अपने क्षेत्र में कुछ विशेष उपलब्धियां हासिल की हों। समय समय पर हमारी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए डांडिया, करवाचौथ, दीपावली इत्यादि को पारम्परिक रूप से मनाने का प्रयास, सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए पाठ्य सामग्री, गर्म कपड़े,दरीयां इत्यादि का वितरण, कच्ची बस्तियों अस्पतालों में जरुरतमंद लोगों तथा बालक, बालिकाओं, महिलाओं, पुरुषों सभी के लिए गर्म कपड़ों, कम्बल का वितरण हर वर्ष किया जा रहा है। हमारी आस्था से जुड़ी भावनाओं को ध्यान में रखते हुए श्रावण मास में 11 लाख पार्थिव शिवलिंगों का अभिषेक एक माह तक लगातार किया गया जिसमें समाज के हर वर्ग के साथ 51 किन्नरों से भी अभिषेक करवाया गया जिससे उन्हें समाज कि मुख्य धारा से जोड़ा जा सके।

Q. परिवार की ज़िम्मेदारियों के बीच इतनी सामाजिक सेवाओं और गतिविधियों के लिए कैसे वक़्त निकाल पाती हैं?

यह बेहद अहम प्रश्न है। पति श्री चन्द्र प्रकाश पारीक मेरी शक्ति,मेरा आधार हैं और बेटे शुभांशु पारीक, बेटी तनिष्का पारीक दोनों ने हमेशा मुझे बहुत प्रोत्साहित किया और डिजिटली भी उनका बहुत सहयोग रहता है। संयुक्त परिवार है सास-ससुर,जेठ-जेठानी,देवर-देवरानी सभी मेरे संबल हैं।मेरा साहस हैं।किसी भी स्त्री की सफलता परिवार और अच्छे मित्रों के सहयोग के बिना सम्भव नहीं इस मामले में भाग्यशाली हूँ कि परिवार और साकार टीम का सकारात्मक सहयोग मुझमें आत्मविश्वास और शक्ति भरता है।

Q. फ़िलहाल राजस्थान सरकार या अन्य संस्थानों द्वारा आपकी कार्यकुशलता को देखकर क्या ज़िम्मेदारी दी गयी है?

मैं निदेशालय चिकित्सा शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार में सदस्य हूँ। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (HOFF) राजस्थान हूँ।

हर चुनौती को सकारात्मक सोच से सरल बना लेती हैं स्नेहलता भारद्वाज

हिलव्यू समाचार

जयपुर। शिक्षाविद, प्रधानाचार्या,समाजसेविका और राजनीति में विशेष पहचाना रखने वाली स्नेहलता भारद्वाज जीवन के हर रंग को बख़ूबी से जीना जानती हैं। हर पल मुस्कुराना और सकारात्मकता से आगे बढ़ते जाना ही इनकी पहचान है। जीवन में सफलता के पीछे जीवनसाथी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पति राजेश भारद्वाज का सहयोग, विश्वास,सम्बल और प्रेरणा जीवन में सफलता की सार्थक सीढ़ी बना है। सोशल मीडिया ही नहीं बल्कि वास्तविक जीवन में भी अपने प्रशंसकों की अपार भीड़ लिए स्नेहलता भारद्वाज लगातार सार्वजनिक रूप से अपनी पहचान बना रही हैं। कई अवॉर्ड और सम्मान आपको सामाजिक और राजनैतिक मंचों पर मिल चुके हैं। माधुरी दीक्षित द्वारा भी आप सम्मानित की जा चुकी हैं।

समाजसेवा,राजनीति और परिवार में कैसे बैलेंस कर पाती हैं आप?

स्त्री का अस्तित्व शुरू से बहुआयामी रहा है। दो परिवारों की ज़िम्मेदारी के साथ-साथ सामाजिक जीवन और सभी रिश्तों में तारतम्यता बनाये रखना हर स्त्री की पहचान है। मेरे परिवार और पति का सहयोग सब आसान कर देता है। समाजसेवा मेरी रुचि है और राजनीति मेरा सपना और परिवार के सहयोग के बिना कुछ सम्भव नहीं है इन्हीं के सहयोग से तीनों भूमिकाओं को समयानुसार निभाना संभव हो पाता है।

राजनीति में क्या मुक़ाम पाना चाहती हैं आप?

देखिए चाहने से कुछ नहीं होता बस अपने कर्म और अपनी भूमिका मज़बूत रखना ज़रूरी होता है। मैं पार्टी के प्रति समर्पित हूँ और अब तक जो ज़िम्मेदारी मिली है उसे तन,मन,धन से निभाने की कोशिश की है। पार्टी के पदाधिकारी जो भी ज़िम्मेदारी देंगे सदैव तैयार रहूँगी। आमजन की सेवा करना और उनकी आवश्यकता के समय अपना समय और समर्पण उन्हें दे पाना मेरा उद्देश्य रहता है। बाक़ी ईश्वर पर छोड़ देती हूँ जब उनकी कृपा होगी मेहनत और समर्पण का फल मिलेगा।

सभी प्रदेशवासियों को दीपोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सिटी पार्क लोकार्पण

21 अक्टूबर, 2022 • सायं 5.00 बजे • मध्यम मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

द्वारा
श्री अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

अध्यक्षता
श्री शान्ति कुमार धारीवाल
मंत्री, स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, राजस्थान

- प्रदेश का सबसे ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज (213 फीट)
- 3.5 कि.मी. लम्बा, 20 फीट चौड़ा जॉगिंग ट्रैक
- रॉक फाउन्टेन युक्त मनोरम लोअर लेक
- आकर्षक लाइटिंग एवं मधुर संगीत
- भव्य एन्ट्री प्लाजा
- 32 प्रजातियों के सघन वृक्ष
- एक्ज़ोटिक पौधे एवं सजीव स्कल्पचर्स
- बॉटनिकल गार्डन

राजस्थान संवाद

इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण https://www.facebook.com/AshokGehlot.Rajasthan और https://www.youtube.com/user/GehlotAshok पर किया जाएगा।

राजस्थान आवासन मण्डल

एक नज़र

सरकारी स्कूलों में अब लगेंगे कम्प्यूटर

ICT लैब होंगी 267 विद्यालयों में स्थापित

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा देने के लिए जयपुर जिले के 267 विद्यालयों में आई सी टी लैब स्थापित की जाएगी। डीएमएफटी फंड से स्कूलों में ये लैब तैयार की जाएंगी। लैब खोलने का निर्णय बुधवार को जयपुर जिला कलेक्ट्रेट में हुई डीएमएफटी गवर्निंग काउंसिल की 6वीं बैठक में लिया गया। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि जिले में 267 विद्यालयों में आई सी टी लैब स्थापित करने लिये प्रत्येक विद्यालय को 75 हजार 750 रुपये आवंटित किए जाएंगे, जिसके लिये 202.26 लाख रुपये आवंटित करने का सर्वसम्मति से बैठक में अनुमोदन किया गया। बैठक में विराट नगर विधायक इन्द्रराज गुर्जर ने क्रमोन्नत विद्यालय में कक्षा कक्षों के निर्माण के लिए राशि दिए जाने की मांग रखी, वहीं दूदू विधायक बाबूलाल नागर ने श्मशान, खेल मैदान एवं स्कूलों में कमरों के निर्माण के लिए राशि दी जाने की मांग की।

कांस्टेबल शारीरिक दक्षता परीक्षा 28 अक्टूबर से

जयपुर। पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा 2021 की लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता एवं शारीरिक मापतौल परीक्षा का आयोजन 28 अक्टूबर से होगा। फिजिकल टेस्ट के लिए अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड 21 अक्टूबर तक जारी किए जाएंगे। भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड के एसपी डॉ. रामेश्वर सिंह ने बताया कि कॉन्स्टेबल भर्ती 2021 के 4588 पदों की भर्ती के लिए अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता एवं माप तोल परीक्षा का आयोजन कराया जा रहा है। 13 से 16 मई और 2 जुलाई को लिखित परीक्षा हुई थी। इसके लिए राजस्थान के 18 लाख से ज्यादा कैंडिडेट्स ने आवेदन किया था। 24 अगस्त को रिजल्ट जारी किया गया था, जिसमें चयनित अभ्यर्थियों को फिजिकल टेस्ट के लिए बुलाया गया है।

राज्यपाल का उदयपुर में स्वागत

विश्रांति गृह में मिश्र ने किया पौधारोपण

जयपुर/उदयपुर। बांसवाड़ा के दो दिवसीय प्रवास के अंतर्गत राज्यपाल कलराज मिश्र गत मंगलवार उदयपुर जिले के डबोक एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे सड़क मार्ग से बांसवाड़ा के लिए रवाना हुए। राज्यपाल मिश्र ने जयसमंद झील स्थित वन विभाग के विश्रांति गृह में अल्प विश्राम किया और विश्रांति गृह परिसर में पौधारोपण भी किया। डबोक एयरपोर्ट एवं विश्रांति गृह में सलूंबर विधायक अमृतलाल मीणा, पुलिस महानिरीक्षक प्रफुल्ल कुमार, जिला कलक्टर ताराचंद मीणा, पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

वैदिक गुरुकुल परिसर के शिलान्यास पर मिश्र ने कहा...

वेदों से जुड़ी संस्कृति से नई पीढ़ी को जोड़ने की ज़रूरत

हिलव्यू समाचार

बांसवाड़ा। राज्यपाल कलराज मिश्र ने गुरुवार को बांसवाड़ा में गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के वेद विद्यापीठ विस्तारीकरण एवं वैदिक गुरुकुल परिसर का शिलान्यास किया। उन्होंने विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज बांसवाड़ा में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से वेद विद्यापीठ के भूमि पूजन कार्यक्रम में भी शिरकत की। राज्यपाल मिश्र ने इस अवसर पर कहा कि वेद और उपनिषदों में विभिन्न विधाओं के ज्ञान-विज्ञान की अमूल्य धरोहर समाहित है। वर्तमान समय संदर्भों के अनुरूप वैदिक शोध एवं अध्ययन को बढ़ावा देते हुए वेदों से जुड़ी भारतीय संस्कृति से नई पीढ़ी को जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वेद विद्यापीठ एवं वैदिक गुरुकल के माध्यम से इस महती कार्य को दिशा प्रदान की जा सकेगी। इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र ने गुरुवार प्रातः बांसवाड़ा जिले में मां त्रिपुरा सुन्दरी के मंदिर में दर्शन किए।

कार्यक्रम के दौरान ये रहे मौजूदः इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग राज्यमंत्री अर्जुन सिंह बामनिया, जिला कलेक्टर प्रकाश चंद्र शर्मा, जिला पुलिस अधीक्षक राजेश मीना, गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई.वी. त्रिवेदी, वेद विद्यापीठ निदेशक डॉ. महेंद्र प्रसाद सहित अधिकारी, शिक्षणक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रेजिडेंट डॉक्टर्स में दो फाड़, मरीज़ों को मिलेगी थोड़ी राहत

सेवारत ने तोड़ दी, जार्ड की जारी हड़ताल, इमरजेंसी वर्क भी छोड़ा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान के सरकारी मेडिकल कॉलेजों के रेजिडेंट डॉक्टर्स की मांगों को लेकर आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा। सरकार के साथ हुई वार्ता में मांगों पर सहमति बनने के बाद एक गुट ने पुनः काम पर लौटने की घोषणा कर दी, लेकिन जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स ने समझौते को नहीं मानते हुए हड़ताल जारी रखने की घोषणा की है।

विरोध में रेजिडेंट डॉक्टर्स ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज से त्रिमूर्ति सर्कल तक रैली निकालने के बाद करीब 2 घंटे तक रेजिडेंट सड़क पर ही बैठे रहे। प्रशासन द्वारा समझाइस करने पर रेजीडेंटो ने धरना समाप्त किया। शाम को रेजिडेंट की हुई जनरल बॉडी मीटिंग में जार्ड ने इमरजेंसी, ट्रॉमा सेंटर, लेबर रूम एवं आईसीयू सेवाएं बंद करने का ऐलान किया है। हड़ताल के चलते मरीजों की समस्या और अधिक बढ़ेगी। हालांकि बुधवार को हुई वार्ता के अनुसार सेवारत रेजिडेंट काम पर लौटने के बाद स्थिति सम्भल सकती है। प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने बताया कि रेजिडेंट की मांगों पर सहमति बनने पर 85% रेजिडेंट्स ने हड़ताल तोड़ते हुए काम पर लौटने का फैसला किया।

इन पर बनी सहमति

समझौता वार्ता में चिकित्सा शिक्षा विभाग के तहत सर्विस बॉन्ड को प्रवेश बैच 2020-21 एवं प्रवेश बैच 2021-22 के लिए एक बार की शिथिलता प्रदान करते हुए बॉन्ड राशि 10 लाख रुपए करने एवं पूर्व अनुसार समय अवधि 2 वर्ष करने पर सहमति हुई। इसी प्रकार पीजी/ सुपर स्पेशलिटी कोर्स के बाद बॉन्ड की शर्तों के अनुसार राज्य सरकार की संविदा सेवाओं के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय में लंबित विभिन्न याचिकाओं के निर्णय के उपरांत विचार किए जाने पर सहमति हुई।

सभी रेजिडेंट को मिलेगा समान अवसर

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा शिक्षा ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय का निर्णय आने के बाद 7 से 10 कार्य दिवस के भीतर प्रवेश बैच 2020-21 एवं प्रवेश बैच 2021-22 के लिए रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्षों से चर्चा और सहमति के बाद ही एसआरशिप के चयन की प्रणाली निर्धारित की जाएगी, जिसमें सभी रेजीडेंट डॉक्टर्स को एसआरशिप के समान अवसर मिले यह सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कोविड-19 में कॉन्फ्रेंस नहीं होने के कारण बैच 2020 के लिए पेपर/ पोस्टर एवं थिसिस में शिथिलता हेतु संबंधित कॉलेजों के प्रधानाचार्य स्तर पर प्रस्ताव एनएमसी / आर यू एच एस को भिजवाया जाएगा। इसी क्रम में रेजिडेंट डॉक्टर्स के कार्य बहिष्कार के दौरान उठाए गए अन्य समस्त बिंदुओं पर राज्य सरकार द्वारा सहानुभूति पूर्वक विचार किए जाने का निर्णय भी लिया गया। साथ ही इन सर्विस डॉक्टर के बॉन्ड की समय सीमा एवं राशि में शिथिलता के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सहानुभूति पूर्वक विचार किए जाने का प्रस्ताव भेजने का निर्णय भी लिया गया।

एसीबी की कार्रवाई

घूसखोरों पर शिकंजा, बैंक मैनेजर समेत पाँच जने किए गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार

सीकर/कोटा। घूसखोरों पर शिकंजा कसते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने 2 जिलों में बड़ी कार्रवाई की। एसीबी ने सीकर में दो व बूंदी में एक जगह कार्रवाई कर पंजाब नेशनल बैंक के मैनेजर सहित पांच जनों को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सीकर जिले की श्रीमाधोपुर तहसील के हरदास का बास में एसीबी ने पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबंधक विजय सिंह मीणा एवं लिपिक मयंक गौड़ को पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि जयपुर के कोटपूतली निवासी बैंक मैनेजर विजय मीणा ने परिवादी सागरमल सोनी के मुद्रा लोन का खाता बंद होने पर एनओसी जारी करने की एवज में रिश्वत की मांग की थी।

नीमकाथाना में सहायक प्रोग्रामर ट्रैप

एसीबी ने नीमकाथाना में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक प्रोग्रामर को ट्रैप किया। पंचायत कार्यालय में कार्यरत अब्दुल खलील कुरैशी को 20 हजार की रिश्वत लेते दबोचा गया। आरोपी अब्दुल खलील ने आधार मशीन की आईडी चालू कराने के एवज में रिश्वत मांगी थी। एएसपी हिमांशु कुलदीप के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। एएसपी ने बताया कि बैंक मैनेजर ने एनओसी जारी करने के एवज में पहले सागरमल से एक हजार रुपए की मांग की, लेकिन दोबारा बैंक जाने पर दो लोन की 10-10 यानी 20 हजार रुपए की डिमांड कर दी। बाद में सौदा पांच हजार रुपए में तय हुआ।

कार से 20 लाख रुपए का अवैध डोडा चूरा बरामद

प्रतापगढ़। छोटी सादड़ी थाना पुलिस ने शुक्रवार को 20 लाख रुपए कीमत के अवैध डोडा चुरा से भरी कार जब्त की है। नीमच रोड पर गोमाना ब्रिज के पास नाकाबंदी के दौरान पुलिस को देख तस्कर अपनी कार रिवर्स कर भागने लगा। पीछा करने पर पुलिस के ऊपर फायरिंग करते हुए कार को मौके पर छोड़ फरार हो गया। एसपी अनिल कुमार ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा एवं सीओ मनीष बडगूजर के सुपरविजन में थानाधिकारी दीपक कुमार मय टीम द्वारा गोमाना ब्रिज के पास नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान नीमच की तरफ से आ रही एक कार वापस रिवर्स होकर जाने लगी। पीछा करने पर कार चालक तस्कर द्वारा पुलिस पर फायरिंग की गई। जवाब में पुलिस ने भी हवाई राउंड फायर किए। इस बीच खड़ी फसल और झाड़ियों का सहारा लेकर तस्कर फरार हो गया। कार की तलाशी में 13 कट्टों से कुल 366 किलो अवैध डोडा चूरा, चालक का एक मोबाइल व अलग-अलग सिस्टम नंबरों की प्लेटें मिली। उन्हें जप्त कर एनडीपीएस एवं आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। फरार हुए आरोपी के गाड़ी में छुटे मोबाइल से पहचान व तस्करी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है। इस संबंध में गहनता से अनुसंधान किया जा रहा है।

मकान का पट्टा बनाने के बदले मांगी थी राशि

कोटा। एसीबी ने बूंदी में बुधवार को डोकुन गांव के सरपंच पति और ग्राम विकास अधिकारी को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। एडिशनल एसपी विजय स्वर्णकार ने बताया कि परिवादी रमेश कुमार मीणा ने 15 सितंबर को एसीबी कोटा में सरपंच सुगना बाई के पति अर्जुन चौपदार व ग्राम विकास अधिकारी द्वारा रिश्वत मांगने की शिकायत दी थी। परिवादी ने शिकायत में बताया था कि उसने अपने मकान का पट्टा बनवाने के लिए ग्राम पंचायत डोकुन में आवेदन किया था। पट्टा बनाने कि एवज में ग्राम विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने उससे तीन बार में साढ़े 13 हजार रुपए ले लिए। इसके बावजूद पट्टा नहीं दिया। परिवादी जब पट्टा बनवाने के लिए सरपंच पति अर्जुन से मिला तो उसने 7 हजार रुपए मांगे। इसके बाद सरपंच पति ने कहा कि उसे 3-4 दिन में पट्टा दे दिया जाएगा। परिवादी इससे पहले दोनों आरोपियों को साढ़े 20 हजार रुपए दे चुका है।

महापौर ने दिए व्यापारियों को निर्देश

दुल्हन सा सजेगा जयपुर, सजावट होगी डिफ्रेंट थीम पर

कुलदीप गुप्ता

जयपुर। गुलाबी नगरी जयपुर की दिवाली हर बार खास होती है। दीपावली पर शहर की सजावट त्यौहार की रौनक को खास बनाती है। इसे देखने को लोग देश और विदेश से भी पहुंचते है। जयपुर के चारदीवारी के बाजारों में हर साल सजावट की जाती है। शहर के बड़ी चौपड़ एवं छोटी चौपड़ पर विशेष थीम पर झांकी सजाई जाती है तो वहीं रोशनी से नहाई पिंकसिटी की दीवारें इस सुंदरता को चार चांद लगाती है। इस बार भी अलग लग थीम पर बाजारों की सजावट शुरू हो गई है। परकोटा के बाजारों सहित एमआई रोड, वैशाली नगर, मानसरोवर, झोटवाड़ा के बाजारों की सजावट की जा रही है।

दो वर्ष बाद लौटेगी बाज़ारों में रौनक

विश्व में प्रसिद्ध जयपुर की दीपावली को रौनक दो वर्ष बार पुनः लौटेगी। दो वर्ष बाद बाजारों में सजावट को लेकर उत्साह नजर आ रहा है। कोरोना संक्रमण के चलते 2020 में बाजारों में सजावट नहीं की गई। 2021 में दिवाली पर सजावट की गई, लेकिन बाजारों में बिक्री और ग्राहकों का रुझान कम होने के कारण व्यापारी निराश रहे। इस बार दिवाली से पहले ही बाजारों में ग्राहकों की भीड़ नजर आ रही है। ऐसे में व्यापारियों ने सजावट के लिए आगे चलकर पहल की है। जिसके बाद व्यापार मंडल ने भी जोरो से तैयारी शुरू कर दी है।

छोटी-बड़ी चौपड़ पर झांकियाँ

दिवाली पर परकोटा के बाजार विभिन्न थीम पर सजाए जा रहे हैं। साथ ही छोटी चौपड़ और बड़ी चौपड़ पर विशेष झांकियां सजाई जाएंगी। जयपुर व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने बताया कि शहर के परकोटा में विशेष सजावट की जाएगी दोनों चौपड़ पर झांकी सजाई जाएगी। बाजारों के व्यापारिक संगठन अलग-अलग थीम पर काम कर रहे, ताकि जयपुर आने वाले लोगो को हर जगह अलग दिखे।

बाज़ारों में स्वागत गेट बनेंगे

जयपुर व्यापार मंडल अध्यक्ष ने बताया कि इस बार सभी व्यापारियों ने मिलकर तय किया है कि चाइनीज लाइटों का उपयोग नहीं किया जाएगा। साथ ही सभी बाजारों में स्वागत द्वार भी बनाए जाएंगे, ताकि जयपुर में आने वाले हर व्यक्ति को हर मोड़ पर कुछ खास नजर आए। चौड़ी चौपट पर परकोटे का प्रवेश द्वार बनाया जाएगा, जिसे भव्य एवं सुन्दर कलाकृतियों से सजाया जाएगा। ग्रेटर निगम महापौर शील धाभाई की अध्यक्षता में बुधवार को दीपावली महोत्सव पर जयपुर शहर की साफ सफाई, सजावट एवं पर्यटन को लेकर जयपुर शहर के व्यापारियों के साथ बैठक हुई। बैठक में महापौर शील धाभाई ने कहा कि जयपुर शहर पूरे विश्व में गुलाबी नगरी के नाम से अपनी अलग पहचान रखता है।

हिलव्यू समाचार में विज्ञापन एवं ख़बरों के लिए सम्पर्क करें...

हरीश श्रीवास्तव
सह संपादक, छबड़ा
+9461846059, 7976561127

असलम रोमी पत्रकार
ब्यूरो चीफ कोटा
+91 99283 50279, 7976561127

एक नज़र

लोक-उमंग में छात्राओं ने दी लोक-गीत प्रस्तुतियां

हिलव्यू समाचार

जयपुर। बुधवार 12 अक्टूबर 2022 । कला मंज़र संस्था और कनोडिया पी.जी.महिला महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में नलिनी फाउंडेशन के सौजन्य से लोक गीत प्रस्तुति प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के रचनात्मक लेखन क्लब के अंतर्गत रखी गई थी। सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के बाद कॉलेज प्राचार्या डॉ सीमा अग्रवाल ने स्वागत वक्तव्य देकर सभी का स्वागत किया। वरिष्ठ नृत्य गुरु उषा श्री ने आयोजन की अध्यक्षता की साथ ही राजस्थानी भाषा की वरिष्ठ साहित्यकार डॉ शारदा कृष्णा ने मुख्य अतिथि व कॉलेज निदेशक डॉ रश्मि चतुर्वेदी ने अति विशिष्ट अतिथि के रूप में आयोजन की शोभा बढ़ाई और नलिनी फाउंडेशन के प्रतिनिधि के रूप में मंजू माथुर उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में शिखा माथुर, डॉ सीमा सक्सेना व हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ शीताभ शर्मा शामिल थे। कुल 30 प्रविष्टियों में सभी छात्राओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी जिनमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर क्रमशः लक्षिता डांगा , जया कृष्णा , दीपिका शर्मा रहीं। कला मंज़र संस्था की संस्थापिका मीनाक्षी माथुर ने बताया कि लोक कला एवं संस्कृति के प्रति युवाओं में जागरूकता लाने व युवा प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से संस्था द्वारा लोक-उमंग शीर्षक से आयोजनों की श्रंखला शुरु की गई है जिसके अंतर्गत विद्यालयों व महाविद्यालयों में लोक कला व संस्कृति से सम्बंधित विषयो पर प्रतियोगिताएं व वर्कशॉप आयोजित की जाएगी।इसी कड़ी में प्रथम आयोजन कनोडिया कॉलेज में रखा गया।

उषा भंडारी के प्रांत द्वारा दिव्यांग सहायता दी गई

जयपुर हिलव्यू समाचार। 11 अक्टूबर को प्रान्त RM1 स्वयंसिद्धा द्वारा महावीर विकलांग सेवा समिति में विकलांगों की सहायता हेतु 51जयपुर फुट, 2व्हीलचेयर,2 ट्राई साइकिल, 22बैसाखी 2रोजगार बॉक्स,2 सिलाई मशीन व उनकी दैनिक जीविका के लिए सामान दिया गया।

प्रांतीय अध्यक्ष लिनेस उषा भंडारी द्वारा यह कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ। इस शानदार आयोजन में उषा भंडारी जी का अथक प्रयास व प्रांत क्लब्स का सहयोग व सहभागिता रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महावीर विकलांग सहायता समिति के फाउंडर व पैट्रन डी आर मेहता सहित मल्टीपल अध्यक्ष वीना पारख,अंजना जैन,ललिता मेहता सभी ने इस आयोजन की सराहना की ।गणमान्य अतिथियों को उपहार स्वरूप पौधे भेंट किए गए। सलाहकार आशी आर्य,सचिव स्वग्रही माओ, कोषाध्यक्ष मधु शुक्ला, PRO, कमलेश सोनी, सेवा सप्ताह चेयर पर्सन आशा शर्मा, कुमुद गोड़ उपस्थित रही कार्यक्रम की समाप्ति के बाद मरीजों एवं उनके परिजनों को एवं उपस्थित सभी क्लब सदस्यों को स्वल्पाहार कराया।

साकार ने दिया विस्तृत आकार भारतीय परम्पराओं और पर्वों को

तीज,नवरात्रि गरबा और करवा चौथ जैसे पारंपरिक पर्वों को नई ऊर्जा व संचार का स्वरूप देता है साकार महिला विकास समिति

हिलव्यू समाचार

जयपुर। त्यौहारों के मौसम में अक्टूबर माह में जहाँ नवरात्रि के डांडिया या गरबा की धूम रही वहीं दशहरे के बाद महिलाओं के मंगल सुहाग की कामना का प्रतीक बना करवा चौथ अपने उत्साह के चरम पर रहा। साकार महिला विकास समिति ने पर्वों के इस मौसम को नए रंग में रंगकर महिला जगत में अपनी छाप छोड़ी है। लगातार कई वर्षों से साकार महिला विकास समिति इस तरह के आयोजन करता आ रहा है।

'म्हारो डांडिया"नवरात्रि गरबा का आयोजन दो दिवसीय

नवरात्रि के उपलक्ष साकार महिला विकास समिति एवं अक्स के माध्यम से 3 व 4 अक्टूबर को विनायका ज्वैलरी म्हारो डांडिया कार्यक्रम का आयोजन यूथ हॉस्टल में किया गया। दो दिन चलने वाले इस कार्यक्रम के पहले दिन कार्यक्रम के प्रति उत्साह देखने को मिला सब लोगों ने जम के गरबा खेला और मां भगवती की आराधना आयोजक निशा पारीक, अनीता माथुर ने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व समाज कल्याण मंत्री अरुण चतुर्वेदी, मेजर जनरल अनुज माथुर, महापौर शील धाबाई, शालिनी पारीक शर्मा,राज कंवर राठौड़ रहे। चन्द्र प्रकाश पारीक,संस्था संरक्षक राधेश्याम गुप्ता, शंकर गर्ग, एवं आयोजन समिति ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

आयोजन समिति से शंकर गर्ग अध्यक्ष जयपुर कला अंकुर कुटुंब ने बताया कि डांडिया के दौरान बहुत से प्राइज डिस्टिब्यूट किए गए जिनमें बेस्ट डांस बेस्ट कपल गरबा क्विन बेस्ट किड इत्यादि प्राइजेज दिए गए। लोगों का ध्यान गेम्स वाली स्टाइल ने अपनी ओर आकर्षित किया अलग-अलग तरह की स्टाल्स और स्वादिष्ट वैरायटियों का लोगो ने आनन्द लिया। बतौर जज संजय माथुर प्रसिद्ध बाँसुरी वादक एवं गायक ने अपनी भूमिका निभाई।

इस कार्यक्रम में सोहन लाल शर्मा,प्रतिक्षा पारीक, मंजीत अरोड़ा, मीना मूलचंदानी,भूषण शर्मा,गुल सजनानी,विधी माथुर,शालिनी शर्मा,हरीश गहलोत,शांति भटनागर,प्रणव पारीक, शालिनी श्रीवास्तव, कुलदीप गुप्ता इत्यादि गणमान्य लोगों उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एंकर अपलव सक्सेना ने किया।

'म्हारो करवा चौथ" करवा चौथ की पूर्व संध्या पर संगीतमय शाम जनम-जनम का साथ का आयोजन

साकार महिला विकास समिति एवं जयपुर कला अंकुर कुटुंब संगीत की प्रसिद्ध संस्था के संयुक्त तत्वावधान में म्हारो करवा चौथ' करवा चौथ की पूर्व संध्या पर संगीतमय शाम जनम-जनम का साथ का भव्य आयोजन किया गया। आयोजक निशा पारीक, चन्द्र प्रकाश पारीक ने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रेम भरे युगल गीतों कि प्रस्तुति जिसमें 'जनम जनम का साथ है तुम्हारा हमारा',तेरे हाथों में पहना के चूड़ियाँ इत्यादि गीतों की प्रस्तुति दी इस कार्यक्रम में ओम गोदारा, राज कंवर राठौड़, ज्योतिषाचार्य पवन शर्मा, राधेश्याम गुप्ता,शंकर गर्ग,प्रमिला खंडेलवाल, मनोज भारद्वाज, बजरंग सिंह शेखावत, सोहन लाल शर्मा,सुमन पारीक, मंजीत अरोड़ा, मीना मूलचंदानी,संजय माथुर, भूषण शर्मा, मुकेश पारीक, प्रणव पारीक, हरीश गहलोत, नीरज पुरोहित,अन्ना अशोक,चैरीशा कुमार,बेला माथुर, सुधीर माथुर, निशा शर्मा, शालिनी श्रीवास्तव, सोनिया शर्मा, सानिया, शिल्पी चौरसिया, संजय मिश्रा इत्यादि गणमान्य लोग उपस्थित रहे इस कार्यक्रम में लाल रंग के परिधान में सजी सभी महिलाओं को उपहार दिए गए।

चैम्बर भवन में हुआ तीन पुस्तकों का विमोचन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 14अक्टूबर को कलम प्रिया लेखिका साहित्य संस्थान के बैनर तले एमआई रोड स्थित राजस्थान चैम्बर्स एंड कॉमर्स भवन के सभागार में शुक्रवार को लोकार्पण समारोह में तीन पुस्तकों का विमोचन किया गया। इस मौके पर शशि सक्सेना संपादित सांझा संग्रह कटोरी चीनी की,कलम काव्य संग्रह व जीवन संगीत एकल का विमोचन किया।

संस्थान की अध्यक्ष शशि सक्सेना व उपाध्यक्ष डॉ. अंजू सक्सेना ने बताया कि इस मौके पर समारोह के मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर बालमुकुंदाचार्य, विशिष्ठ अतिथि हिंदी भाषा प्रसार-प्रसार समिति के अध्यक्ष डॉ.अखिल शुक्ला,लघु कथा विशेषज्ञ गोविन्द भारद्वाज,संस्कृत साहित्यकार डॉ.शारदा कृष्ण व सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती मंजू शर्मा व अनुपम जौली मंचासीन रहे।

समन्वयक पवनेश्वरी वर्मा ने बताया कि समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों ने शशि सक्सेना की संपादित व लिखित सभी पुस्तकों की समीक्षा व प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सभी पुस्तकें साहित्य के क्षेत्र में साहित्यप्रेमियों के लिए अनूठा उपहार है। समाज के ही बीच से निकली यह पुस्तकें मर्म को छूती हुई समाज को समर्पित जान पड़ती हैं।

आस्था

शक्ति स्वयं सिद्धा

सभी नागरिकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं: कुमावत

अनंत आकाश की असीम ऊंचाइयों में वितरण करने की लालसा,अनंत आकाशगंगाओं के नक्षत्रों में खो जाने की आकांक्षा,अगाद अथाह महासागरों की गहराइयों में उतरने की तीव्र अभिलाषा,काल के विस्फरण पटल में अनंत इंफिनिटिव बनाने वाली होती है। समस्त शक्तियों के स्रोत की नीरवता और सरसता,सदैव सतत रूप से प्रवाहित होकर स्निग्ध बनाती रहती है।स्निग्ध,सिंचित और भक्ति और शक्ति से तरबतर हुआ मन और तन,आनंद की अनंतता को छूने लगता है। शक्ति आराधना का पर्व नवरात्रि,तत्पश्चात शस्त्र पूजन का पर्व विजयादशमी,उमंग और उत्साह के साथ साथ सशक्त विस्तारित रूप में इंसान को शक्ति और भक्ति से मन और मस्तिष्क की चेतना को विस्तार देने वाली होती हैं। दीपोत्सव की दीपमालाएँ, धवलन रोशनी,इंसान के उल्लास और शक्ति संवर्धित शांति का प्रतीक है। घोर अंधेरी रात में रोशन हुआ घर आंगन चप्पा चप्पा,समस्त सात्विक शक्तियों के सतत प्रवाहित सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। शक्ति और ऊर्जा तंत्र का संचालन प्रक्रम क्रमश आत्मा,मन और अंततः शरीर की ओर होता है। स्वास्थ्य वर्धन त्योहार धनतेरस, रूप सौंदर्य संवर्धन रूप चौदस,स्पंदन करती हुई प्रकाश तरंगों और जीवंतता का त्यौहार दीपमाला पर्व,तत्पश्चात कृषि और पशुपालन आधारित भारतवर्ष का समृद्ध पर्व गोवर्धन पूजा और भाई-बहन का पवित्र पर्व भाई दूज त्योहारों की एक श्रृंखला में एक नई ऊर्जा का संचरण करते हुए आते हैं। शक्ति आराधना,शस्त्र आराधना व पूजा और तत्पश्चात दीपोत्सव पर तन और धन, आरोग्य से लक्ष्मी सभी की प्राप्ति के पर्व धनतेरस से भाई दूज इंसान के साथ साथ वातावरण और प्रकृति में भी उमंग उत्साह और उल्लास लेकर आते हैं। यह ऊर्जा,प्रकाश रूप में परिवर्तित होकर मन में और वातावरण में प्रवाहित होने लगती है। अमावस्या की अंधेरी रात में भी प्रकाश की यह जगमगाहट आनंद की असीम शक्तियों और ऊर्जा के साम्य में प्रवाहित होने लगती है। त्योहार,मर्यादा और उच्च आदर्शों की शिक्षा से जीवन को ओतप्रोत करते हैं।उमंग और उत्साह इंसान को उच्चता की तरफ लेकर जाते हैं।रचनात्मकता,मूल्यों के साथ जीवनशैली,प्रकृति के प्रति प्रेम,इक्वलिटी ऑफ जेंडर,इंसानियत मानवतावाद और शांतिपूर्ण जीवन,ये त्योहार इंसान को उपहार के रूप में प्रदान करते हैं।

जग में न्यारी है शक्ति संवर्धा,
रोशनी,दसों दिशाएं रोशन हुई चहूंओर।
तन से मन का,मन से जग का,धवल
उजियारा फैलाएं हम चहूंओर।।

रामावतार कुमावत (RAS)
उपनिदेशक राजस्व, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, राजस्थान सरकार

सांस्कृतिक विरासत

भारतीय संगीत का अद्भुत सौंदर्य

सलिल सरोज, नई दिल्ली

संगीत, नृत्य और नाटक की भारतीय परंपरा हमारी सभ्यता के मूल में है। किसी भी सभ्यता का सार और गुणवत्ता उसके लोगों के सांस्कृतिक और कलात्मक हितों से आंकी जाती है। भारतीय सभ्यता अपनी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत और ललित कलाओं में समृद्ध परंपरा के साथ सार्वभौमिक रूप से मान्यता प्राप्त है। हमें, इस परंपरा के उत्तराधिकारी के रूप में, न केवल इस पर गर्व करना चाहिए, बल्कि इसे संरक्षित करने और इसे युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

हमारे देश में एक समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत है, जो हमारी सभ्यता की आंतरिक शक्ति और लचीलापन का संकेत है। भारत में शायद ही कोई क्षेत्र या घाटी या पहाड़ या समुद्र-तट या मैदान हो जो हमारे विशिष्ट लोक नृत्यों और संगीत की ध्वनि से नहीं सन्निहित हो। इन नृत्यों के विषय सरल हैं और हमारे आम लोगों के जीवन में निहित हैं।

दूसरी ओर, हमारे शास्त्रीय नृत्यों का धर्म और आस्था से बहुत गहरा संबंध था। वे कई शताब्दियों के दौरान विकसित हुए हैं और भारतीय सांस्कृतिक परंपरा को निरंतरता दी है जिसने लगातार नई परिस्थितियों के अनुकूल होने और नए प्रभावों को आत्मसात करने में जीवंतता दिखाई है। कहा जाता है कि संगीत आत्मा का पोषण है। यह मनुष्य पर सबसे सभ्य प्रभावों में से एक है। यह मनुष्य में दिव्यता को सामने लाता है और वास्तव में ईश्वर का मार्ग है। संगीत का भी एक एकीकृत

प्रभाव होता है क्योंकि यह कोई सीमा नहीं जानता।

मनुष्य की हर भावना संगीत में अभिव्यक्ति पाती है - चाहे वह आनंद हो, दुःख हो या वीरता। हालाँकि, संगीत का एक व्यावहारिक पक्ष भी है। और इस संदर्भ में हमारे दिवंगत राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने एक बार क्या कहा था:

'संगीत का असली उद्देश्य न केवल इंद्रियों को सुख देना, या मन को निर्देश देना है, बल्कि अपने पूरे अस्तित्व को परिवर्तित करना और इसे इस दुनिया के आकर्षण और मोह से ऊपर दुख से ऊपर उठाना है। संगीत की दुनिया में, आप सुंदरता के मंदिर निर्माण करते हैं और जब आप उसकी पूजा करते हैं, तो आप व्यावहारिक कार्य करने के लिए बेहतर प्रेरित होकर वापस आ जाते हैं। यही संगीत का असली उद्देश्य है।'

भारतीय संगीत काफी समृद्ध और विविध है और इसका विकास और विकास का अटूट इतिहास रहा है। हमारा संगीत विभिन्न आंतरिक और बाहरी प्रभावों के अधीन रहा है और इसके परिणामस्वरूप, युगों में कई बदलाव हुए हैं। प्राचीन भारत में, संगीत जीवन के भक्ति और कर्मकांड के साथ अटूट रूप से जुड़ा हुआ था और इसलिए, मंदिर के साथ घनिष्ठ संबंध था। इसकी भक्ति और भावनात्मक अपील के कारण ही आम लोग संगीत को महत्व देते थे। हमारे संतों और संतों के संगीत ने हमें समाज में संतुलन और व्यक्ति में धार्मिकता को बनाए रखने में भी मदद की है। संगीत भी भक्ति का सबसे बड़ा वाहन रहा है और ऋषि-मुनि संगीत के माध्यम से देवत्व तक पहुंचे हैं।

भारत वह है जो आज है, क्योंकि यहां ललित कलाओं को हमारे लोगों के जीवन के एक हिस्से के रूप में जीवित रखा गया है। हमें अपने अतीत की विरासत का उपयोग इस तरह करना होगा कि भारत के लिए एक महान भविष्य बनाने में मदद मिल सके।

देवलोक का संविधान

आज दीवाली है।सज-धज कर लक्ष्मी जी पृथ्वी लोक के अपने भक्तों को धन- संपदा का सौगात देने निकली हैं।रंग बिरंगे बिजली के बल्बों से नहाया गांव- शहर ! घर-घर के प्रवेश द्वार पर एक से बढ़कर एक रंगोली।उनकी पूजा-अर्चना करते हुए भक्तजन।कहीं- कहीं शराब पीकर जुआ खेलते लोग।सभी लोगों को धन-धान्य की स्वामिनी से लक्ष्मी की प्राप्ति की आकांक्षा है।

लक्ष्मी जी सारी रात रश्मि- पर्व की यात्रा करती रहीं।सूर्योदय होने पर उन्होंने अपने धाम में पैर रखे।

'देवी !क्या हाल है आपके भक्तों का?'

भगवान विष्णु ने मुस्कुराते हुए श्री से पूछा-

'प्रभु। मेरे भक्तों की संख्या का ग्राफ सालों-साल नीचे क्यों गिर रहा है?'

'ऐसा समझने का कारण?'

लक्ष्मी जी मौन रहीं।

'जहां अंधकार था,आप वहां गई थीं?'

'नहीं, लेकिन प्रकाश- पर्व के अवसर पर अंधेरे में क्यों जाती मैं?'

'वहां भी आपके बहुत सारे ग़रीब भक्त जन रहते हैं, लेकिन दीप जलाने या रंगोली सजाने के लिए उन लोगों के पास पैसे नहीं होते हैं इसीलिए आपको संख्या बल कम दिखाई दिया।आपको प्रकाश दिखाई देता है लेकिन तम का दर्द नहीं। अब तक आप प्रकाश को ही प्रकाशित करती रही हैं ,तम को रोशन कौन करेगा देवी !'

लक्ष्मी जी निरुत्तर थीं।

लघुकथा

उमाकान्त भारती
भागलपुर (बिहार)

कविता

पटाखे कहते हैं मुझसे

दिवाली की रात आई है,
पटाखे मुझसे कुछ बोल रहे।
पहले "फुलझड़ी' बोली मुझसे
पतली हूं थोड़ी कमजोर हूँ
पर मैं हताश नहीं,
उत्साह से भर कर जब मैं जलती
चारों और रंगीन चिंगारी छोड़
बच्चों को ताली पीटने पर,
व हँसने पर विवश कर देती हूँ।
चकरघिन्नी "चकरी' भी बोली यूँ
जीवन एक संघर्ष है,
चकरी की तरह घूमता है।
पर कभी न मानना हार ,
चमकते हुए मिट जाना तुम,
इसी तरह जीवन सफल बनाना तुम।
अनार भी कहाँ पीछे रहता
आकर बोला मुझसे यूँ
हृदय में छिपाए रखो तुम गुण,
समय पड़ने पर अंदर से निकालो गुण।
चारों तरफ खुशी व सौंदर्य की,
बौछारें छोड़ो तुम।
इतने में चिटपिटी भी चिल्लाई
सुनो सुनो तुम सब,
परिवार में चिटपिट करते रहो
बुजुर्गों का ध्यान रखते रहो।
पट पट बज कर सब को खुश रखो तुम।
दीपक भी टिमटिमाते बोला
आज अंधेरी रात है,
पर मन में हमारे उजास है,
सारे संसार को जगमगा देंगे।
अंधेरे को हम दूर भगा देंगे।
इतने में पीछे से "बम' फटा
मुझे तुम क्यों भूले हो?
मैं ठीक हूँ अभी तुम्हारे पास
मैं छोटे रूप में हूँ
पर सीमा पर जब दुश्मन आता,
बड़े धमाके हम ही तो करते हैं।
पीछे से "चिड़िया' आकर बोली
सूं सूं करती हम स्वछन्द उड़ती गगन में
बेटियों को भी उड़ने दो,
इसी तरह नाम कमा कर ,
बेटियों को भी गगन छूने दो।
राकेट भी कैसे पीछे रहता बोला यूँ
चिंगारी बरसा कर
हम आसमान को छूते हैं
तुम भी पढ़ लिख कर खूब
चांद सूरज पर पहुंचो तुम ।
धैर्य से "मोमबत्ती' भी बोली यूँ,
सरल बन कर जलते रहो
मिट जाओ पर डरो मत
भूले भटको की राहों में
अविचल-निडर-स्थिर रहकर
हमेशा उजाला बिखेरते रहो तुम।
यह है हमारे "पटाखों' की आवाज़,
जो हमें देते हमें जीवन संदेश,
हौसलों की उड़ान भरते रहो,
पथ में सितारों की तरह चमकते रहो।

डॉ सुशीला जोशी,
कोटा, राजस्थान

एजुकेशन

अगर आप पायलट बनना चाहते हैं तो सबसे पहले आपको 10वीं क्लास अच्छे अंकों से पास करनी होगी. उसके बाद आपको फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स के साथ 12वीं क्लास को पास करने के साथ आपको इंग्लिश अच्छे से बोलनी आनी चाहिए. अगर आपने इन शर्तों को पूरा कर लिया तो आप 12वीं कक्षा पास करने के साथ ही पायलट प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए आर्म्ड फोर्सेज सेंट्रल मेडिकल इस्टैब्लिशमेंट से मेडिकल सर्टिफिकेट होना जरूरी है. पायलट बनने के लिए आपको पायलट एंट्रेंस एग्जाम को क्लियर करना होता है जिसमें लिखित परीक्षा, मेडिकल परीक्षा और इंटरव्यू शामिल है.

कितना समय लगता है

पायलट बनने के लिए सबसे पहले किसी फ्लाइंग क्लब में एडमिशन लेना होगा, जो गवर्नमेंट ऑफ इंडिया द्वारा मान्यताप्राप्त होना चाहिए. इसके साथ ही आपको स्टूडेंट पायलट लाइसेंस के लिए अप्लाई करना होता है और एंट्रेंस एग्जाम पास करना होगा. उसके बाद आपको ट्रेनिंग पूरी करनी होगी. इंडिया में आपको पायलट बनने के लिए 2 से 3 साल का समय लगता है. वहीं अगर आप विदेश जाकर पायलट बनना चाहते हैं 1 साल में पायलट बन सकते हैं.

पायलट की जॉब, एक ऐसी जॉब है जिसमें अच्छी सैलरी के साथ- साथ कई अन्य सुख-सुविधाएं भी मिलती हैं. यह जॉब रोमांच से भरपूर तो है ही, इसके साथ ही इस जॉब में आपको पूरी दुनिया घूमने का मौका भी मिलता है. अगर आप पायलट बनकर अपना करिअर बनाना चाहते हैं, तो आपको इसके बारे में जानकारी होना जरूरी है.

योग्यता

पायलट बनने के लिए आपको एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को पूरा करना जरूरी होता है, जिसमें भारतीय नागरिक होने के अलावा 12वीं क्लास फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ के साथ न्यूनतम 50 फीसदी अंकों से पास करना जरूरी है. इसके अलावा आपकी लंबाई कम से कम 5 फीट होनी चाहिए. वहीं आपकी उम्र कम से कम 16 वर्ष और अधिकतम 32 वर्ष होनी चाहिए. आपको किसी भी तरह की कोई गंभीर बीमारी नहीं होनी चाहिए. आपकी आंखों का विजन सही होना चाहिए.

कई हैं विकल्प

पायलट बनोगे तो दुनिया घूमोगे

यहां पर बना सकते हैं करिअर

एयरलाइन

पायलट करिअर में एयरफोर्स में शामिल होने के अलावा भी कई विकल्प हैं. जिसमें एयरलाइन पायलट बनना मुख्य है. इनका काम दुनिया भर में अधिक दूरी पर यात्रियों और कार्गो को एक निश्चित समय पर ले जाने के लिए एयरलाइन को उड़ाना होता है. एक वाणिज्यिक पायलट यात्रियों और कार्गो को कम दूरी पर ले जाने के लिए क्षेत्रीय एयरलाइन को उड़ाने में शामिल होता है. युवा उम्मीदवार इस करिअर को पसंद करते हैं क्योंकि इसमें आप पूरी दुनिया घूम सकते हैं.

कॉर्पोरेट

अगर आप एक कॉर्पोरेट पायलट बनना चाहते हैं तो यह निजी उद्यमों या व्यक्तियों के लिए छोटे कॉर्पोरेट टर्बोप्रॉप और जेट उड़ाने का काम करता है, ताकि कॉर्पोरेट अधिकारियों की बैठकों में यात्रा में सहायता की जा सके.

चार्टर

अगर आप किसी विशिष्ट गंतव्य और यात्रियों के लिए प्लेन उड़ाना चाहते हैं तो आप चार्टर पायलट बन सकते हैं, जिसे एयर टैक्सी भी कहा जाता है. आप अपनी निजी चार्टर कंपनी संचालित कर सकते हैं या अन्य चार्टर एयरलाइनों के लिए काम कर सकते हैं.

संस्थान

- सीएई ऑक्सफोर्ड एविएशन अकादमी
- इंडिगो कैडेट प्रशिक्षण कार्यक्रम
- सरकारी विमानन प्रशिक्षण संस्थान
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी
- बॉम्बे फ्लाइंग क्लब
- राजीव गांधी एकेडमी ऑफ एविएशन टेक्नोलॉजी
- मध्य प्रदेश फ्लाइंग क्लब
- राष्ट्रीय उड़ान प्रशिक्षण संस्थान
- अहमदाबाद एविएशन एंड एरोनॉटिक्स लिमिटेड
- पुडुचेरी ठाकुर कॉलेज ऑफ एविएशन
- गवर्नमेंट फ्लाइंग क्लब
- ओरिएंट फ्लाइंग स्कूल
- उड्डयन और विमानन सुरक्षा संस्थान

किसी भी देश व सभ्यता के विकास में टेक्सटाइल इंडस्ट्री का बहुत बड़ा योगदान होता है. भारत में भी इस इंडस्ट्री ने देश की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है. इसे देश के सबसे पुराने | इंडस्ट्री में से एक माना जाता है. भारत में पहले सिर्फ फैब्रिक प्रोडक्शन किया जाता था, लेकिन अब नई टेक्नोलॉजी के आने से यह तेजी से विकसित हुई है. अब यह इंडस्ट्री रिसर्च, डेवलपमेंट, मेन्युफैक्चरिंग और मर्चेंडाइजिंग जैसी कई श्रेणियों में काम कर रही है, जिसके कारण इसमें जॉब के अवसर भी पहले की अपेक्षा अब तेजी से बढ़ रहे हैं.

टेक्सटाइल इंजीनियरिंग

कपड़ों को फैशनेबल बनाओ भविष्य चमकाओ

टेक्सटाइल सेक्टर में रंग, वस्त्र फाइबर, मशीनरी और उत्पाद, कपड़ा और परिधान प्रक्रियाओं को डिजाइन और नियंत्रित करने की प्रक्रिया शामिल है. जिसमें फैशनेबल कपड़ों की मांग को ध्यान में रखते हुए बहुत ज्यादा रिसर्च, क्रिएटिविटी और इनोवेशन की जरूरत होती है. इसमें टेक्सटाइल इंजीनियरिंग की यह शाखा उन सिद्धांतों का भी अध्ययन करती है जो कपड़ा फाइबर के निर्माण में पॉलिमर का विश्लेषण करते हैं. जिनका उपयोग सभी प्रकार के यार्न और टेक्सटाइल कपड़ों के निर्माण में किया जाता है. कपड़ा इंजीनियरिंग में कपड़े को आकर्षक और फैशनेबल बनाने पर जोर दिया जाता है. इसके लिए टेक्सटाइल इंजीनियर को काफी रिसर्च और एक्सपेरिमेंट करना पड़ता है. टेक्सटाइल इंजीनियर को नवाचार, अनुसंधान और रचनात्मकता जैसे कौशल की आवश्यकता होती है.

कोर्सेस

अगर आप टेक्सटाइल इंडस्ट्री में करिअर बनाना चाहते हैं तो आपको 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स या बायोलॉजी जैसे विषय में पढ़ाई करनी होगी. इसके बाद टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में बीई या बीटेक, टेक्सटाइल डिजाइनिंग में बीए, बीएससी, बैचलर ऑफ डिजाइन, डिप्लोमा इन टेक्सटाइल मैन्युफैक्चर या टेक्सटाइल केमिस्ट्री में बीटेक कर सकते हैं. वहीं आप इन कोर्सेज में एडवांस्ड डिप्लोमा, एमई, एमटेक और उसके बाद पीएचडी भी कर सकते हैं.

जॉब प्रोफाइल

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में आप कई जॉब प्रोफाइल पर रहकर कार्य कर सकते हैं. जिसमें मुख्य रूप से प्रोडक्शन कंट्रोल, प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इंजीनियरिंग प्रोसेस, सेल्स, कॉर्पोरेट मैनेजमेंट, सुपरविजन आदि डिपार्टमेंट्स में काम कर सकते हैं. एक टेक्सटाइल इंजीनियर आम तौर पर इंजीनियरिंग प्रोसेस से जुड़ा होता है, जबकि अपैरल और गारमेंट्स की डिजाइनिंग और मेन्युफैक्चरिंग के लिए काम करने वाले प्रोफेशनल्स प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट में काम करते हैं.

इन स्किल्स की जरूरत

अगर आप इस फील्ड में जाना चाहते हैं तो आपके अंदर कई स्किल का होना जरूरी है, जिसमें मुख्य रूप से कम्युनिकेशन स्किल्स, कंप्यूटर स्किल्स, एनालिटिकल स्किल्स और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स होनी जरूरी हैं. इसके अलावा उनमें चीजों की बारीकियों पर ध्यान देने की क्षमता, लॉजिकल थिंकिंग और क्रिएटिविटी होनी भी जरूरी है.

संभावनाएं

कोर्स पूरा होने के बाद आप टेक्सटाइल मिल्स, एक्सपोर्ट हाउसेज, निटवेयर मेन्युफैक्चरिंग यूनिट्स, टेक्सटाइल डाइंग एंड प्रिंटिंग यूनिट्स में काम कर सकते हैं. इसके अलावा आप सरकार द्वारा प्रायोजित अथवा निजी सिल्क, हैंडलूम, जूट, खादी, क्राफ्ट डेवलपमेंट संस्थानों में काम कर सकते हैं. आप फैशन रीटेलर्स डिजाइन स्टूडियोज और बड़ी टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज में भी काम कर सकते हैं.

संस्थान

- आईआईटी दिल्ली
- गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी, सेरामपुर
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन, कल्याण
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- उत्तरप्रदेश टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, कानपुर
- डॉ बीआर अंबेडकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जालंधर
- एलडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद
- गवर्नमेंट पॉलीटेक्निक, नागपुर

सक्सेस स्टोरी

अगर आप मन में कुछ ठान लें तो मुश्किल कुछ भी नहीं है. आपके सामने चुनौतियां आएंगी, आप असफल भी होंगे, लेकिन कोशिशें एक दिन सफलता जरूर दिलाएंगी. ये कहना है 2017 बैच की 120वीं रैंक हासिल कर IAS बनने वाली किरण भड़ाना का. किरण राजस्थान के भरतपुर से हैं. उनकी शुरुआती शिक्षा राजस्थान से ही हुई. किरण राजस्थान के गुर्जर समुदाय से हैं. चूंकि इस समाज में बेटियों को ज्यादा पढ़ने नहीं दिया जाता है, इसलिए उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई. लेकिन उनके पिता ने आगे बढ़ने में हमेशा उनका साथ दिया.

ग्रेजुएशन के साथ शुरू की तैयारी

चौथे प्रयास में बनीं IAS टॉपर

लड़कियों को आगे बढ़ने में कर रहीं मदद

किरण ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज से अपनी ग्रेजुएशन की पढ़ाई की. इसके बाद जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से एमए किया. ग्रेजुएशन के साथ ही सिविल सर्विसेज की तैयारी शुरू कर दी. हालांकि पढ़ाई और तैयारी, दोनों एक साथ करने में उन्हें कुछ दिक्कतें जरूर आईं. उन्होंने टाइम मैनेजमेंट से इसका हल निकाला. किरण ने ग्रेजुएशन के बाद वर्ष 2012 में पहली बार प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सकीं. इसके बाद 2014 में दूसरा और 2015 में तीसरा प्रयास भी असफल रहा. लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और कोशिश करती रहीं. वर्ष 2016 में उन्होंने चौथा प्रयास किया और इस बार वे सफल रहीं. वे 2017 में 120वीं रैंक के साथ IAS बनीं. फिलहाल वे हिमाचल प्रदेश के सलूनी में SDM पद पर तैनात हैं.

सिविल की तैयारी के लिए खुलवाई 7 लाइब्रेरी

किरण गुर्जर समुदाय से हैं इसलिए जानती हैं कि लड़कियों को आगे बढ़ने में किस तरह की दिक्कतें आती हैं. इसलिए अब वे न सिर्फ गुर्जर समाज, बल्कि सभी लड़कियों को आगे बढ़ने में मदद कर रही हैं. वे लड़कियों की कॉउंसलिंग करती हैं और उन्हें IAS की तैयारी भी करवाती हैं. उन्होंने सलूनी में युवाओं के लिए 7 लाइब्रेरी भी खुलवाई हैं ताकि बच्चे सही ढंग से सिविल की तैयारी कर सकें.

संस्कृत में पढ़ाई कर बनाएं करिअर

संस्कृत न सिर्फ भारत, बल्कि दुनिया की सबसे पुरानी भाषा में से एक है. इसलिए इसे देवभाषा भी कहा जाता है. संस्कृत भाषा से कई भाषाएं जैसे हिंदी, पंजाबी, बांग्ला, मराठी आदि की उत्पत्ति हुई है. स्टूडेंट्स अब इस भाषा को करिअर के तौर पर भी अपनाने लगे हैं. सबसे खास बात यह है कि इस भाषा की जानकारी होने के बाद स्टूडेंट्स को जॉब के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ता है. संस्कृत का ज्ञान पूजा-पाठ, कुंडली मिलान, सोलह संस्कारों का संपादन स्वरोजगार के बेहतरीन अवसर देता है.

संस्कृत में करिअर बनाने के लिए यूजीसी नेट एग्जाम पास करके संस्कृत में रिसर्च किया जा सकता है. रिसर्च फैलोशिप एग्जाम पास करने के बाद स्टूडेंट्स को आर्थिक मदद भी मिलती है. इसके अलावा संस्कृत में साहित्य से संबंधित शॉर्ट टर्म कोर्सेज भी उपलब्ध हैं. इस भाषा में पांडुलिपि संरक्षण में भी अच्छे अवसर हैं, जिनके तहत इन्हें संरक्षित कर इंटरनेट पर अपलोड करना होता है. वहीं इस भाषा के जानकार कर्मकांड के साथ-साथ संस्कृत के ट्रांसलेटर, राइटर और टीचर के तौर पर भी काम कर सकते हैं. सरकारी नौकरियों जैसे सेना में भी शास्त्री और आचार्यों की भर्ती की जाती है.

कोर्स और शैक्षणिक योग्यता

संस्कृत की शिक्षा पारंपरिक और आधुनिक, दोनों तरह से दी जाती है. संस्कृत में ग्रेजुएशन करने के लिए आपको किसी भी मान्यताप्राप्त कॉलेज से 12वीं क्लास संस्कृत सब्जेक्ट के साथ कम से कम 50 प्रतिशत अंकों से पास होना जरूरी है. इसके बाद आप संस्कृत भाषा में स्पेशलाइजेशन के साथ बैचलर ऑफ आर्ट या अन्य डिप्लोमा कोर्सेस में एडमिशन ले सकते हैं. संस्कृत भाषा को ऑनर्स कोर्स के तौर पर लेकर स्टूडेंट्स 3 साल की अवधि में अपनी ग्रेजुएशन डिग्री कंप्लीट कर सकते हैं. वहीं स्टूडेंट्स इस भाषा में 1 वर्षीय डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं. इसके अलावा स्टूडेंट्स मास्टर ऑफ आर्ट्स इन संस्कृत भी कर सकते हैं. यह 2 साल का कोर्स होगा. जबकि संस्कृत में डॉक्टरेट की डिग्री लेने के लिए रिसर्चर के तौर पर रिसर्च करना होगा, जिसके लिए उन्हें पीएचडी करनी होगी.

विदेशों तक है पहुंच

जो भी लोग संस्कृत को कमतर आंक रहे हैं, उन्हें यह बात समझ लेनी चाहिए कि यह भाषा पूरे देश में भाषायी तौर पर 15 यूनिवर्सिटी में पढ़ाई जाती है. भारत की यूनिवर्सिटीज में लाखों स्टूडेंट्स संस्कृत पढ़ते हैं और इस पर रिसर्च भी करते हैं. इसका खास कारण यह है कि संस्कृत को दुनिया की सबसे पुरानी भाषा होने का गौरव प्राप्त है. भारत से बाहर संस्कृत पूरी दुनिया के 250 से भी ज्यादा यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई जाती है.

कम एजुकेशन, अच्छी जॉब

देश के युवा अच्छी शिक्षा तो प्राप्त कर लेते हैं लेकिन मनचाही नौकरी और अच्छी सैलरी वाली जॉब मिलना इतना आसान नहीं होता. ऐसे में युवाओं की इस टेंशन को दूर करने के लिए हम आज यहां ऐसी नौकरियों के ऑप्शन दे रहे हैं जिनमें शानदार करिअर तो है ही, वहीं अच्छा पैसा भी है. खास बात ये है कि इन नौकरियों को पाने के लिए हायर एजुकेशन की भी जरूरत नहीं होती है.

इवेंट मैनेजर बनकर करें मोटी कमाई

इवेंट मैनेजमेंट एक ऐसी फील्ड है जिसकी डिमांड इन दिनों तेजी से बढ़ रही है. इस प्रोफेशन में आने के लिए आपको किसी डिग्री डिप्लोमा की कोई जरूरत नहीं है. बस आपके पास अच्छी स्किल्स होनी चाहिए और हर चीज को मैनेज करना आना चाहिए. अगर आप पार्टियों के शौकीन हैं तो यह प्रोफेशन आपके लिए और भी अच्छा रहेगा. इवेंट मैनेजर बनकर आप हर महीने 40 से 50 हजार रुपए तक कमा सकते हैं.

BPO में कर सकते हैं नौकरी

अगर आपकी इंग्लिश और हिंदी काफी अच्छी है यानी आप फ्लूएंट अंग्रेजी या हिंदी बोलते हैं तो आप BPO में अच्छी सैलरी पर नौकरी कर सकते हैं. BPO में काम करने के लिए ग्रेजुएट होना भी जरूरी नहीं है. आप 12वीं पास करने के बाद भी BPO में नौकरी कर सकते हैं. बीपीओ में 40 से 50 हजार तक की सैलरी पर नौकरी मिल जाती है.

फिटनेस ट्रेनर

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफ में हर किसी के लिए फिट रहना बेहद जरूरी बन गया है. खुद की फिटनेस का खास ख्याल रखने वाले फिटनेस ट्रेनर की मदद लेते हैं. यही वजह है कि इन दिनों फिटनेस ट्रेनर की जबरदस्त डिमांड है. इस प्रोफेशन में आने के लिए आपके पास फिटनेस का ठीक-ठाक ज्ञान होना चाहिए. फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए किसी भी प्रकार की हायर एजुकेशन की भी जरूरत नहीं होती है. इस प्रोफेशन के जरिए आप हर महीने 60 से 70 हजार रुपए या इससे भी ज्यादा कमा सकते हैं.

रेडियो या वीडियो जॉकी

रेडियो जॉकी और वीडियो जॉकी बनने के लिए आपके पास अच्छी स्किल होनी चाहिए. हालांकि इस प्रोफेशन में आने के लिए आपको किसी प्रकार की स्पेशल डिग्री तो नहीं चाहिए लेकिन इस फील्ड में करिअर बनाने के लिए ट्रेनिंग की जरूरत होती है. रेडियो जॉकी बनने के लिए आपकी आवाज अच्छी होनी चाहिए और भाषा पर भी पकड़ बेहद जरूरी है. इस प्रोफेशन में आप 35 से 40 हजार रुपए प्रतिमाह कमा सकते हैं.

सच्चा लीडर बनना है तो ज़रूर अपनाएं ये आदतें

अगर आप एक सच्चा लीडर बनना चाहते हैं और अपने बिजनेस को सफलता तक पहुंचाना चाहते हैं तो आपको खुद के व्यवहार में ये आदतें लानी जरूरी हैं.

बिजनेस हो या नौकरी या फिर स्टार्टअप, टीम का नेतृत्व तो सभी करना चाहते हैं, लेकिन टीम का विश्वास जीतना सबको नहीं आता. इसी विश्वास के बलबूते पर सफलता की इबारत लिखी जा सकती है. अक्सर हम दिग्गज एंटरप्रेन्योर्स का सक्सेस ग्राफ तो देख लेते हैं, लेकिन उसके पीछे उनकी मेहनत नहीं देखते. कभी नहीं सोचते कि वे इतनी बड़ी जिम्मेदारियां कैसे मैनेज करते हैं. कभी इनकी अच्छी आदतों को नहीं अपनाते और न उन पर गौर करते हैं. जानते हैं, कौनसी आदतें आपको सच्चा लीडर बना सकती हैं...

पढ़ना और सीखना जारी रखें

भले ही आप कितने ही सफल क्यों न हो जाएं, लेकिन खुद को सर्वोच्च ज्ञानी मानने की गलती न करें. पढ़ना और सीखना हमेशा जारी रखें. जानकारी इकट्ठी करने की आदत डालें, चाहे वह किताब से मिले, अखबार से, मोबाइल से, किसी और चीज से या फिर किसी व्यक्ति से. कई बार अपने साथ काम करने वालों से भी आपको नई चीजें सीखने को मिल सकती हैं, जो आपके बहुत काम आती हैं.

परिवार को भी वक्त देना जरूरी

बिजनेस में अक्सर ऐसी स्थितियां आती हैं, जब आपको तनाव होता है और किसी भी प्रकार का तनाव दूर करने का सबसे अच्छा साधन है परिवार. चाहे आप कितने ही व्यस्त क्यों न हों, अपने परिवार को वक्त जरूर दें. दिग्गज लीडर बनने के लिए अपने परिवार के साथ बिताए पल आपको खुशियां देंगे. जब आप खुश रहेंगे तो आप दूसरों को भी इसी खुशी का अहसास करा सकेंगे. साथ ही, यह खुशी आपको ऊर्जा से भर देगी.

स्पष्ट बात करें

आजकल तकनीक के दौर में वही बिजनेस को कामयाबी तक पहुंचा पाता है, जो टू-द-पॉइंट बात करता है. आज बेवजह लंबी बातचीत करने का किसी के पास वक्त नहीं है. ऐसे में जब भी आप किसी से बात करें या कोई मीटिंग संबोधित करें, तो पॉइंट-टू-पॉइंट ही अपनी बात रखें. बड़ी-बड़ी बातों को संक्षेप में समझाने की आदत डालें. बेकार की बातों में अपना और दूसरों का समय बर्बाद न करें. जब आप संक्षेप में अपनी बात कहेंगे तो न केवल आपका, बल्कि सामने वाले का समय भी बचेगा, जिसे किसी बेहतर काम में इस्तेमाल किया जा सकता है.

'स्नैकडाउन' मल्टी-राउंड प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता

अनएकेडमी द्वारा 'स्नैकडाउन' मल्टी-राउंड प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता का आयोजन गया है. सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्रों के अलावा कामकाजी पेशेवर भी इसमें हिस्सा ले सकते हैं. पहला ऑनलाइन क्वालीफाइंग राउंड 14 से 19 अक्टूबर तक होगा. ग्रैंड ऑनलाइन फिनाले 9 जनवरी 2022 को आयोजित किया गया है. स्नैकडाउन 2021 चैंपियन को 10,000 डॉलर्स और स्नैकडाउन गोल्ड ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा. प्रथम उपविजेता और द्वितीय उपविजेता को ट्रॉफी और मर्चेंडाइज के साथ क्रमशः 7,500 डॉलर्स और 5,000 डॉलर्स के नकद पुरस्कार मिलेंगे. शीर्ष 10 भारतीय प्रोग्रामर्स और 4 से 25 तक के वैश्विक रैंक धारकों को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे. प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए, प्रोग्रामर्स स्नैकडाउन 2021 वेबसाइट snackdown.codechef.com पर जाकर 19 अक्टूबर 2021 तक रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं.

इन सेक्टर्स में अपार संभावनाएं

कोविड के चलते पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था मंदी के शिकंजे में आ गई. लंबे लॉकडाउन के चलते भारत की विकास दर भी निगेटिव हो गई थी, लेकिन अब उसमें लगातार सुधार हो रहा है. जहां कई सेक्टर्स मंदी के चपेट में हैं, वहीं कुछ ऐसे सेक्टर भी हैं, जिन्होंने इस आपदा में अवसर खोज लिया. हेल्थकेयर सेक्टर, ई-कामर्स सेक्टर और आईटी सेक्टर में काफी अच्छी ग्रोथ देखने को मिल रही है. इन तीनों ही सेक्टर में अवसर भी बढ़े हैं.

ई-कॉमर्स

कोविड और लॉकडाउन के चलते बाजार और दुकानें लंबे समय तक बंद रहीं. इसके चलते लोगों की निर्भरता ई-कॉमर्स कंपनियों पर काफी बढ़ गई. इस वजह से ऑनलाइन ग्रॉसरी और ई-रिटेल शॉप्स के लिए बड़े अवसर पैदा हुए हैं. लॉकडाउन में ई-कॉमर्स को छूट मिलने के बाद इन कंपनियों ने अपनी नेटवर्क चेन को ज्यादा मजबूत करने का काम किया. मैनपावर की कमी को इन्होंने अच्छे से हैंडल किया. हालांकि शुरुआत में कुछ दिक्कतें आईं, लेकिन बाद में ई-कॉमर्स कंपनियों ने इसकी रिकवरी कर ली. आज के समय में ई-कॉमर्स कंपनियों में वृद्धि ने लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग में अधिक तकनीकी-सक्षम प्लेटफार्मों को भी मजबूत किया है. इस क्षेत्र में नौकरी करने वाले नए लोग अपने वेतन में 16 फीसदी वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं. इस क्षेत्र में ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सैकड़ों डिलीवरी स्टार्ट-अप और हाइपर लोकल स्टार्ट-अप भी अब मैदान में उतर गए हैं जिससे इस फील्ड की जॉब्स में एकाएक बढ़ोतरी हुई है.

आईटी

कोविड आने के बाद सबसे पहले और सबसे ज्यादा नेगेटिव असर आईटी सेक्टर पर पड़ा. खासकर लॉकडाउन के बाद एक बार को तो यह सेक्टर पूरी तरह बंद ही हो गया था, लेकिन इससे उबरते हुए इस सेक्टर ने ऐसा रास्ता निकाला जिससे आज ये सेक्टर सबसे ज्यादा फायदे में है. तमाम आईटी कंपनियों ने डिजिटल मॉडल बेहतर तरह से अपनाया जो उनकी सफलता का प्रमुख कारण बन गया. लगभग सभी आईटी कंपनियों ने वर्क फ्रॉम होम मॉडल को अच्छे से लागू किया. इसके चलते उनके बिजनेस में गिरावट नहीं आई. इससे एक तरफ तो उनके खर्चे कम हो गए तो दूसरी तरफ ऑनलाइन क्लाइंट बढ़ते रहे. लॉकडाउन में बंद पूरी दुनिया इन्फोटेक के भरोसे आ गई, जिसका इस सेक्टर को जबरदस्त फायदा मिला. साइबर सिक्योरिटी की डिमांड ने भी इसमें भूमिका निभाई. इस फील्ड में जॉब करने वाले प्रोफेशनल अपनी पिछली सैलरी के मुकाबले 15 से 25 फीसदी की बढ़त की उम्मीद कर सकते हैं. हेल्थ-टेक, एड-टेक और गेमिंग इंडस्ट्री की रिक्रूटमेंट में अचानक तेजी आई है. इसके चलते इस फील्ड में जॉब के अवसर भी काफी बढ़ गए हैं.

हेल्थकेयर

कोविड से जहां कई सेक्टर को बहुत नुकसान हुआ, वहीं हेल्थकेयर सेक्टर को सबसे ज्यादा फायदा हुआ. इस सेक्टर में लगातार अच्छी ग्रोथ हुई है. इसके चलते इस फील्ड में जॉब्स की भी भरमार है. एक अनुमान के मुताबिक 2021 में इस क्षेत्र में काम करने वाले नए लोग अपनी पिछली सैलरी के मुकाबले 15 से 20 प्रतिशत बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं. फार्मा कंपनियों ने भी इस आपदा को अवसर में बदला है.

कोविड के चलते लोग अपनी हेल्थ को लेकर पहले से कहीं ज्यादा सजग हो गए हैं. जरा भी सर्दी, खांसी या वायरल होने पर लोगों ने डॉक्टर से कंसल्ट किया और दवाओं का सहारा लिया. दवाओं के साथ हेल्थ सप्लीमेंट, फेस मास्क, सैनिटाइजर, इम्यूनिटी बढ़ाने वाली दवाएं, हाइजीन से जुड़े प्रोडक्ट की जमकर डिमांड आई और ऑनलाइन दवाओं की सप्लाई में भी बढ़ोतरी हुई. लैब और टेस्टिंग की सुविधा में विकास होने के साथ बूस्ट भी किया है, जिससे निजी अस्पतालों को भी काफी फायदा हुआ है. इसके चलते आने वाले समय में इस फील्ड में जॉब्स की बेहतरीन संभावनाएं हैं.

गहलोत-पायलट विवाद सुलझाना खड़गे के लिए चुनौती

सचिन के रोल पर अब फैसला संभव; राजस्थान में विधायक दल की बैठक फिर बुलाने के आसार

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। कांग्रेस अध्यक्ष पद पर चुनाव खत्म हो जाने के बाद अब एक बार फिर राजस्थान की सियासत गरमाने के आसार बन गए हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद अब राजस्थान के सियासी विवाद पर नए सिरे से दिल्ली में हलचल तेज हो गई है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के खेमों के बीच जारी खींचतान पर अब हाईकमान की ओर से खड़गे को फैसला करना है। राजस्थान में सियासी संकट का मामला अध्यक्ष चुनाव की वजह से पेंडिंग था, अब उस पर फिर से एक्सरसाइज शुरू होगी। आगे खबर और भी है, उससे पहले नीचे दिए गए पोल में हिस्सा लेकर आप अपनी राय दे सकते हैं।

अशोक गहलोत और सचिन पायलट खेमों के बीच खींचतान को चुनावी साल से पहले निपटाना खड़गे के लिए सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है। खड़गे इस खींचतान के खुद गवाह रहे हैं। 25 सितंबर को अशोक गहलोत खेमे के विधायकों ने नए सीएम पर फैसले का अधिकार हाईकमान पर छोड़ने के लिए बुलाई गई विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर दिया था। उस समय प्रदेश प्रभारी अजय माकन के साथ खड़गे भी हाईकमान की ओर से ऑब्जर्वर बनाकर भेजे गए थे। राजस्थान विवाद से इसी वजह से खड़गे अच्छी तरह अवगत हैं। अब उस घटना पर फैसला खड़गे को करना है।

हाईकमान को सीएम चयन का अधिकार देने विधायक दल की बैठक बुलाने के आसार

राजस्थान के सियासी विवाद पर अब कांग्रेस हाईकमान की हैसियत से मल्लिकार्जुन खड़गे फैसलों की शुरुआत एक लाइन के प्रस्ताव से कर सकते हैं। मुख्यमंत्री का फैसला हाईकमान पर छोड़ने का प्रस्ताव पारित करने के लिए विधायक दल की बैठक बुलाने पर फैसला जल्द हो सकता है। इसके लिए नए सिरे से ऑब्जर्वर नियुक्त होंगे। जयपुर में विधायक दल की बैठक बुलाए जाने से फिर सियासत गरमाएगी और बदलाव की चर्चाओं को बल मिलेगा, इसलिए बैठक पर फैसला सही समय पर ही लिए जाने की संभावना है।

नोटिस वाले तीन नेताओं के खिलाफ एक्शन पेंडिंग, अब आगे बढ़ेगी कार्रवाईः राजस्थान के सियासी बवाल पर एक्शन से खड़गे का अध्यक्ष पर पर्सेप्शन तय हो सकता है। 25 सितंबर को विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करके पैरेलल बैठक बुलाने के मामले में तीन नेताओं के खिलाफ अभी एक्शन पेंडिंग है। मंत्री शांति धारीवाल के घर पैरेलल विधायक दल की बैठक बुलाने, उसका इंतजाम करने और विधायकों को कन्फ्यूज करने का आरोप लगाते हुए धारीवाल के साथ मंत्री महेश जोशी, आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ को नोटिस दिए गए थे। तीनों नेता नोटिस का जवाब दे चुके हैं। अब खड़गे को तीनों के खिलाफ एक्शन लेने या माफ करने पर फैसला करना है। इस मामले में कार्रवाई पर राजस्थान कांग्रेस की आने वाली सियासत और अध्यक्ष की पकड़ पर नरेटिव तय होना है।

पायलट की भूमिका पर अब फैसले की संभावनाः नए अध्यक्ष के आने के बाद अब सचिन पायलट की सत्ता-संगठन में भूमिका पर अब जल्द फैसला होने के आसार है। सचिन पायलट खेमे के नेता पहले उन्हें सीएम बनाए जाने की मांग को लेकर मुखर थे,लेकिन 25 सितंबर की घटना के बाद पायलट समर्थकों ने रणनीतिक चुप्पी साध रखी है। बताया जाता है कि गांधी परिवार ने पायलट को लेकर पहले फैसला कर लिया था, उस फैसले को लागू खड़गे से करवाया जाएगा।

गहलोत-पायलट खेमों की खींचतान मिटाने के लिए बड़े फैसले संभवः कांग्रेस के जानकारों का मानना है कि मल्लिकार्जुन खड़गे शुरू में कुछ बोल्ड फैसले कर सकते हैं। इसकी शुरुआत राजस्थान से होने की संभावना है। राजस्थान में गहलोत और पायलट खेमों के बीच जारी झगड़े को मिटाना खड़गे के लिए बड़ी चुनौती मानी जा रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चुनावी सालन से पहले राजस्थान को लेकर बड़े फैसले होने तय हैं, जिसमें सत्ता और संगठन के स्तर पर बड़े बदलाव होने तय हैं। राजस्थान को लेकर रुके हुए फैसले अब जल्द होने के आसार भी बन गए हैं। पिछले 15 दिन से शांत हुई कांग्रेस की अंदरूनी सियासत दिवाली बाद फिर से गरमाने के आसार हैं।

कविता

डॉ. अचल भारती

दीपाराधना के प्रतीक

काली रात जब
संभावना के दीप जलते
सगर - डगर
उत्सव हैं मनते
जगमगाती अवलियाँ
ज्योति - शिखा की
आकाश चढ़ते
संरचना ले
प्रकाश की
सभी हैं
जीवन- पथ बढ़ते
निर्माण के क्षण हैं
गढ़ते ...और गढ़ते...
पल अंधकार के
ज्ञान की घोषणा नित
निज अभिमान का
अस्तित्व पाना
मूर्खता है
छद्म - ज्ञान से
पदार्थ - कण में
शब्द - बीज बोना
अपूर्णता है
क्षण- क्षण प्रतिक्षण
प्रकाश - पंथ को लजाना
जैसे ज्योतिरपूंज खोना
अमावस की धूर्तता है
ज्ञात हर मूढ़ की...गुरुता है...

लघुकथा

भूलते रिश्तों की चीख

घर में शादी का माहौल था । आंगन में लगन बंधाने की रश्म की तैयारी चल रही थी । तीन दिन बाद सरला की शादी थी । लड़का-सी आर पी एफ का जवान था । दो माह पहले ही ज्वाइनिंग हुई है । शादी के बाद उसे सीधे ट्रेनिंग में शामिल होना था । नौकरी वाला दामाद मिलने से घर में सभी खुश थे । घर आंगन में हंसी खुशी का माहौल था । परन्तु सरला की फूफी मीरा देवी बेहद नाराज़ दिख रही थी । जब से आई है ठीक मुंह किसी से बात नहीं कर रही थी । मेहमान वाले घर में अब भी अकेली बैठी कहीं खोई हुई सी थी । दूर के रिश्तेदारों का आना शुरू हो गया था । सभी के चेहरों में खुशी के रंग चढ़े हुए थे ।सरला की मां रेणुका देवी की ठाठ देखते ही बनता था । तभी आंगन से रेणुका देवी की आवाज सुनाई पड़ी । अपनी दूसरी बेटी सारिका जो कार्मल स्कूल में क्लास सेवन में पढ़ रही थी से कह रही थी-' देखो फूफी कहां बैठी है, बुला लाओ ! चोक पुराई करनी है !'

सारिका सरपट मेहमान वाले घर में दौड़ गई पर उल्टे पांव भाग आई और मां के आगे रोने लगी । उसकी कानों में अब भी फूफी मीरा देवी की फटकार गूंज रही थी-' क्या बुआ आंटी-बुआ आंटी लगा रखी है ।चल भाग यहां से ...!'

मां ने पूछा' क्या हुआ किसी ने कुछ कहा क्या ?'

' हां मैंने कहा ...!' फूफी ने आंगन में कदम रखा ।

' क्या हुआ दीदी ! किसी ने कुछ कहा है क्या ? देख रही हूं आप जब से आई है। खुश नहीं है । '

' बेटियों को क्या पढ़ा रही है ? जब संस्कार ही नहीं बचेगा तो रिश्ते और रिश्तेदार कैसे बचेंगे ?'

' हम कुछ समझे नहीं ! आप कहना क्या चाहती है दीदी ? हमसे कोई गलती हुई हो तो आप बड़ी है, समझा सकती है और डांट भी सकती है पर ऐसे मौके पर...!'

' यही तो यही तो ! आज के बच्चों को क्या पढ़ाया जा रहा है ? शहर में पढ़ने लगी तो बड़े छोटे की पहचान भूल जाओ । गांव समाज के संस्कार भूल जाओ । दादा दीदी, काका काकी कहने में शर्म आने लगे तो वैसे स्कूल की पढ़ाई से अच्छी है गांव के स्कूल की पढ़ाई । यहां ऐसी आंटी घंटी की पढ़ाई पर जोर तो नहीं दिया जाता है । देखो तो भला-, फूफा फूफी कह बुलाना शर्म लगता है ! उसे सीधे मौसी बुलाना तोहिन लगता है । उसे सीधे मामी कह बुलाना गंवारपन लगता है ।

जिसे देख वही- ' बुआ आंटी, मौसी आंटी -मामी आंटी ! यह सब क्या है । आज फूफी बुलाने में शर्म आ रही है ।कल फूफी को घर बुलाने में शर्म आने लगेगी ,

कल ही की बात है, रघुवीर काका का बेटा बोकारो सीटी कॉलेज में पढ़ता है । घर आये अपने फूफा को फूफा न कहकर ' अंकल-अंकल ' कह दो बार पुकारा । फूफा ने कोई जवाब नहीं दिया । यह देख उसकी मां झाड़ू लेकर निकली और बेटे की ओर लपकी ' नालायक, बहुत पढ़ लिया ! फूफा कहने में शर्म आती है । ' और एक झाड़ लगा दी ।'

' बस करो दीदी ! बच्ची की जान लेगी क्या ! सारिका फूफी का पांव छूकर माफी मांगो और आइंदा कभी बुआ आंटी नहीं सीधे फूफी बुलाएगी ..जाओ !'

' माफ करो फूफी ! आगे से ऐसी गलती नहीं करूंगी ! ' और सारिका ने सचमुच कान पकड़ ली । यह देख सब ठहाका लगा हंस पड़े !

'आओ दीदी ..चोक पुराई....!'

श्यामल बिहारी महतो
बोकारो झारखंड

लोकलुभावन होगा चुनावी साल

सीएम के संकेत- खेल व युवाओं पर फोकस, बजट का साइज करीब 2 लाख 90 हजार करोड़ के रहने की संभावना

जयपुर। अगला बजट चुनावी साल में है। इससे बजट लोकलुभावन होगा और कई बड़ी घोषणाएं भी होंगी। सरकार चाहती है कि चुनाव से पहले बड़ी-बड़ी घोषणाएं धरातल पर आ जाए, इसलिए सरकार चाहती है कि बजट जल्द आए और फिर प्लानिंग के साथ इसको लागू किया जा सके। सरकार इस बार 20 से 25 दिन पहले बजट सत्र ला सकती है। वित्त विभाग के स्तर पर भी अर्ली बजट पेश करने की तैयारियां नजर आने लगी है।

आने वाले बजट में विभागों के सालाना खर्च और योजनाओं पर होने वाले व्यय का लेखा जोखा तैयार करने के लिए वित्त व्यय विभाग ने इस बार बजट फाइनलाइजेशन कमेटी(बीएफसी) की बैठकें दो सप्ताह पहले ही शुरू कर दी है। पिछले वित्त वर्ष में बीएफसी की बैठकें 18 अक्टूबर से शुरू की गई थीं जबकि इस बार यह बैठक 6 अक्टूबर से ही शुरू हो चुकी है। बजट का साइज करीब 2 लाख 90 हजार करोड़ रुपए के आस-पास रहने की संभावना है।

सीएम दे चुके अर्ली बजट के संकेतः खुद सीएम अशोक गहलोत इस बार बजट जल्दी लाने के संकेत दे चुके हैं। गहलोत ने कहा था कि इस बार बजट में देरी नहीं होगी क्योंकि बाद में सबको इलेक्शन में जाना होता है। चाहे पक्ष हो या विपक्ष, सब चाहते हैं टाइम पर बजट आए और पूरा हो। उन्होंने यह भी कहा था- मेरा अनुभव है जब-जब सरकार रिपीट नहीं हुई, तब तमाम योजनाओं को इम्प्लीमेंट करने में दिक्कत हुई है।

19 जिलों में कलेक्टर बनेंगे प्रमोटी IAS और RAS: दीपावली के बाद होगा बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

जयपुर। राजस्थान की ब्यूरोक्रेसी में इन दिनों प्रमोटी आईएएस (आरएएस से आईएएस बने) में उत्साह का माहौल है। सरकार में उनके कैडर के लिए तय सभी पदों पर केवल उन्हीं को नियुक्ति मिलेगी। कुछ जिलों में कलेक्ट्रेट की कमान भी उन्हें सौंपी जाएगी।

सूत्रों का कहना है कि दीपावली के बाद प्रमोटी आईएएस और सीनियर आरएएस अफसरों को बेहतरीन पोस्टिंग का तोहफा मिल सकता है। फिलहाल राजस्थान के किसी भी जिले में किसी आरएएस अफसर को कलेक्टर नहीं लगाया गया है।

जल्द ही कुछ जिलों में पहले आरएएस से प्रमोट होकर हाल ही आईएएस बने अफसरों को कलेक्टर लगाया जाएगा और फिर संभव है कि सेवानिवृत्ति के पास पहुंच चुके कुछ अबॉव सीनियर स्केल के आरएएस अफसरों को भी कलेक्टर बनने का मौका मिल सकता है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पिछले कार्यकाल (2008-2013) में भी करीब 8-10 जिलों में आरएएस अफसरों को कलेक्टर लगाया था। आरएएस एसोसिएशन लंबे अर्से से यह मांग भी कर रही थी है कि आरएएस कैडर के लिए तय पदों पर आरएएस अफसरों को ही लगाया जाए न कि किसी आईएएस या किसी विभागीय सेवा के अफसर को। हाल ही सरकार ने जोधपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त पद से युवा आईएएस अफसर अवधेश मीणा को एपीओ कर वरिष्ठ आरएएस अफसर नवनीत कुमार को लगाया है। आईएएस कैडर में इसे लेकर कोई असंतोष तो नहीं, लेकिन आश्चर्य जरूर है। सूत्रों का कहना है कि चूंकि पिछले दिनों मुख्यमंत्री के स्तर पर बहुत से विधायकों-मंत्रियों ने आरएएस अफसरों को पर्याप्त तरजीह देने की सिफारिशें की हैं।

प्रमोटी आईएएस को जल्द मिल सकती है नियुक्तिः हाल ही 4 आरएएस अफसरों मुकुल शर्मा, पुखराज सेन, श्रुति भारद्वाज, अरुण कुमार पुरोहित को प्रमोट कर आईएएस काडर में शामिल किया गया है। उन्हें वर्ष 2013 बैच की वरिष्ठता मिली है। उनसे पहले अजय सिंह राठौड़, पुष्पा सत्यानी, सुनील शर्मा, मनीषा अरोरा, कल्पना अग्रवाल, इकबाल खान, महावीर प्रसाद मीणा, रामावतार मीणा, खजान सिहं, एम.एल. चौहान, रश्मि शर्मा, एल. एन. मंत्री भी आईएएस काडर की तुलनात्मक रूप से बेहतर मानी जानी वाली पोस्टिंग मिलेगी। इनके अतिरिक्त कुछ सीनियर प्रमोटी आईएएस और हैं, जो अभी तक कलेक्टर के पदों पर नहीं लगे हैं। ऐसे में उन्हें भी कुछ जिलों में कलेक्टर बनने का अवसर मिल सकता है।

नितिन दीक्षित

दीपक की आतुरता

एक दीप प्रकाशमान होने को आतुर, झंझावातों से जूझता, तूफ़ानों में घिरता।
फिर भी अपना अस्तित्व कायम रखने को आतुर, एक दीप प्रकाशमान होने को आतुर।
अपनी ही लौ को अपने हौसले की ढाल बनाता , अंत तक लड़ने का मन में साहस लिए।
जीतने की ललक मन में धारण किये , एक दीप प्रकाशमान होने को आतुर।
उसे ज्ञात है यूं ही जलना होगा अंत तक , दमन अंधियारे का करना होगा।
अंधेरे शून्य को उजियारे से भरना होगा , एक दीप प्रकाशमान होने को आतुर।

ममता

बधाई हो लक्ष्मी आई है घर में ! दाई माँ ने कहा ; इस बार फिर इस कलमुँही ने एक बेटी को जन्म दिया है मुझे तो लगता है मैं अपने घर के चिराग का मुँह देखे बिना ही मर जाऊँगी |सुलक्षणा देवी ने दाई माँ को बुलाया और उससे पूछा - कैसी है बहू ? अभी होश न आया है - दाई माँ बोली , एक काम कर बच्ची को उठा कर मुझे दे ; दाई माँ गोद में नवजात बच्ची को उठाये लाती है और सुलक्षणा जी के हाथ में दे देती है | कितनी चोखी लग रही है - दाई माँ बोली , पर मेरा वंश न चलावेगी यो सुलक्षणा जी बोली तु इक काम कर इसे रात के बखत कहीं फेक आ मने नहीं चाहिए छौरी ! दाई माँ भी मजबूर थी आदेश का पालन करने के लिए क्योंकि यही काम उनकी जीविका का एकमात्र माध्यम था | फिर भी उन्होने उस बच्ची से जुड़े आदेश का पालन करने से इंकार कर दिया |

मंजू राय शर्मा

राजस्थान में 50 गैंग एक्टिव, पाकिस्तान से फंडिंग

निगरानी न एनकाउंटर, 500 गैंगस्टरों के लिए सेफ ठिकाना बना राज्य

यूपी में ख़ौफ़, 5 साल में 150 एनकाउंटर, प्रदेश में 15 साल में 5 वो भी तीन में विवाद

हिलव्यू समाचार

जयपुर। लॉरेंस बिश्नोई जैसे कुख्यात गैंगस्टर्स के लिए राजस्थान आरामगाह बनता जा रहा है। पड़ोसी राज्यों में पुलिस अपराधियों का एनकाउंटर कर रही है, लेकिन राजस्थान में सख्त कार्रवाई न होने से 50 गिरोह के 500 से ज्यादा गैंगस्टर्स सक्रिय हो गए हैं। ये सभी मिलकर ऑपरेट कर फिरौती, खनन, हथियार व मादक पदार्थ तस्करी आदि वारदात को अंजाम दे रहे हैं। यूपी में 5 साल में ही 150 से ज्यादा बदमा जयपुर। लॉरेंस बिश्नोई जैसे कुख्यात गैंगस्टर्स के लिए राजस्थान आरामगाह बनता जा रहा है। पड़ोसी राज्यों में पुलिस अपराधियों का एनकाउंटर कर रही है, लेकिन राजस्थान में सख्त कार्रवाई न होने से 50 गिरोह के 500 से ज्यादा गैंगस्टर्स सक्रिय हो गए हैं। ये सभी मिलकर ऑपरेट कर फिरौती, खनन, हथियार व मादक पदार्थ तस्करी आदि वारदात को अंजाम दे रहे हैं। यूपी में 5 साल में ही 150 से ज्यादा बदमाशों का एनकाउंटर हो चुका है। हरियाणा और पंजाब में भी बदमाशों पर सख्त कार्रवाई होती है।

प्रदेश में पिछले 15 साल में 5 एनकाउंटर ही हुए हैं। इनमें से 3 मामलों में पुलिस को सीबीआई जांच झेलनी पड़ी। यही वजह है कि पड़ोसी राज्यों के गैंगस्टर्स भी यहां पनाह ले रहे हैं। सूत्रों का दावा है कि राजस्थान में पनाह लेने वाले पंजाब, हरियाणा और यूपी के बदमाशों के कनेक्शन पाकिस्तान से जुड़े हैं। इन सभी को हवाले के जरिए डी-ग्रुप फंडिंग कर रहा है। देशभर में पाक में बैठे बदमाशों के इशारे पर ही हथियारों की सप्लाई व अन्य वारदात होती हैं। लॉरेंस गैंग और बंबीहा गैंग के बदमाशों के पाक कनेक्शन की बात सामने आई है। इन दोनों गैंग से आनंदपाल गैंग व राजू ठेहट और शेखावाटी अंचल की गैंग के बदमाश भी जुड़े हैं, जो वारदात में सुपारी लेकर एक-दूसरे का सहयोग कर रहे हैं। मूसेवाला की हत्या के बाद एनआईए ने पहली बार सितंबर में राजस्थान में गैंगस्टरों का पाकिस्तानी कनेक्शन पता लगाने के लिए छापे मारे थे। लॉरेंस की गैंग के साथी प्रदेश में नागौर, बीकानेर, श्रीगंगानर और हनुमानगढ़, भरतपुर में सक्रिय हैं। इन जिलों में रहने वाले

बदमाश आनंदपाल, राजू ठेहट व शेखावाटी गैंग के हैं।

गैंगस्टरों पर एनआईए इसलिए एक्टिव हुई...: एनआईए के डीजी के पद पर वर्तमान में दिनकर गुप्ता तैनात हैं। गुप्ता पंजाब के डीजीपी रह चुके हैं और इससे पहले ऑर्गनाइज क्राइम कंट्रोल यूनिट के प्रमुख थे। ऐसे में पंजाब, हरियाणा व राजस्थान के गैंगस्टरों की पूरी कुंडली उनके पास है।

पहले एक-दूसरे से लड़ते थे ये गिरोह, इंटरनेट से आपस में जुड़े, अब मिलकर तस्करी और वारदातः रिटायर्ड डीजीपी कपिल गर्ग कहते हैं कि गैंगेस्टर व उनके गुर्गों का खुद के इलाकों में दूसरी गैंग से कम्पटीशन होता है। ऐसे में पड़ोसी राज्यों के बदमाश बॉर्डर इलाकों में संचालित गैंग के सरगना का सहयोग लेते हैं। पहले बदमाशों में डर था, लेकिन इंटरनेट के बाद अब ये आपस में जुड़ गए हैं। पहले जो संघर्ष होते थे, उसकी जगह अब मिलकर तस्करी और अन्य वारदात कर रहे हैं।

- लॉरेंस गैंग ने जोधपुर में हत्या की। शेखावाटी व जोधपुर की गैंग का सहयोग। लॉरेंस ने भरतपुर जेल में रहते हुए भरतपुर व धौलपुर के बदमाशों को तैयार किया।
- आनंदपाल गैंग को हरियाणा व पंजाब के बदमाश सहयोग कर रहे हैं। आनंदपाल को भगाने में हरियाणा के बदमाशों ने साथ दिया था।
- नागौर में हाल में कोर्ट पेशी पर आए बदमाश को हरियाणा की गैंग ने गोली मारकर हत्या की।
- बहरोड़ थाने में पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर गैंगेस्टर पपला को छुड़ा ले गए थे। पपला राजस्थान में फरारी काटकर हरियाणा में जमीन विवादों के सेटलमेंट व फिरौती को अंजाम दे रहा था।

प्रदेश में सबसे ज्यादा यूपी-हरियाणा के गैंगस्टर सक्रियः राजस्थान में सबसे ज्यादा गैंग हरियाणा और यूपी की सक्रिय हैं। वजह- पंजाब, हरियाणा व यूपी गैंग की गिरफ्तारी के बाद जेल में रहने के दौरान इनका राजस्थान के गैंगस्टर्स से गठजोड़ हो गया है। अब ये मिलकर वारदात करने लगे हैं। राजस्थान में अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद जब जमानत हो भी जाए तो पुलिस बाहर आने वाले गैंगस्टर व उनके गुर्गों पर निगरानी करना बंद कर देती है। ऐसे में राजस्थान में और जेल में रहकर बाहरी राज्यों के गैंगस्टर अपने गुर्गों से आसानी से फिरौती व हत्या की वारदात कर रहे हैं।

शों का एनकाउंटर हो चुका है। हरियाणा और पंजाब में भी बदमाशों पर सख्त कार्रवाई होती है।

प्रदेश में पिछले 15 साल में 5 एनकाउंटर ही हुए हैं। इनमें से 3 मामलों में पुलिस को सीबीआई जांच झेलनी पड़ी। यही वजह है कि पड़ोसी राज्यों के गैंगस्टर्स भी यहां पनाह ले रहे हैं। सूत्रों का दावा है कि राजस्थान में पनाह लेने वाले पंजाब, हरियाणा और यूपी के बदमाशों के कनेक्शन पाकिस्तान से जुड़े हैं। इन सभी को हवाले के जरिए डी-ग्रुप फंडिंग कर रहा है। देशभर में पाक में बैठे बदमाशों के इशारे पर ही हथियारों की सप्लाई व अन्य वारदात होती हैं। लॉरेंस गैंग और बंबीहा गैंग के बदमाशों के पाक कनेक्शन की बात सामने आई है। इन दोनों गैंग से आनंदपाल गैंग व राजू ठेहट और शेखावाटी अंचल की गैंग के बदमाश भी जुड़े हैं, जो वारदात में सुपारी लेकर एक-दूसरे का सहयोग कर रहे हैं। मूसेवाला की हत्या के बाद एनआईए ने पहली बार सितंबर में राजस्थान में गैंगस्टरों का पाकिस्तानी कनेक्शन पता लगाने के लिए छापे मारे थे। लॉरेंस की गैंग के साथी प्रदेश में नागौर, बीकानेर, श्रीगंगानर और हनुमानगढ़, भरतपुर में सक्रिय हैं। इन जिलों में रहने वाले बदमाश आनंदपाल, राजू ठेहट व शेखावाटी गैंग के हैं।

बाल कहानी

इस बार की दीवाली

नरेश कक्षा आठवीं का छात्र था। उसकी दो बहनें थीं- जयंती और नंदनी। वह सबसे छोटा था। माँ-बाप खेती-किसानी करते थे। अल्प वर्षा के कारणइससाल फसल अच्छी नहीं थी। वैसे भी घर की आर्थिक स्थिति पहले से खराब थी। जैसे भी हो, बस गुजर-बसर हो रहा था।

दीपावली का त्यौहार आया। दीपावली की पूरी तैयारी हो गयी थी। नरेश के बाबूजी रघु बच्चों के लिए नये कपड़े नहीं ले पाये थे। नरेश सबसे छोटा था।

इसीलिए सब के आँखों का तारा था। इसबात का नरेश घर में पूरा - पूरा फायदा उठाता था। दीपावलीकी तैयारी में ही बहुत से पैसे खर्च हो चुके थे। नये कपड़े के लिए सोचना पड़ रहा था। रघु और उसकी पत्नी गीता मन ही मन सोच रहे थे कि थोड़ा सा घर में धान रखा है; मंडी ले जाते हैं, वो बिक जाये तो बच्चों के लिये कपड़े भी आ जायेंगे। रघु मंडी की तरफ गया और नरेश खेलने के लिए अपने दोस्त विनय के घर चला गया। विनय ने नरेश को अपने नये कपड़े, फुलझड़ी, और बहुत सारे पटाखे दिखाते हुए पूछा - 'तुमने कौन - कौन से पटाखे खरीदे हैं ? नरेश , चलो न तुम्हारे घर , मुझे तुम्हारे भी नये कपड़े और पटाखे देखने है।' नरेश झट से बोला - 'आज शाम को मेरे बाबू जी नये कपड़े और पटाखे लायेंगे फिर तुम्हें दिखाऊँगा।' विनय बोला- 'ठीक है भाई, इस बार दोनों साथ में मिलकर दीपावली मनायेंगे।'

नरेश को पता था कि घर की हालत अच्छी नहीं है। फिर भी रघु के पास गया और बोला- 'बाबू, मुझे नये कपड़े चाहिये। इधर नंदनी को दीपावली के पहले ही खेल प्रतियोगिता में दो हजार रुपये मिले थे। नंदनी अपनी कॉपी में यह सोचकर दबा कर रखी थी कि दीपावलीमें नये कपड़े खरीदने के काम आएँगे। आज जब कॉपी ढूँढने लगी, तो वह कॉपी ही नहीं मिल रही थी। वह थोड़ी परेशान हो गयी थी।

नरेश पूरे गाँव में घूम-घूम कर खेलता था। खेलते - खेलते अचानक देखा कि एक बुढ़िया बाजार में दीये बेचते-बेचते बेहोश हो गयी। नरेश, विनय और कुछ साथी उस बुढ़िया के पास गये और आवाज लगाई - 'दाई , ओ दाई। फिर विनय ने बुढ़िया के मुँह पर पानी छिड़का। तब जाकर उसका होश आया। बच्चे खुश हो गये। नरेश दूसरों की मदद के लिए हमेशा आगे आ जाता था। सभी बच्चे बोले कि अब दाई को होश आ गया। चलो घर तरफ चलते हैं। नरेश कुछ समय चुप रहा, फिर बोला- 'तुम लोग जाओ, मैं आता हूँ।'

विनय बोला- 'क्यों...अब क्या हुआ ?'

नरेश ने कहा - मुझे उस दाई की मदद करनी है। चलो हम सब बैठकर दीये बेचते हैं।' सभी दोस्त हँसने लगे। उसकी खिल्ली उड़ाने लगे- 'अरे नरेश, तू पागल हो गया है क्या ऐसे बाजार में बैठ कर हम दीये बेचेंगे। ना बाबा ना। मेरे घर वाले मुझे देखेंगे तो मेरा धनिया बो देंगे। मैं जा रहा हूँ।' कहते हुए विनय वहाँ से चला गया।

नरेश बुढ़िया के पास बैठ गया, और उसकी मदद करने लगा। सारे दीये बहुत ही जल्दी बिक गये। नरेश जा ही रहा था कि बूढ़िया ने नरेश का हाथ पकड़ा। बोली- 'बेटा अपनी मेहनत की कमाई ले जा।'

नरेश- 'नहीं.....नहीं....माँ जी। मैं नहीं ले जा सकता।'

बुढ़िया बोली- 'घर में सिर्फ मैं बस रहती हूँ। मुझे इतने पैसे की जरूरत नहीं है बेटा। दीपावलीका त्यौहार है। अपनी डोकरी दाई का ही आशीर्वाद समझ कर ले लो।' नरेश के मन में लड्डू फूटा। फिर उसे पाँच सौ रुपये मिल गये। नरेश फूला नहीं समा रहा था। नरेश और रघु दोनों एक साथ ही घर पहुँचे। दोनों के चेहरे में अनोखी मुस्कान थी। नरेश की माँ पूछ बैठी कि क्या बात है भाई, बाप-बेटे के चेहरे में इतनी खुशी है। बाजार में खजाना मिल गया क्या ..?' नरेश ने सभी को आपबीती सुनाई। रघु ने भी धान की बिक्री वाली बात बताई। सब बड़े खुश हुए, लेकिन नंदनी अभी भी परेशान थी। नरेश ने पूछा- 'क्या हुआ दीदी, क्यों परेशान हो ?' नंदनी बोली- 'मेरी नीले रंग की कॉपी नहीं मिल रही है।' नरेश बोला- 'ओ ....! इतनी सी बात में परेशान हो रही हो। वो तो आलमारी में है।' नंदनी झट से बोली- दिखा, दिखा कहाँ है?' नरेश बोला- 'इतना क्यों कूद रहे हो? मैं देख रहा हूँ, इसमें क्या है ?' फिर बोला- 'दीदी, ये कॉपी में तो कुछ नहीं है। बिल्कुल खाली है।' नरेश की बातें सुनकर नंदनी के पैरों तले जमीन खिसक गयी। लेकिन नरेश मुँड़ी गड़िया कर दाँत दिखा रहा था, तो सब समझ गए कि नरेश मजाक कर रहा है। रघु ,नरेश और नंदनी तीनों ने अपने-अपने पैसे इकट्ठे किये। रघु के घर बूँद-बूँद में घड़ा भर ही गया। नए कपड़े, पटाखे, मिठाई व अन्य जरूरत के सामान खरीदे गये। खुशी-खुशी दीपावली मनाई गयी।

----++----

छत्तीसगढ़ी शब्द व मुहावरे का प्रयोग
धनिया बोना - भड़क जाना, डाँटना।
दाई - माँ।
डोकरी दाई - दादी।
मुँड़ी गड़ियाना - सिर नीचे करना।
दाँत दिखाना - जोर-जोर से हँसना।

रचनाकार
प्रिया देवांगन "प्रियू"
गरियाबंद,छत्तीसगढ़

भारत विरोधी हंगर इंडेक्स और विदेशी मीडिया

भारत के विकास को कुछ विदेशी संस्थान और मीडिया घराने पचा नहीं पा रहे हैं, लेकिन भारत न तो किसी से डरेगा और ना ही दबेगा। भारत को अब कोई नहीं रोक सकता। न ग्लोबल हंगर इंडेक्स और ना ही विदेशी मीडिया।

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

हर साल की तरह इस साल भी ग्लोबल हंगर इंडेक्स जारी कर दिया गया है और हर बार की तरह इस बार भी भारत को बहुत नीचे दिखाया गया है। भारत को लगातार नीचे दिखाना कोई नई बात नहीं हैं। चाहे ग्लोबल हंगर इंडेक्स जैसी विदेशी रिपोर्ट हो, चाहे इसे जारी करने वाले विदेशी संस्थान हों और चाहे विदेशी मीडिया हो। ये सभी हर बात में भारत को नीचे दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। असल में विदेशी मीडिया भारत के विपक्ष की तरह काम करता है। जब से भारत में मोदी सरकार आई है, तब से विदेशी मीडिया और संस्थान बौखला गए हैं। ये मोदी सरकार को नीचा दिखाने के लगातार प्रयास करते रहते हैं। इनका बस एक ही मकसद है कि कैसे भारत की छवि को बिगाड़ा जाए।

इस बार के ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत को पाकिस्तान और नेपाल से भी पीछे दिखाया गया है। इस बात से सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस इंडेक्स को बनाने का तरीका क्या होगा और कौन लोग इस तरह की रिपोर्ट बनाने का काम कर रहे हैं। असल में इस तरह की रिपोर्ट जारी करने वाले संगठनों में भारत विरोधी, खासकर मोदी विरोधी लोगों का जमावड़ा है।

मोदी सरकार आने के बाद भारत की सफलता को ये लोग पचा नहीं पा रहे हैं। यही हाल विदेशी मीडिया का है। वह भी भारत विरोधी, खासकर मोदी विरोधी पत्रकारिता करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती है। ये लोग भारत की कमियों की बात तो करते हैं, लेकिन भारत के प्रयासों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं, जबकि किसी भी रिपोर्ट में प्रयासों पर बात करना भी जरूरी होता है।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भूख को मापने का तरीका भी सही नहीं है। शरीर में भूख को मापने का तरीका कैलोरी होता है, जबकि हंगर इंडेक्स माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी जैसे कारकों को भी शामिल कर लेता है। माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी ज्यादातर पोषण के स्तर को मापने के काम में आती है। हंगर इंडेक्स चार पैमानों पर बनता है, अल्पपोषण, चाइल्ड वेस्टिंग, चाइल्ड स्टंटिंग और चाइल्ड मोर्टालिटी। इन तरीकों से हंगर इंडेक्स बनाया जा रहा है, जो कभी भी सही तरह के आंकड़े सामने लाने में सहायक नहीं हो सकते।

हंगर इंडेक्स 2022 में भारत छह पायदान लुढ़का है। अब वह 121 देशों की सूची में 107वें स्थान पर है। इंडेक्स में भारत को 29.1 स्कोर मिला है यानी यह सीरियस कैटेगरी में आता है। वहीं नेपाल को 81, पाकिस्तान को 99, श्रीलंका को 64 और बांग्लादेश को 84 अंक मिले हैं। साल 2000 में भारत का यह स्कोर 38.8 था, जो साल 2014 में घटकर 28.2 हो गया था। असल में यह सारा खेल भारत और मोदी विरोध का है। भारत के विकास को विदेशी संस्थान और मीडिया घराने पचा नहीं पा रहे हैं, लेकिन भारत न तो किसी से डरेगा और ना ही दबेगा। भारत को अब कोई नहीं रोक सकता। न कोई हंगर इंडेक्स और ना ही कोई विदेशी मीडिया।

बॉलीवुड में गोल्डन जुबली होने पर फ़िल्म निर्देशक के.सी. बोकाडिया का भव्य स्वागत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 15 अक्टूबर को भारत सरकार के लोक प्रसारक चैनल डी.डी. राजस्थान के 'संवाद' कार्यक्रम के मंच पर भारतीय सिनेमा में अपने 50 साल पूर्ण करने परआज जयपुर आए बॉलीवुड सिनेमा के दिग्गज लेखक, निर्देशक और निर्माता के.सी. बोकाडिया का भव्य स्वागत किया गया।

राजस्थान रॉयलवुड फिल्म इण्डट्रीज की तरफ से दूरदर्शन केन्द्र निदेशक के कक्ष में निदेशक श्री लक्ष्मण व्यास और केंद्राध्यक्ष सतीश देपाल के नेतृत्व में साफा व शाल ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया गया। राजस्थान में जन्मे और सारी दुनिया में अपनी फिल्मों के माध्यम से राजस्थान की पहचान बनाने वालें के.सी. बोकाडिया का राजस्थान के फ़िल्म जगत से ताल्लुक रखने वाले अभिनेताओं व कलाकारों ने भी स्वागत किया। बोकाड़िया के साथ काम करने वाले दर्जनों हिंदी व राजस्थानी फिल्मों एवं धारावाहिक में अभिनय कर चुके हैं। राजस्थान के लोकप्रिय अभिनेता राज जांगिड एवं फिल्म निर्देशक सुरेश मुदगल ने अपने पुराने दिनों को याद किया । इस अवसर पर दूरदर्शन के निदेशक लक्ष्मण व्यास, केंद्राध्यक्ष सतीश देपाल, दूरदर्शन प्रोड्यूसर राजकिशोर सक्सेना, दूरदर्शन प्रोड्यूसर वीरेन्द्र कुमार परिहार, कृषि वैज्ञानिक एव एंकर राजेश जांगिड , कला समीक्षक डॉ राजेश कुमार व्यास , अमित बोकाडिया, फिल्म पत्रकार ईशा शर्मा, फ़िल्म समीक्षक अविनाश त्रिपाठी व कई गणमान्य जन उपस्थित रहे।

हास्य- व्यंग

नए जमाने के नए वचन

सामने शादी के मंडप में चल रही शादी की रस्मों से मेरा उतना ही लेना देना है। जितना दूल्हे के दोस्तों का शादी की रस्म रिवाज से होता है या अनचाही फिल्म देखने को मजबूर एक दर्शक की मनस्थिति होती है। जो बस देख रहा या देखती है लेकिन उससे कुछ लेना देना नहीं है। लेकिन हां किसी के पूछने पर यही बताते है कि वह फिल्म को इंजॉय कर रहे है सो मैं भी यही बता रही हूं कि मैं शादी के हर रस्म को इंजॉय कर रही हूं।

पर सच पूछिए तो मेरे शरीर का हर तंत्र खाने के रह रह कर उड़कर आ रहे खुशबू की तरफ लगा हुआ है।अब तक खाने के स्टालों के तरफ दसियो चक्कर जाकर लगा आऐ हैं । बाद में जाकर कुछ मिले और कुछ खत्म हो जाए उस सिचुएशन का सामना नहीं करना चाहते .. आखिर लिफाफा भी वजनदार दिया है हम भारतीयों की मेंटालिटी होती है हर चीज को पाई पाई वसूल करना.. ।

मेरा फर्ज है कि मैं शिष्टाचार दिखाऊ। पर मैं भी क्या करूं आजकल लोग खाने के स्टालों पर शादी ब्याह में ऐसे टूटते हैं कि जैसे भीख बाटने किसी मोटे सेठ असामी को देखते ही भिखमंगे दौड़ते हैं। वही आजकल शादी ब्याह में लोगों का भी हाल रहता है ठेला- ठेली ,धक्कम -धक्की इस धक्का-मुक्की में खाना मुंह में कम और कपड़े ज्यादा खाते हैं ।पहले का सिस्टम ठीक था पातपंगत में बिठाकर राजा महाराजा के जैसे पूछ पूछ कर जिमाया जाता था। और महिलाओं को जनानखाने मे आदर के साथ खिलाया जाता था । पर अब तो भिखारियों की हालत है. बर्तन लेकर दौड़ो और टूट पड़ो।

और इधर चल रही शादी में तभी पंडित जी ने सात वचन दिलाने के बाद स्पष्ट शब्दों में घोषणा किए -'जजमान नए जमाने की शादी और नए जमाने को देखते हुए शादी के वचनों में दो वचनों की और एंट्री हुई है .. आठवां वचन है आप दोनों एक दूसरे को वचन दे कि सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर एक दूसरे की पोस्ट का सम्मान करेंगे और एक दूसरे को कभी ब्लॉक नहीं करेंगे.. अंतिम और नौवा वचन है आप दोनों एक दूसरे को सारे सोशल मीडिया अकाउंट के पासवर्ड शेयर करें तभी शादी संपूर्ण मानी जाएगी यह वचन अत्यंत ही महत्वपूर्ण है.. और शादीशुदा दांपत्य जीवन निर्बाध रूप से बिना कष्ट -भव -बाधा के चलती रहे इसके लिए इसके लिए अत्यंत ही आवश्यक है।

पंडित जी के वचन सुनकर दोनों दूल्हा-दुल्हन परेशान.. आखिर भरे मंडप में इंकार भी करें तो कैसे करें दूल्हा दुल्हन दोनों ने मरे -मराऐ मन से एक दूसरे को वचन दिया तथा पासवर्ड शेयर कर दिया.. लेकिन उनके हाव भाव देखकर.. उनकी बेबसी का साफ साफ अंदाजा लगाया जा सकता था। और इधर मैं ऊपर वाले का शुक्रिया अदा कर रही थी अच्छा हुआ आज के जमाने में मैंने शादी नहीं की एक शादी के लिए इतना बड़ा त्याग कौन करने जाए.. पासवर्ड.. शेयर ना बाबा ना.. किसी को देना मतलब 'आ बैल मुझे मार'. या अपना सिर खुद ओखली में मुसलो के नीचे लाना। चलो भाई हम तो बच गये ।

रेखा शाह
बलिया (यूपी)

धुआँ धुआँ ही, पर पास हो तुम

दिल मेरा ज़िंदा
वही तक रहता है
जहाँ तक तू
मुझे स्पर्श करता है
बाक़ी तो ज़िन्दगी
बस ख़याल ही रही
ख़्वाब बुनती रही
और मैं चलती रही
ख़्वाब जो कुछ पूरे
कुछ अधूरे रहे
मेरे उन सभी
ख़्वाबों की तहरीर हो तुम
धुआँ-धुआँ ही सही पर मेरे
आस- पास हो तुम।

गरिमा राकेश गौत्तम 'गर्विता'
कोटा राजस्थान

कविता

विजय वर्धन, बिहार

दीपक

जल दीपक दीवाली आई
समां आज मतवाली छाई
सबने साफ किए घर आंगन
रंगों से हो गए हैं कंचन
जब दरवाजे पर तू होगा
घर आयेगी लक्ष्मी माई
बापू ने फुलझडियां लाई
मां ने मीठी खीर बनाई
भैया लाए कई पटाखे
बच्चों में खुशियां भर आई
तू दीपक है महज अकेला
दूर कर रहा तम का रेला
तुम्हें देख हम सबने
दुश्मन से लड़ने की ऊर्जा पाई
जल दीपक दीवाली आई

डॉ पुष्प कुमार राय, भागलपुर

दीपों का त्योहार

कार्तिक मास का उपहार
आया दीपों का त्योहार ।।
गुलाबी ठंढ़ से गुलज़ार
बहने लगी पछुआ बयार।
खुशबू देता हरसिंगार
झूमने लगी धरा अपार।।
सुन्दर सजा हुआ बाज़ार
लगी है दीपों की क़तार ।
पटाखे रखे हैं भरमार
लेने वाले लोग हज़ार ।।
बच्चों के खुशियों का राज़
सतरंगी फुलझड़ियां आज।
दरवाजे शोभे कंदील
हर घर रोशनी में तब्दील।।
बांटों मिठाई और प्यार
हो जग में सबका मनुहार।
मिलें गले भूल भेदभाव
लाना है सबमें बदलाव।।
कार्तिक मास का उपहार
आया दीपों का त्योहार।

अध्यात्मिकता व त्यौहारों का देश भारतवर्ष

विश्वभर में आज भी भारत की वर्तमान काल में भी एक विशेष प्रकार की अद्भुत छवि है। विश्वगुरु कहा जाने वाला भारतवर्ष निसंदेह आज तकनीकी रूप से, सामरिक दृष्टि से तथा आर्थिक रूप से सर्वोपरि न हो किन्तु आध्यात्मिकता में आज भी भारत का विश्वभर में डंका बजता है। यद्यपि अलग-अलग लोक संस्कृति, अलग-अलग वेषभूषा व भाषा, अलग-अलग त्यौहारों से सुसज्जित भारत के लोगों के लिए शिव-पार्वती, राम-सीता, राधा-कृष्ण, देवी शक्ति, बजरंगबली एक ही है। त्यौहारों के नाम भिन्न हो सकते हैं किंतु उद्देश्य एक ही है।

हम विद्यालय काल से ही पढ़ते आये हैं कि भारत त्यौहारों का देश है। यहां के प्रत्येक राज्य, शहर, ग्रामीण कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जहां वर्षभर त्यौहार न मनायें जाते हो। पूरे वर्ष में हर व्यक्ति को अक्टूबर और नवंबर की प्रतिक्षा इसीलिए रहती है क्योंकि इन दो महीनों में अधिकतम व्रत और त्यौहार आते हैं।

शर्दकालीन नवरात्र से प्रारंभ होकर दुर्गा अष्टमी, विजयादशमी, छठ, करवाचौथ, झांकरी, अहोई अष्टमी , धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन व भैयादूज जैसे कई प्रमुख त्योहार इन महीनों में आते हैं। उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, बिहार, बंगाल, उत्तर भारत में ये प्रमुख त्योहार धूमधाम से मनाये जाते हैं।

धनतेरस का पर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन मनाया जाता है। इसी दिन से दीपावली के पांच दिवसीय पर्व की शुरुआत हो जाती है। धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि और धन के देवता कुबेर की पूजा का विधान है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन भगवान धन्वंतरि देव का जन्म हुआ था। इस कारण इसे धन्वंतरि जयंती या धन त्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन बाजार से बर्तन, सोना, चांदी या कोई नया सामान खरीदने का विधान है।

दीपावाली के दिन परिवार के सभी सदस्य अपने घरों की साफ-सफाई करते हैं। घर को खूब सजाते हैं। दूसरे स्थानों पर पढ़ने वाले अथवा व्यवसाय, नौकरी करने वाले सदस्य भी छुट्टियां लेकर परिवार के साथ रंगोली आदि बनाकर खुशियों के साथ पर्व मनाते हैं। संयुक्त परिवार सदस्यों के साथ देवता-पितरों का पूजन करते हैं। गोवर्धन के दिन विशेषरूप से कृषि से जुड़े परिवार गोबर का देवता बनाकर गन्ना आदि फसल का प्रतीक रखकर पूजन करते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाई दूज का त्योहार मनाया जाता है। भाई दूज का पर्व रक्षाबंधन की तरह भाई-बहन के आपसी प्रेम और स्नेह का प्रतीक होता है। भाई दूज के मौक पर बहन भाई के माथे पर टीका करती हैं, आरती उतारती है और उनकी लंबी उम्र की कामना करती हैं।

ये त्यौहार व्यक्ति के जीवन में ऊर्जा, उत्साह और आन्नद लेकर आते हैं। व्यक्ति को जीवन जीने के लिए इन्हें तीनों वृत्ति की सर्वाधिक आवश्यकता होती है। । अतः हमें त्यौहारों का महत्व समझते हुए उचित ढंग से ही परिवार के सदस्यों के साथ इन्हें मनाना चाहिए।

डॉ. उमेश प्रताप वत्स
यमुनानगर, हरियाणा

एक नज़र

हिमाचल विधानसभा चुनाव की घोषणा: आचार संहिता लागू

12 नवंबर को वोटिंग 8 दिसंबर को नतीजे

एजेंसी

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2022 की रणभेरी बज गई है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को मतदान व मतगणना की तिथियां तय कर दी हैं। हिमाचल प्रदेश में सभी 68 विधानसभा सीटों पर 12 नवंबर को मतदान होगा। 8 दिसंबर को मतों की गणना होगी, इसी दिन चुनाव नतीजे सामने आ जाएंगे। 17 अक्टूबर से चुनाव की अधिसूचना जारी होगी। 25 अक्टूबर तक नामांकन कर सकते हैं। 27 अक्टूबर को स्क्रूटनिंग होगी। 29 अक्टूबर तक प्रत्याशी नाम वापस ले सकेंगे। इस बार चुनाव आयोग ने जल्दी तिथियां घोषित कर दी हैं व नतीजे भी जल्दी आएंगे। 2017 के विधानसभा चुनाव में 9 नवंबर को एक चरण में मतदान हुआ था और मतगणना 18 दिसंबर को हुई थी। बीजेपी ने 44, कांग्रेस ने 21 और अन्य ने तीन सीटों पर जीत दर्ज की थी। 2017 में 68 पर ही चुनाव हुए थे।

गुजरात चुनाव का ऐलान इसलिए नहीं किया

हिमाचल के साथ गुजरात विधानसभा चुनाव की घोषणा न करने पर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि परंपरा, मतदान की तारीखों में अंतर और मौसम सहित विभिन्न कारकों पर विचार के बाद यह फैसला लिया गया। आयोग ने कहा कि कई राज्यों में चुनावों की घोषणा से कुछ के परिणामों के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है वहीं आचार संहिता की अवधि भी लंबी हो जाती है। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने में करीब 40 दिन का अंतराल है। नियमों के अनुसार, यह कम से कम 30 दिन होना चाहिए ताकि एक परिणाम दूसरे को प्रभावित न करें। मौसम जैसे कई कारक हैं। हम बर्फबारी शुरू होने से पहले हिमाचल प्रदेश में चुनाव कराना चाहते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि आयोग ने सभी से विचार-विमर्श किया है। आचार संहिता की अवधि भी 70 दिनों से घटाकर 57 दिन कर दी गई है।

पहली बार पिता के बाद बेटा बनेगा CJI

एजेंसी । नई दिल्ली

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ देश के 50वें प्रधान न्यायाधीश बनने जा रहे हैं। मौजूदा सीजेआई जस्टिस यूयू ललित ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में उनके नाम की सिफारिश केंद्र सरकार को भेज दी है। उनके पिता जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ भारत के प्रधान न्यायाधीश रह चुके हैं। अब 37 साल बाद उनके पुत्र जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ सीजेआई बनने वाले हैं, जो दो साल तक इस पद पर रहेंगे। दिलचस्प बात है कि जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ अपने पिता के ही कई महत्वपूर्ण फैसलों को पलट चुके हैं। चंद्रचूड़ 9 नवंबर को चीफ जस्टिस बनेंगे। उनका कार्यकाल 10 नवंबर, 2024 तक होगा। इससे पहले उनके पिता वाईवी चंद्रचूड़ भी देश के 16वें चीफ जस्टिस रह चुके हैं।

उनका कार्यकाल 22 फरवरी, 1978 से 11 जुलाई, 1985 तक लगभग 7 साल तक रहा, जो कि अब तक का सबसे लंबा समय है। अब पिता के रिटायर होने के 37 साल बाद जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को भी वही जिम्मेदारी मिलने जा रही है।

उज्जैन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार शाम 856 करोड़ की लागत वाली भव्य और दिव्य महाकालेश्वर मंदिर कॉरिडोर विकास परियोजना ‘श्री महाकाल लोक’ के पहले चरण का उद्घाटन किया। मध्य प्रदेश की उज्जैन स्मार्ट सिटी के तहत 856 करोड़ रुपए की यह परियोजना 2017 में शुरू हुई थी। पीएम मोदी ने ‘श्री महाकाल लोक’ के लोकार्पण के बाद इसकी विशेषताओं के साथ उज्जैन की खासियत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ‘महाकाल लोक’ में लौकिक कुछ भी नहीं है। शंकर के सानिध्य में साधारण कुछ भी नहीं है। सब कुछ अलौकिक है, असाधारण है, अविस्मरणीय है और अविश्वसनीय है। महाकाल नगरी प्रलय के प्रहार से भी मुक्त है। यही वो जगह है, जहां भगवान कृष्ण ने शिक्षा ग्रहण की थी। उज्जैन भारत की आस्था का केंद्र रहा है। इससे पहले पीएम मोदी ने भगवान महाकाल मंदिर में पूजा-अर्चना की।

खड़गे बने ग़ैर गाँधी कांग्रेस अध्यक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस को सोनिया गांधी के 1998 में अध्यक्ष बनने के 24 साल बाद मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के गैर गांधी अध्यक्ष बने। उन्होंने बुधवार को घोषित नतीजों में 6825 वोट से शशि थरूर को हराया। खड़गे को 7897 वोट मिले, वहीं थरूर को 1072 वोट हासिल हुए। जबकि 416 वोट अवैध करार दिए गए। नतीजों के साथ ही कांग्रेस पार्टी को 24 साल बाद गैर-गांधी अध्यक्ष मिल गया है। पार्टी मुख्यालय में मतगणना बुधवार सुबह निर्धारित समय 10 बजे के कुछ देर बाद 10.20 बजे आरंभ हुई थी। इस मौके पर अध्यक्ष पद के उम्मीदवार शशि थरूर के प्रस्तावक सांसद कार्ति चिदंबरम और कुछ अन्य चुनावी एजेंट मौजूद थे। खरगे की तरफ से सांसद सैयद नासिर हुसैन और कुछ अन्य नेता मौजूद थे। इस चुनाव में जीत के साथ ही खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाले 65वें नेता हो गए हैं। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 26 अक्टूबर को कार्यभार संभालेंगे।

खड़गे सोनिया गांधी के बाद सबसे बड़े अंतर से पार्टी अध्यक्ष का चुनाव जीते हैं। कांग्रेस में अध्यक्ष पद के लिए इससे पूर्व 1998 में वोटिंग हुई थी। तब सोनिया गांधी के सामने जितेंद्र प्रसाद थे। सोनिया गांधी को करीब 7,448 वोट मिले, जबकि जितेंद्र प्रसाद 94 वोटों पर ही सिमट गए थे। कांग्रेस अध्यक्ष की कुर्सी तक पहुंचने वाले खड़गे दूसरे दलित नेता तो हैं ही, कर्नाटक से इस पद को संभालने वाले (निजलिंगप्पा-1968 के बाद) दूसरे नेता भी हैं। बाबू जगजीवन राम खड़गे से पहले कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद पर पहुंचने वाले पहले दलित नेता थे। उन्होंने वर्ष 1970-71 के दौरान पार्टी की कमान संभाली थी।

सोनिया ने खड़गे के निवास पहुंचकर दी बधाई

फासीवादी ताकतों से लड़ना है: खड़गे

कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कहा कि पार्टी में कोई भी बड़ा या छोटा नहीं है तथा सबको साथ लेकर संगठन को मजबूत बनाएंगे और ‘फासीवादी ताकतों’ से लड़ेंगे।

खड़गे ने पार्टी अध्यक्ष निर्वाचित होने के तुरंत बाद एक संवाददाता सम्मेलन में भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में बैठे हुए लोगों का चरित्र ‘थोथा चना, बाजे घना’ है। उन्होंने कहा, ‘हमारा मानना है कि यह देश एक तानाशाह की सनक की भेंट नहीं चढ़ाया जा सकता। हमें इकट्ठे होकर इन विनाशकारी ताकतों को हराना है। उन्होंने कहा कि उनके लिए कांग्रेस का हर कार्यकर्ता समान है एवं लोकतंत्र और संविधान को खतरे में डालने वाली ताकतों से लड़ना होगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

‘अटका, लटका और भटका हुआ है विपक्ष’

एजेंसी । बहुचराजी (गुजरात)

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को मेहसाणा जिले में स्थित बहुचराजी मंदिर से पार्टी की ‘गौरव यात्रा’ की शुरुआत की और कहा कि यह यात्रा केवल बीजेपी या गुजरात तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत का ‘गौरव’ भी स्थापित करेगी।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि गुजरात के विकास को रोकने में कांग्रेस हाथ है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल ‘अटक, लटक और भटक गया’ है। गौरतलब है कि इस साल दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी दो दिन के अंदर पांच यात्राएं शुरू करेगी, जो गुजरात के विभिन्न हिस्सों से होकर गुजरेंगी।

जेपी नड्डा ने कहा कि यह बीजेपी या गुजरात की ‘गौरव यात्रा’ नहीं है, बल्कि भारत के गौरव को स्थापित करने वाली यात्रा है।उन्होंने कहा कि गुजरात भारत की ‘गंगोत्री’ है, जो नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक आत्मनिर्भर, विकसित भारत जो सबको साथ लेकर चलता है।

यात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नड्डा ने मेहसाणा जिले के बहुचराजी से यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हिंदू देवी बहुचरा के मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं और यह एक प्रमुख तीर्थस्थल है। बहुचराजी से शुरू हुई यह यात्रा 20 अक्टूबर को कच्छ के मांडवी में समाप्त होगी। कई केंद्रीय मंत्री और गुजरात भाजपा के कई नेता विभिन्न स्थानों पर यात्रा में शामिल होंगे।

यात्रा गुजरात के विकास की कहानी

जेपी नड्डा ने कहा कि यह भाजपा या गुजरात की ‘गौरव यात्रा’ नहीं है, बल्कि भारत का गौरव स्थापित करने वाली यात्रा है। यह यात्रा गुजरात से भारत की यात्रा की कहानी है। उन्होंने बबूल और आम के पेड़ लगाने की तुलना करते हुए कांग्रेस पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि अगर कोई पार्टी बबूल लगाती है, तो आपको केवल बबूल मिलेंगे। पहली ‘गौरव यात्रा’ गुजरात के तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी ने 2002 के सांप्रदायिक दंगों के बाद और राज्य विधानसभा चुनावों से पहले निकाली थी। दूसरी ‘गौरव यात्रा’ वर्ष 2017 के चुनावों से पहले निकाली गई। वहीं 2002 में, भाजपा ने कुल 182 सीटों में से 127 सीटें जीती।

उच्चतम न्यायालय ने कहा...

‘लक्ष्मण रेखा’ से वाक़िफ़, लेकिन की जाएगी नोटबंदी मामले की पड़ताल

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह सरकार के नीतिगत फैसलों की न्यायिक समीक्षा को लेकर ‘लक्ष्मण रेखा’ से वाकिफ है, लेकिन वह 2016 के नोटबंदी के फैसले की पड़ताल अवश्य करेगा, ताकि यह पता चल सके कि मामला केवल ‘अकादमिक’ कवायद तो नहीं था। जस्टिस एस. अब्दुल नजीर की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय पीठ ने कहा कि जब कोई मामला संविधान पीठ के समक्ष लाया जाता है, तो उसका जवाब देना पीठ का दायित्व बन जाता है। इसके साथ ही संविधान पीठ ने 500 और 1000 रुपए के नोट बंद करने के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को विस्तृत हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया।

5 सदस्यीय पीठ कर रही सुनवाई

संविधान पीठ में जस्टिस बीआर. गवई, न्यायमूर्ति एएस. बोपन्ना, जस्टिस वी. रमासुब्रमण्यम और जस्टिस बीवी. नागरत्ना भी शामिल थे। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने कहा कि जब तक नोटबंदी से संबंधित अधिनियम को उचित परिप्रेक्ष्य में चुनौती नहीं दी जाती, तब तक यह मुद्दा अनिवार्य रूप से अकादमिक ही रहेगा। उच्च मूल्य बैंक नोट (विमुद्रीकरण) अधिनियम 1978 में पारित किया गया था, ताकि कुछ उच्च मूल्य वर्ग के बैंक नोट का विमुद्रीकरण जनहित में किया जा सके और अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक धन के अवैध हस्तांतरण पर लगाम लगाई जा सके। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस कवायद को अकादमिक या निष्फल घोषित करने के लिए मामले की पड़ताल जरूरी है, क्योंकि दोनों पक्ष सहमत होने योग्य नहीं हैं।

निर्णय के लिए वकील को सुनना होगा

संविधान पीठ ने कहा, ‘इस पहलू का जवाब देने के लिए कि यह कवायद अकादमिक है या नहीं या न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर है, हमें इसकी सुनवाई करनी होगी। सरकार की नीति और उसकी बुद्धिमता, इस मामले का एक पहलू है।’ पीठ ने कहा, ‘हम हमेशा जानते हैं कि लक्ष्मण रेखा कहां है, लेकिन जिस तरह से इसे किया गया था, उसकी पड़ताल की जानी चाहिए। हमें यह तय करने के लिए वकील को सुनना होगा।’

अलग अधिनियम की आवश्यकता

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अकादमिक मुद्दों पर अदालत का समय ‘बर्बाद’ नहीं करना चाहिए। मेहता की दलील पर आपत्ति जताते हुए याचिकाकर्ता विवेक नारायण शर्मा की ओर से पेश हो रहे वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने कहा कि वह ‘संवैधानिक पीठ के समय की बर्बादी’ जैसे शब्दों से हैरान हैं, वरिष्ठ अधिवक्ता पी. चिदंबरम ने कहा कि यह मुद्दा अकादमिक नहीं है और इसका फैसला शीर्ष अदालत को करना है। उइस तरह के विमुद्रीकरण के लिए संसद से एक अलग अधिनियम की आवश्यकता है।

मामले की अगली सुनवाई 9 नवंबर को

शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए नौ नवम्बर, 2022 की तारीख मुकर्रर की है। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश टीएस ठाकुर की अध्यक्षता वाली पीठ ने 16 दिसंबर, 2016 को नोटबंदी के निर्णय की वैधता और अन्य मुद्दों से संबंधित प्रश्न पांच न्यायाधीशों की एक संविधान पीठ को भेज दिया था।

ज्ञानवापी विवाद : ‘शिवलिंग’ की कार्बन डेटिंग की मांग खारिज

वाराणसी। वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद में मिले कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच की मांग खारिज हो गई है। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। अदालत ने कार्बन डेटिंग के साथ ही अन्य किसी भी वैज्ञानिक तरीके के परीक्षण की मांग खारिज कर दी है। अदालत के फैसले से हिंदू पक्ष को झटका लगा है। माना जा रहा है कि अब हिंदू पक्ष हाईकोर्ट जा सकता है। जिला जज ने अपने फैसले में कहा कि हाईकोर्ट ने 15 मई को कथित शिवलिंग को सुरक्षित रखने को कहा था। कार्बन डेटिंग या किसी अन्य पद्धति से जांच से उसको नुकसान हो सकता है। राडार पद्धति से भी जांच होती है तो नुकसान की आशंका है। जज ने लिखा कि अगर नुकसान होता है तो लोगों की धार्मिक भावनाओं को भी ठेस पहुंच सकती है। अदालत ने यह भी कहा कि एएसई जांच से मामले के न्यापूर्ण समाधान की संभावना भी नहीं दिखाई देती है।

मुस्लिम पक्ष की आपत्ति के जवाब में वादी के अधिवक्ता ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के संरक्षण का आदेश क्षेत्र के संबंध में है, न की शिवलिंग की आकृति के संबंध में। चूंकि एक विषय की अलग-अलग व्याख्या की जा रही है, इसलिए उसे स्पष्ट होना आवश्यक है। इसलिए वैज्ञानिक सर्वेक्षण होना नितांत जरूरी है। मुस्लिम पक्ष ने दो बिंदुओं पर आपत्ति दाखिल की थी। पहली आपत्ति इसके मूलवाद को लेकर थी। उनका कहना था कि यह मामला मूल वाद से संबंधित नहीं है। दूसरा जिसे शिवलिंग बताया जा रहा है, वह वुजुखाना में है और उसे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सील किया गया है।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम से स्थापना दिवस का आ़ग़ाज

सरकार हमेशा पत्रकारों के साथ: भजन लाल जाटव

20 को होगा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में काव्यपाठ का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजन लाल जाटव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली, जयपुर नगर निगम ग्रेटर महापौर शील धाभाई, आवासन मण्डल आयुक्त पवन अरोड़ा और नगर निगम ग्रेटर आयुक्त महेन्द्र सोनी के हाथों से लाइट डेकोरेशन स्विच ऑन के साथ ही पिंकसिटी प्रेस क्लब के पांच दिवसीय 31वें स्थापना दिवस का शुभारम्भ हुआ। स्विच ऑन होते ही क्लब परिसर जगमगा उठा। इस अवसर पर फोटो एवं वीडियो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया।

स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत लोक कलाकार नेहा रोहिला की गणेश वन्दना पर राजस्थानी लोकनृत्य की प्रस्तुति से हुआ। लोक कलाकारों ने राजस्थानी लोकनृत्यों सहित अनेक प्रस्तुतियां दी। जिसमें चरी नृत्य, ओर रंग दे, हिवडे से दूर मत जा.....,राधाकृष्ण नृत्य..... उदयपुर के रामचन्द्र शर्मा ने आठ गिलासों पर घडारखकर भवाई नृत्य की प्रस्तुति से लोगों को रोमांचित कर दिया। साथ ही टोंक मालपुरा के सलमान ने सिर पर आग लगाकर चाय बनाई जिसे देखकर लोग वाह वाह कर उठे।

पिंकसिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अतिथियों का अभिनन्दन किया। ओर कहा कि हमारी टीम पत्रकारों के हितों के लिए कृत संकल्पित है। पत्रकार आवास समस्या का समाधान होने तक चैन से नही बैठेंगे। समस्याओं का समाधान होना चाहिए। इस पर मंत्री जूली ने कहा कि मुख्यमंत्री मीडिया फ्रेण्डली है। लॉटरी होने के बाद अटक गई पत्रकार योजना का शीघ्र समाधान होगा। अरोड़ा ने कहा कि सरकार के निर्देश मिले तो मल्टी स्टोरी आवास देंगे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मीडिया सरकार एवं समाज को सही मार्गदर्शन का कार्य करती है। वर्तमान समय में मीडिया की भूमिका अत्यन्त आवश्यक है।

सार्वजनिक निमाण मंत्री ने भजन लाल जाटव बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से आपस में प्रेम, स्नेह बना रहता है। मीडिया को सच्चाई को सचाई एवं गलत को गलत पेश करना चाहिए। जिससे मीडिया की गरिमा बनी रहे। आपके सहयोग के लिए हम हमेशा तत्पर है।

नगर निगम ग्रेटर आयुक्त महेन्द्र सोनी ने दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रेस क्लब ऐसा केन्द्र बने जिससे जुड़ने वाला व्यक्ति गर्व महसूस करें। मीडिया सरकार एवं आमजन के बीच मीडिया सेतु का कार्य करता है। राजस्थान अवासन मण्डल पवन अरोड़ा ने मीडिया को स्थापना दिवस के आयोजन के लिए प्रबन्ध कार्यकारिणी एवं मीडिया को बधाई प्रेषित की। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की मेयर शील धाबाई ने 31वें स्थापना दिवस की प्रबन्ध कार्यकारिणी को बधाई देते हुए कहा कि आपने बहुत सुन्दर आयोजन करवाया। आपका स्नेह इसी तरह मिलता रहे। पत्रकार विषम परिस्थिति में भी काम करता हैं। मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ ही नही बल्कि अंगद का पैर है, जहां रखते हो वहां की तस्वीर बदल जाती है।

क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा, महासचिव रघुवीर जांगिड़ एवं संयोजक राहुल गौतम, उपाध्यक्ष पंकज शर्मा, गिरिराज गुर्जर, फोटो व वीडियों प्रदर्शनी संयोजक विजेन्द्र जायसवाल,एवं प्रबन्ध कार्यकारिणी सदस्य राहुल भारद्वाज, संतोष कुमार शर्मा, पुष्पेन्द्र सिंह राजावत, श्रीमती अनिता शर्मा, दिनेश कुमार शर्मा, नमोनारायण अवस्थी, विकास आर्य ने अतिथियों का माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। प्रेस क्लब परिसर में सदस्यों ने परिवार सहित सेल्फी पाइंट पर आकर्षण का केन्द्र आमेर फोर्ट पर फोटोग्राफ लिए।

सपनों की सार्थकता सपने देखने से नहीं बल्कि सपनों को जीने व कोशिश करने से सम्पूर्ण होती है : रेखा राठौड़

वार्ड पार्षद 47 सिविल लाइन

सभी को दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कभी-कभी जीवन में हम जो चाहते हैं उससे बढ़कर हमें मिलता है क्योंकि प्रयास और परिश्रम दोनों ही भूमिका हम बख़ूबी से निभाते हैं। पिता बैंक मैनेजर श्री सुरेंद्र सिंह शेखावत और माता पुष्प कंवर गृहणी थीं एक भाई विक्रम सिंह शेखावत और एक बहन अनुराधा शेखावत के साथ पली बढ़ी साधारण परिवार में जन्मी रेखा राठौड़ ने कभी व्यापार या राजनीति की कल्पना नहीं की थी। ग्रेजुएशन के साथ फैशन डिजाइनिंग का शौक़ रहा लेकिन कभी उसे प्रोफेशन बनाने का सपना नहीं बुना।

आज 11 माइनिंग की मालिक और राजनीति में अपना मुक़ाम बनाकर छाप छोड़ने वाली आत्मविश्वास से भरी,हर ग़लत बात में अपना विरोध दर्ज करने वाली, अपने वार्ड ही नहीं बल्कि अपने सम्पूर्ण क्षेत्र में हर किसी के सहयोग के लिए तत्पर सिविल लाइन विधानसभा क्षेत्र वार्ड 47 की पार्षद रेखा राठौड़ से आइये जानते हैं उनका सफ़रनामा --

Q. राजनीति में कैसे प्रवेश हुआ और इस निर्णय में परिवार की क्या राय रही शुरू में ?

हमारे पार्टनर रणजीतसिंह जी ने 2012 में संघ में सिविल लाइन से मुझे मातृशक्ति प्रमुख पद के लिए मुझे प्रेरित किया और इस तरह राजनीति में मेरे क़दम आगे बढ़ते चले गए। जहाँ तक परिवार की बात है शुरू में कोई नहीं चाहता था कि मैं बिज़नेस करूँ या राजनीति में जाऊँ लेकिन मेरी प्रस्तुति,कार्य करने की शैली,कोशिश और मेहनत से मैंने सबके बीच विश्वास क़ायम किया। आज मेरे दोनों परिवार मायका और ससुराल मेरे साथ खड़े हैं। परिवार में विश्वास क़ायम करना हर स्त्री का फ़र्ज़ है और वह मैंने पूरा किया है। 2020 में जब चुनाव जीता था वार्ड पार्षद का वह बहुत संघर्ष का समय रहा। 26 अक्टूबर को ससुर जी शांत हुए 28 को तिये की बैठक थी और 29 को वोटिंग डेट थी। लेकिन ससुर जी के आशीर्वाद से ही मैं चुनाव जीती।

Q. माइनिंग के फील्ड में आपका आना संयोग था या सपना परिवार का क्या सहयोग रहा इसमें?

सच कहूँ तो शादी से पहले मेरा सपना न राजनीति था न ही व्यापार करना। मैं एक साधारण परिवार से थी और 1999 में शादी के 04 साल बाद तक भी मैं हाउस वाइफ ही थी। फिर 2004 में अपने शौक़ को मैंने फाल्गुनी बुटिक्स में बदला और राजपूती पोशाक का कार्य शुरू किया। पति मुदित राठौड़ जी का सहयोग हमेशा से मिला। बेटा आर्यन आज बीबीए कर चुका है और हॉस्पिटेलिटी मैनेजमेंट के लिए वह कोर्स करने स्विजरलैंड जा रहा है अगले साल। इस तरह काम करने से मुझमें आत्मविश्वास आया और 2011 में भाई के साथ एक क्रेशर से माइनिंग इंडस्ट्री में क़दम रखा। भाई एचडीएफसी में मैनेजर के पद पर थे उस दौरान उन्होंने पद से रिजाइन कर मुझ पर भरोसा किया। एक साल तक परिवार में किसी को उनके रिजाइन का पता नहीं था। वे रोज़ाना घर से बैंक के टाइम से ही तैयार होकर निकलते थे और वापस घर लौटते थे। इस तरह हमने अपनी मेहनत और विश्वास के बलबूते पर माइनिंग के कार्य में हाथ डाला और हमारे इस फ़ैसले ने हमें शर्मिंदा नहीं किया और आज हमारी ग्यारह माइन्स हैं।

Q. आप कॉंग्रेस विधायक प्रताप सिंह खाचरियावास के विधानसभा क्षेत्र से हैं ऐसे में भाजपा वार्ड पार्षद होकर कैसे कार्य करवा पाती हैं आप वार्डवासियों के?

वो क्षत्रिय हैं मैं क्षत्राणी हूँ ! मैं अपने आत्मविश्वास और मेहनत और वार्डवासियों के विश्वास से जीती हूँ मुझे हर हाल में उनका ख़्याल रखना है। अतः सामने कौन है इससे मुझे फ़र्क़ नहीं पड़ता मेरी पार्टी का सहयोग मुझे बराबर मिलता है और मैं काम करने में विश्वास रखती हूँ अतः जब भी वार्डवासियों को मेरी आवश्यकता होती है मैं उपलब्ध होती हूँ और उनकी हर संभव सहायता और काम पूरा करवाने की कोशिश करती हूँ। आगे भी पार्टी का जो आदेश होगा वह तन,मन,धन से पूरा करना मेरा लक्ष्य होगा।

IFWJ बारां जिला इकाई की बैठक संपन्न

बारां (हिलव्यू समाचार)। इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट बारां जिला इकाई की बैठक जिला मुख्यालय बारां पर प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राठौड़, प्रदेश अनुशासन समिति अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा,कोटा संभाग प्रभारी हिमांशु मित्तल के सानिध्य में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में मांगरोल,अंता,बारां, किशनगंज, शाहाबाद, छबड़ा,छीपाबडौद, अटरू ब्लॉक के पत्रकारों ने भाग लिया। बैठक के प्रारंभ में प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राठौड़ का आईएफडब्ल्यूजे बारां जिलाध्यक्ष फिरोज़ खान ने साफा बंधन व गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। बैठक में सभी ब्लॉक अध्यक्षों और पत्रकारों ने अपने विचार रखे। बैठक में वर्तमान जिला अध्यक्ष बदलने को लेकर भी सदस्यों से राय ली गई जिसमें करीब 80 प्रतिशत सदस्यों ने वर्तमान जिला अध्यक्ष को ही अपना समर्थन दिया। अनुशासन समिति अध्यक्ष के अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने सभी सदस्यों को संगठन की चुनाव प्रक्रिया से अवगत करवाया और नए सदस्यों के फार्म भरकर उनको संगठन की सदस्यता दिलवाई गई। इस अवसर पर बारां जिला अध्यक्ष ने प्रदेश अध्यक्ष में विश्वास जताते हुए संगठन के कहने पर पद से इस्तीफा देने की भी बात कही जिसे अस्वीकार कर दिया गया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि संगठन में अनुशासन का होना बहुत जरूरी है, सभी सदस्यों को अनुशासन में रहना चाहिए किसी भी तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला सचिव पत्रकार रहीम खान ने प्रदेश नेतृत्व से जिले के पत्रकारों के लिए फेक न्यूज़, डाटा जर्नलिज्म आदि विषयों पर समय समय पर वर्कशॉप का आयोजन करवाने की मांग की जिस पर प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने कहा कि जल्दी ही इस तरह के कार्यक्रम संगठन के द्वारा पूरे प्रदेश में करवाए जायेंगे।

नायला पत्रकार योजना के पट्टे देने की मांग लेकर 571 पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। पिंक सिटी प्रेस एनक्लेव योजना नायला के 571 आवंटी पत्रकारों ने बुधवार को सेंट्रल पार्क में आयोजित सभा की । सभा में ऐलान किया कि उनके पास जेडीए का आवंटन पत्र है, कानूनन और जेडीए रिकॉर्ड के अनुसार वे अपने अपने भूखंड के स्वामी हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस मामले में दखल दें और जेडीए को निर्देशित कर 571 परिवारों को दिवाली के मौके पर प्लॉट की सौगात दे, जो खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का भी एक ड्रीम प्रोजेक्ट है।

571 भूखंड आवंटित पत्रकारों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम पर आत्मीय पत्र लिखकर उन्हें नायला पत्रकार नगर की याद दिलाई। सभा में आवंटियों ने पिंक सिटी प्रेस एनक्लेव के संबंध में दावा किया कि साल 2013 के बाद 2018 तक सरकार के अधिकारियों ने योजना को निरस्त कराने की योजनाबद्ध तरीके से साजिश की जो अब उजागर हो चुकी है। चलो नाइला संगठन की मुहिम के बाद अनेक सत्य उजागर हुए हैं जिन्हें जेडीए अधिकारियों ने भी स्वीकार किया है । संगठन की तफ्तीश में सामने आया की जेडीए में योजना और उसके आवंटन के समस्त टाइटल क्लियर है। मामला सिर्फ मांग पत्र के अनुसार राशि लेकर भूखंड का कब्जा पत्र सौंपने का ही है। सभा में सभी आवंटियों ने जेडीए की साइट से अपने प्लाट की आवंटन की प्रथम किस्त की 10000 की रसीदें डाउनलोड की है, तथा इसका प्रिंट लेकर मुख्यमंत्री को लिखे पत्र के साथ अटैच भी किए हैं ।सभा में सभी आवंटनधारियों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भरोसा जताते हुए उम्मीद की है कि जेडीए दिवाली से पूर्व में आवंटन की शर्तों के अनुसार कब्जा पत्र जारी करेगा।

आपको बता दें कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यकाल में ही यह योजना बनी थी, इस योजना के फार्म आमंत्रित किए गए थे और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यकाल में ही इस योजना की लॉटरी निकाली गई थी । जिसमें 571 सफल आंवटियों को भूखंड आवंटित किए गए थे।

जयपुर जिला जार की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह 16 अक्टूबर को संपन्न

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) का दीपावली स्नेह मिलन एवं जयपुर जिला इकाई कार्यकारिणी शपथ ग्रहण समारोह जार मुख्यालय फ्लैट न. 13 जयपुर पुलिस कमिश्नरेट परिसर एम आई रोड पर आयोजित हुआ।

समारोह में जार के प्रदेश अध्यक्ष हरि बल्लभ मेघवाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आने वाले समय में पत्रकारों के लिए कुछ और नई हितकारी और लाभकारी योजनाएं जार द्वारा चलाई जाएंगी।एन यू जे आई राष्ट्रीय प्रतिनिधि रिछपाल पारीक ने पत्रकारों के लिए सेंट्रल से कुछ नई योजनाओं की मांग की । प्रदेश महासचिव दीपक शर्मा ने पत्रकारों के लिए उनकी सुविधा अनुसार कुछ अन्य योजनाओं का संचालन करने की जानकारी दी।

इस अवसर पर जयपुर जिला इकाई के नवनियुक्त संयोजक मुकेश मिश्रा की कार्यकारिणी में शामिल शालिनी श्रीवास्तव ,मोहित शर्मा, ब्रजमोहन शर्मा, डब्लू गोस्वामी ,उपाध्यक्ष पद पर शपथ ग्रहण किया। महासचिव पद पर बृजेश पाठक सचिव पद पर कुलदीप गुप्ता अंकित शर्मा दिलनवाज अंसारी, रूपनारायण सांवरिया शपथ ग्रहण किया। साथ ही जयपुर ग्रामीण से जिलाअध्यक्ष पद पर बंसी लाल जाट को मनोनीत किया गया।

संगठन सचिव दीपक पंवार ने शपथ ग्रहण करवाई कार्यक्रम में लगभग सौ पत्रकारों ने भाग लिया कार्यक्रम का समापन सुभाष मित्रिका और सुभाष शर्मा और हरिनाम सिंह के उद्बोधन से हुआ।

जयपुर जिला जार कार्यकारिणी की ओर से प्रदेशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामानाएँ

आवश्यकता

हिलव्यू समाचार में मार्केटिंग हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता। अनुभव एवं योग्यता को प्राथमिकता। अपना सीवी वॉट्सऐप करें या संपर्क करें - 7976561127

कॉल करें- सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।

संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **ब्यूरो चीफ कोटा:** असलम रोमी मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)